@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार 04 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 234 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

घाना की संसद में बोले पीएम मोदी

विकासशील देशों को साथ लेकर चले बिना दुनिया में प्रगति नहीं हो सकती : मोदी

अक्कारा/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलती परिस्थितियों में वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की जरूरत पर बल देते हुए हुए कहा है कि विकासशील देशों को साथ लेकर चले बिना दुनिया में प्रगति नहीं हो सकती।

श्री मोदी ने गुरूवार को यहां घाना की संसद को संबोधित करते हुए कहा, ''द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है, प्रौद्योगिकी में क्रांति, ग्लोबल साउथ का उदय और बदलती जनसांख्यिकी इसकी गति और पैमाने में योगदान दे रही है।÷

उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों में वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की आवश्यकता है और विकासशील देशों को साथ लिए बिना प्रगति नहीं हो सकती।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक संबंध स्वतंत्रता के साझा संघर्षों, लोकतंत्र और समावेशी विकास के लिए साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि भारत और घाना के इतिहास में औपनिवेशिक शासन के निशान हैं लेकिन हमारी आत्मा हमेशा स्वतंत्र और निडर रही है।

उन्होंने कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में, मैं अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। सच्चा लोकतंत्र चर्चा और बहस को बढ़ावा देता है। यह लोगों को एकजुट करता है, सम्मान और मानवाधिकारों को बढ़ावा देता है।'

श्री मोदी ने कहा कि भारत के लिए लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं है बल्कि हमारे मौलिक मूल्यों का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत भारत एक अधिक स्थिर और समृद्ध दुनिया में योगदान देगा।

उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा और घाना के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें दिये गये राष्ट्रीय सम्मान को स्थायी मित्रता का प्रतीक बताया। महान घानाई नेता - डॉ. क्वामे नक्रूमा के योगदान का हवाला देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि एकता, शांति और न्याय के आदर्श मजबूत तथा स्थायी साझेदारी की नींव हैं। डॉ. नक्रूमा को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, 'जो ताकतें हमें एकजुट करती हैं वे अंतर्निहित हैं और उन प्रभावों से बड़ी हैं जो हमें अलग रखती हैं।'

श्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, महामारी और साइबर खतरों जैसी वैश्विक चुनौतियों का भी जिक्र किया और वैश्विक शासन में विकासशील देशों के महत्व को रेखांकित किया।

इस संदर्भ में उन्होंने भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 समूह में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किए जाने को भी महत्वपूर्ण करार दिया। प्रधानमंत्री ने घाना की जीवंत संसदीय प्रणाली की सराहना की और दोनों देशों की विधायिकाओं के बीच बढ़ते आदान-प्रदान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने घाना-भारत संसदीय मैत्री सोसायटी की स्थापना का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के देशवासियों के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत घाना की प्रगति और समृद्धि की यात्रा में उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।

घाना में पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान, अब तक 24 देशों ने किया सम्मानित

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत की बढ़ती वैश्विक साख और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक कुशलता ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। पीएम मोदी को अब तक 24 देशों से सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं, जो किसी भी भारतीय नेता के लिए रिकॉर्ड है। इनमें रूस का 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रू', यूएई का 'जायद मेडल', फ्रांस का 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर', मालदीव का 'रूल ऑफ इज्जुद्दीन' और नाइजीरिया, साइप्रस, फिजी जैसे देशों के प्रतिष्ठित पुरस्कार शामिल हैं। घाना की राजधानी अक्रा में देखने को मिला, जहां पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से नवाजा गया। यह सम्मान विदेशी नेताओं को बहुत कम दिया जाता है और यह भारत-घाना के मजबूत रिश्तों का प्रतीक है। 30 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की घाना यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा किया। घाना की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत और घाना का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास और साझा मूल्यों की नींव पर टिका है। यह सम्मान भारत की जनता के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने भारत-अफ्रीका सहयोग, सांस्कृतिक जुड़ाव और विकास की साझा यात्रा पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र ने भी उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार से सम्मानित किया था। ये सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत और प्रभाव का परिचायक हैं। पीएम मोदी की अगुवाई में भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को अपनाते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत किया है। उनकी विदेश यात्राएं नए व्यापारिक अवसर, निवेश और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनी हैं। घाना का यह सम्मान भारत के वैश्विक नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित करता है। पीएम मोदी ने न केवल भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया, बल्कि वे विकासशील देशों के लिए प्रेरणा बन गए हैं।

नौसेना प्रमुख ने उपराष्ट्रपति को भेंट की छत्रपति शिवाजी महाराज की 'राजमुद्रा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने गुरुवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर एडमिरल त्रिपाठी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक 'राजमुद्रा' की प्रतिकृति उपराष्ट्रपति को भेंट स्वरूप प्रस्तुत की। उपराष्ट्रपति के एक्स हैंडल पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए यह जानकारी दी गई। यह राजमुद्रा मराठा साम्राज्य की गौरवपूर्ण विरासत और प्रशासनिक दूरदर्शिता की प्रतीक मानी जाती है। इस पर अंकित संस्कृत श्लोक का अर्थ है, शाहजी के पुत्र शिवाजी की यह मुहर, सभी के कल्याण के लिए चमकती है, पहली रात के अर्धचंद्र की तरह, जो पूरे विश्व में निरंतर फैलती और पूजनीय है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस भेंट को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बताते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज के शासन, नीति और राष्ट्रभक्ति को याद किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन आज भी जनसेवा, नीतिपूर्ण प्रशासन और आत्मगौरव का पथप्रदर्शक है। राजमुद्रा की यह प्रतीकात्मक भेंट भारतीय नौसेना और मराठा साम्राज्य के बीच उस गौरवपूर्ण सामुद्रिक परंपरा को भी रेखांकित करती है, जिसकी नींव स्वयं शिवाजी महाराज ने रखी थी।

गढ़चिरौली में खत्म होगा नक्सलवाद, समर्थन करने वालों पर भी होगी कार्रवाई: शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। यह दावा राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नक्सलियों का समर्थन करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। शिंदे ने कहा कि हमारे गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने का लक्ष्य रखा है और हम उस राह पर हैं। शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में नक्सलवाद का खात्मा करेंगे। जहां भी नक्सलवाद था, वहां अब विकास हो रहा है और नक्सलवाद को खत्म करके हम विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे पहले एक बयान में कहा गया था कि गढ़चिरौली पुलिस ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर 27 जून को एक संयुक्त अभियान में मोस्ट वांटेड माओवादी कमांडर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति, अंकल उर्फ मन्नू सुलगे पल्लो पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित 6 लाख रुपये का इनाम था। इस गिरफ्तारी के साथ, जनवरी 2022 से गढ़चिरौली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए माओवादियों की कुल संख्या बढ़कर 104 हो गई है, जो इस क्षेत्र में जारी नक्सल विरोधी अभियानों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीब आदिवासी क्षेत्रों के लिए एक बड़ी आपदा है, जिसके कारण पिछले 35 सालों में करीब 40,000 लोगों की मौत हुई है और कई विकलांग हो गए हैं।

सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या की, इस भयावक स्थिति पर चुप पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या को लेकर मोदी सरकार पर हमला कर कहा कि वे किसानों की दुर्दशा के प्रति उदासीन है, जबकि किसान दिन-प्रतिदिन कर्ज में डूब रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने केंद्र सरकार पर किसानों की कर्ज माफी और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने लिखा कि सोचिए.. सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है? नहीं। ये असल में 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और केंद्र सरकार चुप है। इस भयावक स्थिति को बेरुख़ी से देख रही है। उन्होंने लिखा कि किसान हर दिन कर्ज़ में और गहराई तक डूब रहा है, बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीजल महंगा है.. लेकिन एमएसपी की कोई गारंटी नहीं। जब वे कर्ज़ माफ़ी की मांग करते हैं, उन्हें नजरअंदाज किया जाता है। लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं? उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लें कि अनिल अंबानी का 48,000 करोड़ का एसबीआई का 'फ्रॉड'।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक, ऑपरेशन सिंदूर पर मचेगा सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा, जो पहले तय कार्यक्रम से एक सप्ताह अधिक लंबा होगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सत्र को आहूत करने के सरकारी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह को देखते हुए 13 और 14 अगस्त को संसद की बैठक नहीं होगी। पहले यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त होना था, लेकिन अब इसकी अवधि बढ़ाए जाने से सत्र में महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा की संभावना मजबूत हो गई है।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी पर सरकार की नजर

सरकार इस सत्र में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने संबंधी महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इसके तहत, परमाणु ऊर्जा अधिनियम, सिविल दायित्व अधिनियम, 2010 में संशोधन की योजना बनाई गई है। केन्द्रीय बजट में की गई घोषणा के अनुरूप इन संशोधनों से निजी निवेश को सुगम बनाने का प्रयास होगा।

इन मुद्दों पर घिर सकती है सरकार

मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही विपक्षी दलों ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में चर्चा की मांग तेज कर दी है। यह अभियान 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई से जुड़ा है। इसके साथ ही विपक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर भी सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराया है।

बारिश का कहर: तिनके की तरह बह गए 148 घर, 29 हुए लापता, 13 शव बरामद

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल के मंडी जिले में बारिश का जमकर कहर बरश रहा है। जमीन धसने और बादल फटने से यहां भारी नुकसान हुआ है। हालात ये हैं कि बाढ़ के सैलाब में 148 घर तिनके की तरह बह गए और 29 लोग लापता हो गए। इसमें से 13 शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि सैकड़ों लोग राहत शिविरों में रात बिताने को मजबूर हैं। जिले के 12 उपमंडलों में कुल मिलाकर 13 लोगों की मौत, 29 लोग लापता और 154 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। कुल 148 मकान, 104 गोशालाएं और 162 पशुओं की मौत की पुष्टि प्रशासन ने की है। मंडी आपदा प्रबंधन ने 2 जुलाई की शाम तक की रिपोर्ट जारी की है। इसमें पूरी जानकारी दी है।

थुनाग उपमंडल में सबसे ज्यादा असर पड़ा और यहां 1 मौत और 11 लापता हैं। थुनाग में 40 मकानों और 30 वाहनों को नुकसान पहुंचा है और 6 पुल टूट गए हैं। प्रशासन की तरफ से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में 120 लोग, जीपीएस थुनाग 80 लोग को ठहराया गया है। वहीं, वायुसेना ने यहां से दो गर्भवती महिलाओं को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित निकाला है। करसोग उपमंडल में अब लोगों की 2 मौत हुई है और बुधवार को 30 से ज्यादा लोग रेस्क्यू किया गया। यहा पर 27 मकान, 9 गोशालाएं ध्वस्त हो गई हैं। और 19 पशुओं की भी मौत हुई है। 1 छोटी पुलिया टूट गई है।फिलहाल, प्रशासन ने यहां पर 1,23,000 रुपए राहत राशि बांटी है।

जिले के धर्मपुर अपमंडल की लौंगणी पंचायत के स्याठी गांव में 17 परिवारों को रेस्क्यू किया गया है। यहां पर 26 मकान, 31 गोशालाएं ध्वस्त हो गए हैं। 76 पशु काल के मुंह में समा गए। यहां पर कांढापतन में लोहे का पुल क्षतिग्रस्त और त्रियाम्बला मंदिर और नयना देवी मंदिर में राहत शिविर में 61 लोगों को ठहराया गया है। गोहर में सियूं और बडा गांव में 6 मौतें अब तक हो चुकी हैं। 1 शख्स लापता है। उधर, बुधवार को 29 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। फिलहाल, यहां पर भी कुदरत के कहर में 18 मकान और 19 गोशालाएं खत्म हो गई हैं। बड़ा गांव के विश्रामगृह में 42 लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है। मंडी प्रशासन ने बताया कि दो दिन के सर्च ऑपरेशन में 13 लोगों के शवर बरामद हो चुके हैं। अब भी मंडी जिले में 29 हैं। बुधवार को 154 लोगों को रेस्क्यू किया गया। प्रशासन के पास अब तक 148 मकानों के टूटने की पुष्टि हो चुकी है। इस दौरान 104 गोशालाएं बह गई हैं और 162 पशुओं की मौत हुई है। 14 पुलों को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल, 5 शिविरों में 357 लोग रह रहे हैं। प्रशासन की ओर से सभी उपमंडलों में राहत और बचाव कार्य तेज़ी से चल रहे हैं। हेलिकॉप्टर, एनडीआरएफ और प्रशासनिक टीमें लगातार प्रयासरत हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें। गौरतलब है कि सीएम सुक्खू ने बुधवार को मंडी जिले का हवाई दौरा किया और आसमान से नुकसान का जायजा लिया। मंडी प्रशासन ने बताया कि बल्ह, बालीचौकी, सुंदरनगर, पधर, सरकाघाट और कोटली उपमंडलों में भी मकानों, गोशालाओं और पशुओं को भारी नुकसान पहुंचा है। बल्ह में 4 मकान, 2 गोशालाएं, बालीचौकी में 18 मकान, 13 गोशालाएं, 25 पशु हानि, 2 पुल क्षतिग्रस्त। सुंदरनगर में 7 मकान, 4 गोशालाएं, पधर में 2 मकान, 2 गोशालाएं, लोक भवन में 13 लोग ठहराए गए हैं। सरकाघाट में 2 मकान, 3 गोशालाएं, कोटली- 4 मकान, 23 गोशालाएं टूट गई हें। ख्यमंत्री सेना के हेलीकॉप्टर से सरकाघाट से थुनाग के रैन गलू हैलीपैड पहुंचे, जहाँ उन्होंने प्रभावितों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जाना और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

जस्टिस वर्मा को हटाने प्रक्रिया तेज, केंद्र सरकार ने शुरू की विपक्ष से बातचीत

-सुप्रीम कोर्ट समिति ने की थी बर्खास्तगी की सिफारिश, संसद में लाया जाएगा प्रस्ताव

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते केंद्र सरकार ने इस संबंध में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से बातचीत शुरू कर दी है। सूत्रों की मानें तो सरकार संसद के मानसून सत्र में संविधान के अनुच्छेद 124(4) के तहत बर्खास्तगी का प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट की एक आंतरिक समिति ने अपनी रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा के आचरण पर सवाल उठाते हुए उनकी बर्खास्तगी की सिफारिश की थी। समिति के निष्कर्षों को आधार बनाते हुए सरकार ने विपक्षी दलों से भी समर्थन जुटाने की रणनीति बनाई है। संविधान के अनुसार, जज को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने से पहले कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर अनिवार्य होते हैं।

चुनाव आयोग से मिला वाईएसआर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने और राजनीतिक दलों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में वाई.वी. सुब्बा रेड्डी के नेतृत्व में युवजन श्रमिक रायथू (वाईएसआर) कांग्रेस पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की और चुनाव सुधारों तथा प्रक्रिया को लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी से विस्तार से चर्चा की। यह बैठक चुनाव आयोग की उस पहल का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत वह राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रमुखों के साथ संवाद स्थापित कर चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समावेशी और भरोसेमंद बनाने की दिशा में सुझाव एकत्र कर रहा है।

आयोग इससे पहले भी कई प्रमुख राष्ट्रीय दलों के साथ बैठकें कर चुका है। 6 मई को बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की अध्यक्ष मायावती, 8 मई को भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, 10 मई को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव एम.ए. बेबी, 13 मई को नेशनल पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष कॉनराड संगमा और 15 मई को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से बातचीत कर चुका है। इसी क्रम में 1 जुलाई को तृणमूल कांग्रेस की प्रतिनिधि चंद्रिमा भट्टाचार्य के नेतृत्व में भी एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से मुलाकात की थी।

इस साल की शुरुआत में आयोग ने चुनाव से जुड़े मुद्दों पर व्यापक विमर्श के लिए मार्च में देशभर में कुल 4, 719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की थीं, जिनमें 28, 000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इनमें से 40 बैठकें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) द्वारा, 800 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) द्वारा और 3, 879 बैठकें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) द्वारा आयोजित की गई थीं।

आप का कांग्रेस से कोई समझौता नहीं, 'इंडिया' गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए था : केजरीवाल

अहमदाबाद/नई दिल्ली । कांग्रेस पर गुजरात में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की मदद करने का आरोप लगाते हुये आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी का मुख्य विपक्षी दल के साथ अब कोई समझौता नहीं है. केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') केवल लोकसभा चुनावों के लिए था.

दिल्ली के मुख्यमंत्री रह चुके आप सुप्रीमो ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आप 2027 का गुजरात विधानसभा चुनाव लड़ेगी और जीतेगी, क्योंकि राज्य के लोगों के पास अब भाजपा और कांग्रेस के अलावा एक और विकल्प है. केजरीवाल ने कहा, ÷हमारा कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है. अगर कोई गठबंधन था, तो उन्होंने विसावदर में उपचुनाव क्यों लड़ा? वे हमें हराने आए थे. भाजपा ने हमारे वोट काटकर आप को हराने के लिए कांग्रेस को भेजा था.÷ उन्होंने कहा, ÷जब कांग्रेस विफल हुई, तो भाजपा ने उन्हें फटकार भी लगाई. 'इंडिया' गठबंधन केवल लोकसभा चुनावों के लिए था. अब हमारी तरफ से कोई गठबंधन नहीं है.'

प्रदेश के जूनागढ़ जिले की विसावदर सीट पर पिछले महीने हुए उपचुनाव में आप नेता गोपाल इटालिया ने भाजपा के किरीट पटेल को 17,000 से अधिक मतों से हराया था. कांग्रेस उम्मीदवार नितिन रनपरिया को केवल 5,501 मतों से संतोष करना पड़ा और वह तीसरे स्थान पर रहे थे.

खुशखबरी ! दिल्ली में पुराने वाहनों पर बैन मामले में रेखा सरकार बैकफुट पर

*** पर्यावरण मंत्री ने नियम में बताईं खामियां, समीक्षा जरूरी; सीएक्यूएम के साथ बैठक जल्द**

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में 1 जुलाई से लागू 'एंड ऑफ लाइफ व्हीकल (ईएलवी)' नियम को लेकर विवाद बढ़ गया है। दिल्ली सरकार अब इस नियम पर पुनर्विचार के मूड में नजर आ रही है। हद यह है कि पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कम्मिसिअन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) को औपचारिक पत्र लिखकर ईएलवी नियम की प्रमुख व्यावहारिक खामियों को उजागर किया है और इसके क्रियान्वयन पर फिलहाल रोक की मांग की है।

पर्यावरण मंत्री सिरसा ने कहा है, कि जब तक यह नियम पूरे एनसीआर (गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद आदि) में समान रूप से लागू नहीं होता, तब तक दिल्ली में इसे प्रभावी रूप से लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यह नियम जनता पर असुविधा और आर्थिक बोझ बन गया है। दिल्ली सरकार अब एक नई प्रणाली विकसित कर रही है, जिसमें वाहन केवल उनकी उम्र नहीं, बल्कि प्रदूषण स्तर के आधार पर रोके जाएंगे।

विपक्ष के दबाव में बदला रुख?

इस मामले को लेकर रेखा गुप्ता सरकार शुरु से ही विपक्षी दलों के निशाने पर रही है। ईएलवी नियम के तहत 10 साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर बैन लगने के बाद हजारों गाड़ियां जब्त की जा चुकी हैं। विपक्ष का आरोप था कि सरकार ने बिना तैयारी और व्यापक संवाद किए बिना ही नियम लागू कर दिए। अब खुद सरकार के मंत्री इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने नियम को बिना तैयारी जनता पर बोझ बताते हुए कहा, कि दिल्ली के लोग पहले से ही ट्रैफिक और प्रदूषण से परेशान हैं। ऐसे में बिना पर्याप्त व्यवस्था के यह नियम लागू करना अनुचित है। गाड़ियों को उनकी उम्र नहीं, बल्कि उनके प्रदूषण स्तर के आधार पर आंका जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अभी गुरुग्राम और नोएडा जैसे एनसीआर क्षेत्रों में यह नियम लागू नहीं है, फिर सिर्फ दिल्ली पर ही बोझ क्यों डाला जा रहा है?

जल्द होगी सीएक्यूएम और दिल्ली सरकार की बैठक

मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया, कि सीएक्यूएम और दिल्ली सरकार के बीच इस विषय पर एक बैठक होने वाली है, जिसमें नियम की व्यापक समीक्षा की जाएगी। साथ ही उन्होंने एएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन) तकनीक को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि यह प्रणाली तकनीकी रूप से जटिल और खर्चीली है।

क्या हो सकता है अगला कदम?

सूत्रों की मानें तो यदि बैठक में सहमति बनी, तो पुराने वाहनों की जब्ती पर अस्थायी रोक लग सकती है या शर्तों के साथ छूट दी जा सकती है। हालांकि, अंतिम फैसला सीएक्यूएम को ही लेना है। फिलहाल, इस आशा पर कि नियम बदले जाएंगे दिल्ली के लाखों वाहन मालिक राहत की उम्मीद बांधे हुए हैं।

भारत नहीं मानेगा, पाकिस्तान को जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी : शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। तब से पाकिस्तान कई बार भारत से संधि को बहाल करने की गुहार लगा चुका है। लेकिन भारत की ओर से पाकिस्तान के अनुरोध को कोई तवज्जो नहीं दी गई है। यही वजह है कि अब खुद पाकिस्तान भी इस हकीकत को कबूल करने लगा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि भारत ÷पानी को हथियार बना÷ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के कथित इरादों के जवाब में पाकिस्तान को अपनी जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। शरीफ ने यह बयान इस्लामाबाद में नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर (एनईओसी) के दौरे के दौरान दिया, जहां उन्होंने भारत पर सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को एकतरफा निलंबित करने का आरोप लगाया।

क्या है सिंधु जल संधि और पाक से तनाव : सिंधु जल संधि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता में हस्ताक्षरित एक ऐतिहासिक समझौता है, जो सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों के जल बंटवारे को नियंत्रित करता है। इसके तहत, भारत को सतलज, ब्यास और रावी नदियों पर पूर्ण नियंत्रण दिया गया, जबकि सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों का पानी मुख्य रूप से पाकिस्तान को आवंटित किया गया। हाल के वर्षों में, खासकर अप्रैल 2025 में भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-

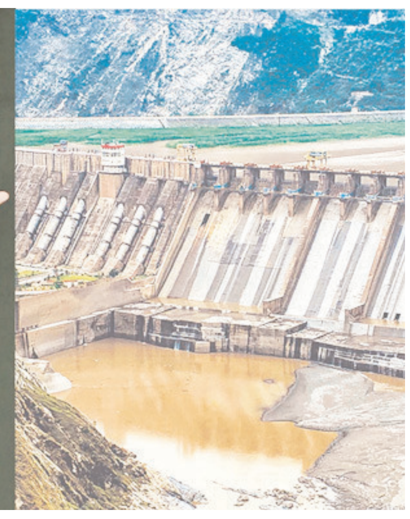

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने संधि को ÷निलंबित÷ करने की घोषणा की। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई। भारत का कहना है कि उसका यह कदम राष्ट्रीय हित में है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने अप्रैल में स्पष्ट किया था कि ÷मोदी सरकार का सिंधु जल संधि पर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय पूरी तरह से उचित और राष्ट्रीय हित में है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सिंधु नदी का एक बूंद पानी भी पाकिस्तान को न जाए।÷ यह बयान भारत की उस नीति को दर्शाता है, जो आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रखती है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी स्पष्ट शब्दों में कहा है कि सिंधु जल संधि अब कभी बहाल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पाक को जाने वाला पानी भारत के राजस्थान जैसे राज्यों की ओर मोड़ा जाएगा।

भारत के कदमों के जवाब में जल भंडारण क्षमता बढ़ाने का फैसला किया: पीएम शहबाज : भारत के फैसलों को पाकिस्तान कड़वे घूंट की तरह स्वीकार करने लगा है। शहबाज शरीफ ने जोर देकर कहा कि अब खुद पाकिस्तान को ही अपने जल की भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। शहबाज शरीफ ने मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा, ÷भारत ने जल संसाधनों को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश की है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। इसके जवाब में हम गैर-विवादास्पद जल भंडारण परियोजनाओं को तेजी से लागू करेंगे।÷ पाक पीएम ने कहा कि भारत को सिंधु जल संधि को एकतरफा तौर पर निलंबित करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ÷लेकिन दुश्मन के पास पाकिस्तान के खिलाफ कुछ नापाक इरादे हैं और वह जल संधि के खिलाफ कदम उठाना चाहता है। इसके लिए सरकार ने फैसला किया है कि हम अपना जल भंडारण बनाएंगे।÷ उन्होंने 1991 के जल समझौते का हवाला देते हुए कहा कि इसमें प्रांतों के बीच जल भंडारण क्षमता बढ़ाने का प्रावधान है। सरकार डायमर भाशा बांध जैसे संसाधनों का उपयोग करेगी। भारत ने जम्मू-कश्मीर में कई प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। इससे भी पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। भारत ने तुलबुल नेविगेशन परियोजना को दोबारा शुरू करने और जम्मू-कश्मीर में बांधों की डिसिल्टिंग और फ्लशिंग की प्रक्रिया को तेज करने का फैसला किया है। पाक पीएम ने इस पर भी विरोध जताया। उन्होंने कहा कि ये कदम सिंधु जल संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में खेती के लिए जल आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं। शहबाज ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान अपनी जल सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए डायमर भाषा और अन्य बांधों के निर्माण को अपने संसाधनों से तेज करेगा।

अमेरिका के पास हो गई हथियारों की कमी? यूक्रेन की सप्लाई रोकी, बीच युद्ध में दिया झटका

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका ने अपने हथियारों के भंडार में कमी होने का हवाला देते हुए यूक्रेन को भेजे जाने वाले कुछ हथियारों की खेप की आपूर्ति रोक दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अमेरिका का हथियारों की आपूर्ति रोकना यूक्रेन के लिए एक झटका है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के नेतृत्व वाले प्रशासन ने यूक्रेन को कुछ हथियार देने का वादा किया था ताकि वह रूस के खिलाफ जारी युद्ध में अपनी सुरक्षा कर सके। हथियारों की आपूर्ति पर यह रोक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की नई प्राथमिकताओं को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा अमेरिका के हथियार भंडार की समीक्षा किए जाने और इसमें कमी को लेकर चिंता जताए जाने के बाद यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति रोकी गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रवक्ता एना केली ने एक बयान में कहा, हमारे देश के सैन्य सहयोग और दुनिया भर के अन्य देशों को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा के बाद अमेरिका के हितों को सर्वोपरि रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। केली ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर मिसाइल हमले का ट्रंप द्वारा हाल में आदेश दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा, अमेरिका की सशस्त्र सेनाओं की ताकत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता- ईरान से पूछिए। अधिकारी ने कहा कि पेंटागन के पास कुछ हथियारों का भंडार कम पाया गया है। रक्षा मंत्रालय ने यह विवरण नहीं दिया कि कौन से विशिष्ट हथियारों की आपूर्ति रोकी गई है। मंत्रालय के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा, अमेरिका की सेना पहले कभी इतनी तैयार और सक्षम नहीं रही।

ट्रम्प ने जापान पर 35प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी, अमेरिका से चावल न खरीदने पर भी नारजगी जताई थी

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने धमकी दी है कि अगर अगले हफ्ते तक अमेरिका और जापान के बीच कोई व्यापार समझौता नहीं होता है, तो वे जापान से आने वाले सामान पर 30प्रतिशत या 35प्रतिशत तक का भारी टैक्स (टैरिफ) लगा देंगे।

ट्रम्प इससे पहले भी 2 अप्रैल को जापान पर 24प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं। उस वक्त उन्होंने कई देशों पर भी भारी टैक्स लगाने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने 90 दिनों के लिए टैरिफ घटाकर 10प्रतिशत कर दिया था ताकि देश बातचीत कर सकें। यह 90 दिनों की समय-सीमा 9 जुलाई को खत्म हो रही है और ट्रम्प ने साफ कहा है कि वे इसे आगे बढ़ाने के मूड में नहीं हैं। ट्रम्प को शक है कि जापान के साथ कोई समझौता हो पाएगा। उन्होंने मंगलवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि उनकी जापान से बात हुई है लेकिन उन्हें नहीं लगता कि कोई सौदा होगा। जापान ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अभी अमेरिका, जापान के ज्यादातर सामान पर 10प्रतिशत टैक्स लगा रहा है। जापानी कारों और उनके पुर्जों पर 25प्रतिशत और स्टील-एल्युमीनियम पर 50प्रतिशत का टैक्स भी है। जापान के चीफ कैबिनेट सचिव ने कहा है कि वे ऐसा कोई समझौता नहीं करेंगे जिससे उनके किसानों को नुकसान हो। ट्रम्प ने खास तौर पर जापान के अमेरिकी चावल न खरीदने पर नाराजगी जताई थी।

ट्रम्प बोले- भारत से व्यापार समझौता जल्द होगा: टैरिफ काफी कम होंगे, 9 जुलाई से पहले होनी है दोनों देशों में डील

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौता होगा। जिसमें टैरिफ काफी कम होंगे। ट्रम्प ने इसे दोनों देशों के बाजारों में बेहतर प्रतिस्पर्धा के लिए अच्छ बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत के साथ हमारी डील होने जा रही है। और यह एक अलग तरह की डील होगी। ऐसी डील, जिसमें हम भारत के बाजार में प्रवेश कर सकें और प्रतिस्पर्धा कर सकें। अभी भारत किसी को अंदर आने नहीं देता। लेकिन मुझे लगता है कि भारत अब ऐसा करेगा। और अगर ऐसा हुआ, तो हम कम टैरिफ वाली डील कर पाएंगे। भारत और अमेरिका के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वॉशिंगटन में बीते 6 दिनों से बातचीत जारी है। इसका मकसद 9 जुलाई की अहम डेडलाइन से पहले एक अंतरिम समझौता करना है।

ट्रेड डील नहीं होने से भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगेगा : भारत और अमेरिका के बीच अगर 9 जुलाई तक कोई समझौता नहीं हुआ हुआ तो भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लग सकता है। यह वो तारीख है जब ट्रम्प के सस्पेंडेड टैरिफ दोबारा लागू होंगे। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के करीब 100 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगा। फिर 9 अप्रैल को ट्रम्प प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया। ट्रम्प ने ये समय भारत जैसे देशों को डील

पर फैसले लेने के लिए दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि अगर बातचीत नाकाम रहती है, तो 26 प्रतिशत का टैरिफ स्ट्रक्चर तुरंत प्रभाव से फिर से लागू हो जाएगा अमेरिका कृषि व डेयरी में शुल्क रियायत की मांग कर रहा है। हालांकि भारत ने रुख कड़ा किया है। भारत का मानना है कि जीएम फसलों, कृषि व डेयरी प्रोडक्ट, मेडिकल डिवाइस व डेटा लोकलाइजेशन में ज्यादा छूट दी, तो खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने वॉशिंगटन में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। 2023 तक व्यापार को 500 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य

भारत-अमेरिका डील से जुड़े लोगों ने बताया- हफ्तों पहले हुई बातचीत में मुख्य रूप से भारत और अमेरिका में इंडस्ट्री और कृषि उत्पादों के लिए ज्यादा बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और नॉन-टैरिफ बैरियर्स पर फोकस रहा। अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ऑफिस के अधिकारियों ने की। जबकि भारतीय व्यापार मंत्रालय की टीम की कमान सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल कर रहे थे। इस समझौते का लक्ष्य दोनों देशों के बीच सालाना द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 अरब डॉलर (करीब 16 लाख करोड़) से बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर (करीब 43 लाख करोड़) तक ले जाना है।

70प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले कजाकिस्तान में हिजाब बैन

चेहरा ढकने वाले काले कपड़ों पर भी पाबंदी, राष्ट्रपति बोले- राष्ट्रीय पहचान वाले कपड़े पहने

अस्ताना, एजेंसी। कजाकिस्तान ने सार्वजनिक जगहों पर चेहरा ढकने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमवार को राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकायेव ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया है कि चेहरा ढकने वाले कपड़े, जिनसे किसी की पहचान छिपती है, सार्वजनिक जगहों पर नहीं पहने जा सकते। राष्ट्रपति तोकायेव ने कहा- चेहरा ढकने वाले काले कपड़ों की बजाय हमारे राष्ट्रीय कपड़े पहनना बेहतर है। ये कपड़े हमारी संस्कृति को दर्शाते हैं और इन्हें बढ़ावा देना चाहिए। हालांकि, बीमारी, खराब मौसम, खेल, या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इसकी छूट है। कजाकिस्तान सरकार ने 2023 में स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का कहना है कि स्कूल यूनिफॉर्म के नियम हिजाब पहनने की इजाजत नहीं देते। इस फैसले के खिलाफ 150 लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था। कजाकिस्तान में करीब 70त्न लोग इस्लाम धर्म मानते हैं, जबकि ईसाई धर्म दूसरा सबसे बड़ा धर्म है।

सेंट्रल एशिया के कई देशों में चेहरा ढकने पर रोक : कजाकिस्तान के

अलावा मध्य एशिया के कई देशों ने भी चेहरा ढकने वाले कपड़ों, जैसे नकाब और बुरका, पर रोक लगाई है। ये देश अपनी संस्कृति और सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहते हैं। ताजिकिस्तानः 2024 में ताजिकिस्तान ने हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का कहना था कि यह राष्ट्रीय संस्कृति की रक्षा और कट्टरपंथ को रोकने के लिए है। नियम तोड़ने पर जुर्माना है। किर्गिस्तानः इसी साल किर्गिस्तान ने नकाब पर रोक लगाई है। नियम तोड़ने पर 230 डॉलर (20 हजार रुपए) का जुर्माना है। सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा और लोगों की पहचान के लिए जरूरी है। उज्बेकिस्तान में बुरका और नकाब पर रोक है और नियम तोड़ने पर 250 डॉलर (22 हजार रुपए) से ज्यादा जुर्माना है। 2021 में हिजाब की इजाजत दी गई, लेकिन स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में इसे लेकर कुछ सीमाएं हैं। सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता के लिए है। 2019 में ट्यूनीशिया ने सरकारी दफ्तरों में नकाब पर रोक लगाई, क्योंकि एक हफ्ते में तीन आत्मघाती बम हमले हुए थे। पहले 2011 तक इस्लामी कपड़ों पर रोक थी, जिसे बाद में हटा लिया गया। अल्जीरियाः 2018 में अल्जीरिया ने नौकरी वाली जगहों पर नकाब पर रोक लगाई, ताकि पहचान आसान हो। हिजाब की इजाजत है, लेकिन नकाब नहीं। मिस्रः 2023 में मिस्र ने स्कूलों में नकाब पर रोक लगाई। हिजाब की इजाजत है, बशर्ते चेहरा खुला रहे। क्यों लगाए जा रहे हैं ये प्रतिबंध? इन देशों का कहना है कि चेहरा ढकने वाले कपड़े सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं, क्योंकि इनसे लोगों की पहचान मुश्किल होती है। साथ ही, ये देश अपनी राष्ट्रीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना चाहते हैं।

नेपाल में एक महीने में बारिश से जुड़ी आपदाओं में 31 लोगों की मौत, 151 घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 28 मई से मानसून की शुरुआत हुई। जिसके बाद से एक महीने में बारिश से जुड़ी आपदाओं में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और 151 लोग घायल हो गए। इस संबंध में मंगलवार को अधिकारियों ने जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के प्रवक्ता सुरेश सुनार ने बताया कि 28 मई से 30 जून के बीच नेपाल में बारिश से जुड़ी 682 घटनाएं हुई हैं। इनमें बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरना और आंधी-तूफान जैसी आपदाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन प्राकृतिक आपदाओं में कम से कम 31 लोगों की मौत हुई है और 151 लोग घायल हो गए हैं। इसके अलावा, घटनाओं में एक व्यक्ति लापता भी हुआ है।

राहत-बचाव कार्यों के लिए निजी हेलीकॉप्टरों की ली जाएंगी सेवाएं : सुरेश सुनार ने बताया कि बढ़ती स्थिति के मद्देनजर एनडीआरआरएमए और नागरिक उड्डयन संचालन संघ ने मंगलवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत मानसून के मौसम में आवश्यकतानुसार राहत और बचाव कार्यों के लिए निजी हेलीकॉप्टरों की सेवाएं ली जाएंगी।

बिजली गिरने से हुई सबसे ज्यादा आठ मौतें : सुनार ने बताया कि बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत हुई है, जबकि बाढ़ और ऊंचाई पर

होने वाली बीमारियों से चार-चार लोगों की मौत हुई। आग लगने की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हुई, जबकि जानवरों के हमले में आठ लोगों की मौत हुई। दो लोगों की मौत सांप के काटने से हुई और एक-एक व्यक्ति की मौत आंधी और भारी बारिश के कारण हुई।

प्राकृतिक आपदाओं में 222 पशुओं की भी हुई मौत : सुरेश सुनार ने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण 222 पशुओं की भी मौत हुई है। इसके अलावा, 333.43 मिलियन नेपाली रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से कुल 97 घर क्षतिग्रस्त हुए और 1,026 परिवार प्रभावित हुए।

ट्रम्प बोले-इजराइल गाजा में 60 दिन के सीजफायर को तैयार, हमास को चेतावनी दी; कहा- समझौते को नहीं माना तो हालात और बिगड़ जाएंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि इजराइल गाजा में 60 दिन का सीजफायर करने को तैयार हो गया है। इस दौरान सभी पक्षों से मिलकर युद्ध खत्म करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने हमास को चेतावनी दी कि अगर उसने समझौते को नहीं माना तो हालात और बिगड़ जाएंगे। ट्रम्प ने कहा कि कतर और मिस्र इस समझौते का अंतिम प्रस्ताव हमास तक पहुंचाएंगे। ये दोनों देश लंबे समय से शांति लाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, मेरे लोगों ने आज इजराइली अधिकारियों से गाजा को लेकर अच्छी बातचीत की। इजराइल 60 दिन के संघर्षविराम को मान गया है। अब हम सभी पक्षों से बातचीत कर जंग खत्म करने की कोशिश करेंगे। उम्मीद है कि हमास इस प्रस्ताव को मानेगा, क्योंकि इससे बेहतर मौका नहीं मिलेगा। अगर इस बार चूके तो हालात और खराब होंगे। उन्होंने कहा, 60 दिनों के सीजफायर के दौरान हम युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेंगे। कतर और मिस्र के लोगों ने शांति बहाल करने में बहुत मेहनत की है, वे इस अंतिम प्रस्ताव को पेश करेंगे।अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास को चेतावनी देने के अंदाज में कहा, मुझे उम्मीद है कि मध्य पूर्व की भलाई के लिए हमास इस समझौते को स्वीकार करेगा, क्योंकि इससे बेहतर स्थिति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि सीजफायर के लिए राजी न होने पर हालात और खराब ही होंगे। ईरान-इजरायल के बाद अब गाजा में भी शांति आने वाली है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि

इजरायल ने गाजा में 60 दिनों के सीजफायर पर सहमति जता दी है. हालांकि इसके लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं. ट्रंप ने इस मसले को लेकर हमास को चेतावनी भी दी है. उन्होंने हमास से कहा है कि स्थिति और बिगड़ने से पहले समझौते को स्वीकार कर लें. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा, मेरे प्रतिनिधियों ने आज गाजा इजरायल के मुद्दे पर इजरायली नेताओं के साथ एक लंबी और कारगर बैठक की. इजरायल ने 60 दिन के युद्ध विराम को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक शर्तों पर सहमति व्यक्त की है, जिसके दौरान हम युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेंगे. कतर और मिस्र के नेताओं, जिन्होंने शांति लाने में बहुत मेहनत की है, इस अंतिम प्रस्ताव को पेश करेंगे. मुझे उम्मीद है कि मिडल ईस्ट की भलाई के लिए हमास इस समझौते को स्वीकार करेगा, क्योंकि अगर वह ऐसा नहीं करता है तो यह बेहतर नहीं होगा बल्कि और बदतर होता जाएगा. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सात जुलाई को व्हाइट हाउस में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी करेंगे. व्हाइट हाउस ने द इजरायल टाइम्स से इसकी पुष्टि की है. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगले सोमवार को वॉशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे। यहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

वाशिंगटन में अपना मुख्यालय नई जगह पर शिफ्ट कर रही एफबीआई

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई ने मंगलवार को कहा कि वह अपना मुख्यालय अपने वर्तमान मुख्यालय से कई ब्लॉक दूर वाशिंगटन के किसी अन्य स्थान पर ले जा रही है। एफबीआई और जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि अब नया मुख्यालय रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग परिसर में होगा। अभी एफबीआई का ऑफिस पेंसिल्वेनिया एवेन्यू पर है, जिसे 1975 में बनाया गया था। पहले बाइडन प्रशासन ने योजना बनाई थी कि एफबीआई को मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट शहर में ले जाया जाएगा। लेकिन अब योजना बदल गई है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि एफबीआई का मुख्यालय शहर से बाहर ले जाना बहुत समय और अरबों डॉलर खर्च करने वाला काम होता, इसलिए इसे वाशिंगटन में ही शिफ्ट किया जा रहा है।

नासा ने अनिल मेनन को पहली बार अंतरिक्ष स्टेशन मिशन के लिए नियुक्त किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक अन्य अहम घटनाक्रम में देश की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन को पहली बार अंतरिक्ष स्टेशन मिशन के लिए नियुक्त किया है। अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपने पहले मिशन पर रवाना होंगे। इसमें वे फ्लाइट इंजीनियर और एक्सपीडिशन 75 के चालक दल के सदस्य के रूप में काम करेंगे। मेनन जून 2026 में रोस्कोस्मोस सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान पर सवार होकर रवाना होंगे। उनके साथ रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री प्योत्र डबरोव और अन्ना किकिना भी होंगे। कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से इस यान को लॉन्च किया जाएगा। तीनों लगभग आठ महीने प्रयोगशाला में बिताएंगे।

जलवायु परिवर्तन से अमेरिका पर असर वाली प्रमुख रिपोर्ट वेबसाइटों से हटाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। कुछ जरूरी रिपोर्टें, जो यह बताती हैं कि जलवायु परिवर्तन अमेरिका को कैसे प्रभावित कर सकता है, अब सरकारी वेबसाइटों से गायब हो गई हैं। इसके चलते राज्य और स्थानीय सरकारों और जनता के लिए यह जानना कठिन हो गया है कि गर्म होती दुनिया से उन्हें क्या उम्मीद करनी चाहिए। राष्ट्रीय आकलन और अमेरिकी वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान कार्यक्रम की वेबसाइटें सोमवार और मंगलवार को बंद रहीं, तथा अन्यत्र कोई लिंक, नोट या संदर्भ भी उपलब्ध नहीं थे। नासा की वेबसाइट पर खोज करने पर भी ये जानकारी नहीं मिली। नासा ने जानकारी के लिए किए गए अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन, जिसने आकलन में जानकारी का समन्वय किया, ने बार-बार पूछताछ का जवाब नहीं दिया। आकलन के लिए जिम्मेदार व्हाइट हाउस ने कहा कि कानून के अनुपालन के लिए जानकारी नासा के पास ही रखी जाएगी, लेकिन इस संबंध में कोई और ब्योरा नहीं दिया।

ट्रंप ने कहा- टिलिस सीट के लिए उनकी बहू पहली पसंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर उत्तरी कैरोलिना से रिपब्लिकन नेता थॉम टिलिस फिर से चुनाव नहीं लड़ते, तो उनकी बहू लारा ट्रंप इस सीट के लिए उनकी पहली पसंद होंगी। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अब लारा ट्रंप उस राज्य में नहीं रहती हैं। यह साफ नहीं है कि ट्रंप अब लारा को उम्मीदवार नहीं बनाना चाहते या उनका वहां न रहना उन्हें चुनाव लड़ने से रोक सकता है। टिलिस ने रविवार को कहा कि वे अगला चुनाव नहीं लड़ेंगे। यह फैसला उन्होंने ट्रंप के बड़े टैक्स छूट और खर्च कम करने के फैसले का विरोध करने के बाद लिया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस सीट के लिए कौन-कौन चुनाव लड़ेंगे, लेकिन उन्होंने इशारा किया कि कोई सांसद मैदान में उतर सकता है, हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

सेना प्रमुख का भूटान के सैन्य नेतृत्व से रक्षा सहयोग पर जोर

थिम्पू, एजेंसी। भूटान की आधिकारिक यात्रा पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का थिम्फू में रॉयल भूटान आर्मी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सेना प्रमुख ने वरिष्ठ भूटानी सैन्य नेतृत्व से मिलकर भारत-भूटान के बीच स्थायी रक्षा सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। वह चार दिनी दौरे पर भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और रॉयल भूटान आर्मी के मुख्य परिचालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल बाटू से भी चर्चा करेंगे।

शुभांशु शुक्ला ने मांसपेशी स्टेम सेल पर किया अनुसंधान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार को अंतररष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मांसपेशियों के स्वास्थ्य, अंतरिक्ष में पाचन और अंतरिक्ष यात्री मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित वैज्ञानिक प्रयोग किए। उन्होंने भारतीय स्कूली छात्रों के लिए एक शैक्षिक वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें बताया गया कि मानव पाचन तंत्र अंतरिक्ष में कैसे काम करता है। नासा के मुताबिक, शुक्ला नेगलोवबॉक्स के अंदर काम किया ताकि यह अध्ययन किया जा सके कि मांसपेशी स्टेम कोशिकाएं सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में कैसे व्यवहार करती हैं।

क्लीन और ग्रीन कांवड़ यात्रा का संदेश देने का हो प्रयास: मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांव? यात्रा के सफल संचालन के लिये उत्तराखंड कांव? सेवा एप बनाए जाने के निर्देश दिए है इसमें कांवि?यों की सभी डिटेल उपलब्ध कराई जाए। इस एप का उपयोग हर वर्ष आयोजित होने वाले कांव? यात्रा के दौरान किया जा सकेगा, इस से कांव? यात्रा पहले से अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगी। गुरुवार को मेला नियन्त्रण भवन हरिद्वार में उच्चाधिकारियों के साथ कांवड मेला-2025 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांव? यात्रा के सकुशल एवं सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु जिला प्रशासन, पुलिस एवं अन्य सम्बन्धित विभागों को चाक चौबंद व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा ऐसे राज्य जहां से अधिकांश कावंि?ए आते हैं। उन राज्यों से परस्पर समन्वय, रियल टाइम डाटा शेयरिंग और सुरक्षात्मक दृष्टि से सभी आवश्यक इनपुट्स साझा किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कांव? यात्रा को आगामी कुंभ मेले का ट्रायल बताते हुए कहा कि ये अनुभव आगामी कुंभ मेले भी काम आएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि काव? यात्रा मार्गों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण न हो। उन्होंने काव? यात्रा से पहले सभी प्रकार के अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्ग पर स्थित ढाबों और होटलों में सुरक्षा ,मानकों का अनुपालन कराने के साथ ही फूड लाइसेंस और रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा यह सुनिश्चित किया जाए कि यात्रा मार्ग पर स्थित होटलों के नाम व होटल स्वामियों के नाम भी अनिवार्य रूप से लिखे हो एवं ओवर रेटिंग की शिकायत आने पर संबंधित होटल स्वामियों पर सख्ती से करवाई की जाए। उन्होंने कहा शराब तथा मीट से संबंधित एसओपी का भी इस दौरान सख्ती से पालन हो। मुख्यमंत्री ने कहा इस वर्ष हमने हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

क्लीन और ग्रीन कांव? यात्रा का संदेश देना है। उन्होंने कहा स्वच्छता जिसके लिए संपूर्ण कांव? मार्गों पर हर घंटे सफाई अभियान चलता रहे। हरिद्वार, रु?की, ऋषिकेश और आस पास के क्षेत्रों में हर 1-2 किलोमीटर पर मोबाइल टॉयलेट, कू?ा निस्तारण के लिए विशेष गाि?यों की तैनाती की जाए। उन्होंने कहा कांव? रूट पर हर 2 से 3 किलोमीटर के अंदर स्वास्थ्य केंद्र, एम्बुलेंस और मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए साथ ही हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए जाएं, जिससे आम जन को सहूलियत हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि कावि?यों की सुविधा को देखते हुए स्थानीय निकायों के सहयोग से रैन बसेरों, टेंट सिटी, आश्रय स्थलों का निर्माण किया जाए। यात्रा मार्गों पर आर.ओ टैंकर, वाटर एटीएम की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा बीते सालों के अनुभवों के आधार पर पार्किंग की अतिरिक्त व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने काव? यात्रा से संबंधित सोशल मीडिया में अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कांवि?यों एवं श्रद्धालुओं के लिए श्क्या करें और क्या नहीं करेंश् की

वरिष्ठ पत्रकार गुरचरन सिंह बब्बर की तबीयत में सुधार, डॉक्टर अनिल कुमार गुंबर और विनायक हॉस्पिटल का जताया आभार

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। कौमी पत्रिका और द सिख टाइम्स समेत तीन प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक अखबारों के प्रधान संपादक गुरचरन सिंह बब्बर की तबीयत हाल ही में अचानक खराब हो गई। उन्हें गंभीर फूड पॉइज़निंग के चलते

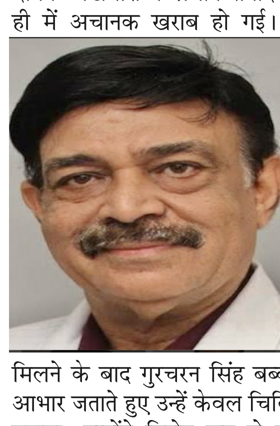

विनायक हॉस्पिटल, डेरावल नगर, मॉडल टाउन, दिल्ली-110009 में भर्ती कराया गया। दो दिनों तक चले इलाज के दौरान देश के जाने-माने वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. अनिल कुमार गुंबर की देखरेख में उनका उपचार किया गया। डॉक्टर गुंबर की विशेषज्ञता और समय पर उपचार के चलते श्री बब्बर की तबीयत में तेज़ी से सुधार हुआ और उन्हें कल देर शाम अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद गुरचरन सिंह बब्बर ने डॉक्टर अनिल गुंबर का दिल से आभार जताते हुए उन्हें केवल चिकित्सक नहीं बल्कि समाजसेवी व्यक्तित्व बताया। उन्होंने विशेष रूप से डॉक्टर गुंबर द्वारा डायबिटीज़ (शुगर) रोगियों के लिए लगाए जाने वाले जागरूकता कैंपों की प्रशंसा की, जिनके ज़रिए हज़ारों लोगों को लाभ पहुंचा है। डॉ. गुंबर की सेवा भावना, सादगी और समर्पण सराहनीय है, श्री बब्बर ने कहा। मैं उनके प्रति अपना हार्दिक धन्यवाद प्रकट करता हूं, जिन्होंने मेरी देखभाल पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता से की। विनायक हॉस्पिटल को भी श्री बब्बर ने उनके उत्तम इलाज, साफ-सुथरे वातावरण और कुशल स्टाफ के लिए धन्यवाद दिया। यह अस्पताल दिल्ली-एनसीआर में भरोसेमंद उपचार केंद्रों में से एक माना जाता है। श्री बब्बर की यह स्वास्थ्य यात्रा इस बात का प्रमाण है कि हमारे समाज में समर्पित डॉक्टर और अस्पताल किस प्रकार संकट की घड़ी में जीवनरक्षक भूमिका निभाते हैं।

योगी सरकार का बड़ा कदम, उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का होगा गठन

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' के गठन के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया। इस मिशन का उद्देश्य न केवल राज्य के युवाओं को देश में रोजगार उपलब्ध कराना है, बल्कि उन्हें विदेशों में भी नियोजन के अवसर दिलाना है वह भी अब सीधे राज्य सरकार के माध्यम से। कैबिनेट की बैठक के बाद सरकार के इस निर्णय की जानकारी दी गई। वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में कुल 30 प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह दूरदर्शी पहल न केवल प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को भारत का वैश्विक मानव संसाधन आपूर्ति केंद्र (ग्लोबल एचआर हब) बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह मिशन राज्य सरकार के उस वादे की पुष्टि करता है जिसमें कहा गया था हर हाथ को काम और हर हुनर को सम्मान। कैबिनेट बैठक के बाद श्रम मंत्री अनिल राजभर ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक सेवायोजन विभाग केवल रोजगार मेलों और सेवायोजकों के माध्यम से राज्य के बेरोजगार युवाओं को अवसर दिला रहा था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन के साथ हम देश और विदेश दोनों स्तरों पर अपने युवाओं को सीधी नौकरी दिला सकेंगे। उन्होंने बताया कि मिशन का लक्ष्य एक वर्ष में देश में एक लाख और विदेशों में 25 से 30 हजार युवाओं को सेवायोजित करने का रखा गया है। अनिल राजभर ने बताया कि अब तक विदेशों में रोजगार के लिए राज्य को रिक्रूटिंग एजेंट (आरए) लाइसेंसधारी एजेंसियों पर निर्भर

रहना पड़ता था। लेकिन मिशन के गठन के साथ ही सरकार स्वयं आरए का लाइसेंस प्राप्त कर सकेगी, जिससे अब बेरोजगारों को सीधे विदेशों में रोजगार पर भेजा जा सकेगा। श्रम मंत्री ने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की मैनपावर खासकर पैरा मेडिकल, नर्सिंग स्टाफ, ड्राइवर्स, कुशल श्रमिकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह मिशन राज्य की उस क्षमता को दिशा और अवसर देने का माध्यम बनेगा।

●मिशन की प्रमुख गतिविधियां*

●देश-विदेश में रोजगार मांग का सर्वेक्षण

●प्रतिष्ठित कंपनियों की सूची तैयार कर उनसे मांग एकत्र करना

●स्किल गैप का आकलन और आवश्यक प्रशिक्षण

●भाषा प्रशिक्षण और प्रि डिपार्चर ओरिएंटेशन

●करियर काउंसलिंग और कैम्पस प्लेसमेंट

●प्लेसमेंट के बाद सहायता व फॉलोअप सेवा

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन एक उच्च स्तरीय संस्था के रूप में किया जा रहा है, जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत होगी। इसके संचालन के लिए पांच प्रमुख इकाइयां गठित की जाएंगी:

1. शासी परिषद
2. राज्य संचालन समिति
3. राज्य कार्यकारिणी समिति
4. राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (एसपीएमयू)
5. जिला कार्यकारिणी समिति

NAME CHANGE

I, MANCHUPALLI UMA Spouse of No. 14834932W Rank- SEP Name-MANCHUPALLI MURALI KRISHNA SWAMY NADH, UNIT/POSTED AT-672 (I), TPT PL ASC (TPTR), C/O 56 APO, PIN-905672 R/o HOUSE NO-14-139, GOWDI VEEDI, NEAR COPERATIVE BANK, VILLAGE-NELLIMARLA, POLICE STATION AND TEH- NELLIMARLA, DISTT-VIZAYANAGARAM, STATE-ANDHRA PRADESH, PIN-535217, have changed my name from MANCHUPALLI UMA to PALLELA UMA for all future purposes. Vide affidavit dated 01.07.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, RAM PRATAP PAL is legally Father of. No. 14862312W Rank- NK(MT) Name- CHANDRA SHEKHAR PAL,R/o VILLAGE KOTIYA NAYAK, PO-PATAUHAN, P/S-GOLA BAZAR, DISTT-GORAKHPUR, STATE-UTTAR PRADESH, PIN-273408, have changed my date of birth from 25/09/1965 to 01/01/1962 for all future purposes. Vide affidavit dated 01.07.2025 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE

I hitherto known as Sobhi Devi alias Somi Devi W/O Ramesh Chand, R/O 101, ward-2 Raidas puri, Khekada **, Baghpat Uttar Pradesh - 250101,have changed my name and shall hereafter be known as SOMI DEVI.

NAME CHANGE

I hitherto known as I Mukesh Kumar Alias Mukesh Kumar Saxena Alias Dr. M K Saxena Alias M K Saxena S/O Late R S Saxena R/o-189 PKT-E MAYUR VIHAR Phase-II DELHI-110091, have changed my name and shall hereafter be known as M K Saxena.

NAME CHANGE

I AZRA YASMEEN alias AZRA YASMIN W/O MOHAMMAD SAYEED AHMAD R/O G-49, BATLA HOUSE, OKHLA, NEW DELHI-110025 have changed my name and shall hereafter be known as AZRA YASMIN for all purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as VISANI W/O SOHAN LAL R/O JHUGGI NO-2/47, GROUND FLOOR, BLOCK C-7, SULTANPURI, SULTANPURI C BLOCK, PO SULTANPURI C BLOCK, DIST NORTH WEST DELHI-110086 have changed my name and shall hereafter be known as KRISHANA.

NAME CHANGE

I MOHD SAMEER QURESHI S/O MOHD ZAMIR QURESHI RESIDING AT HOUSE NO. 3163, 3RD FLOOR KUCHA TARA CHAND DARYA GANJ NEW DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHD SAMEER QURESHI TO MOHD SAMEER FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, PRADEEP KUMAR S/O RAJ KUMAR R/O FLAT NO. 266A, SECOND FLOOR, POCKET-A-1, SECTOR-6, ROHINI, DELHI-110085 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as PRADEEP GOYAL and POOJA GOYAL in my minor daughter NIYATI GOYAL aged 13 Years in her school records . The actual name of mine and my wife are PRADEEP KUMAR and POOJA JAIN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I AADITYA GARG S/O SATISH KUMAR GARG R/O MANOHAR MASTER WALI GALI, MOHALLA THAKURAN BRAHMPURI, DADRI GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-203207, have changed the name of my minor daughter KIANA GUPTA aged 8 years and she shall hereafter be known as AVNI GARG.

NAME CHANGE

I, KALAWATI DEVI Mother of No-4281944F Rank-HAV Name-SRI KANT SINGH Presently residing at VILL-BOKSA, WARD NO-07, PO-BOKSA, BUXAR, BIHAR-802103, have changed my name from KALAWATI DEVI to KALAVATI DEVI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1960 vide Affidavit dated 03/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DADIKI SHERPA Wife of No-5457700P Rank-L/NK Name-GOM BAHADUR GURUNG R/o VILL-LAMATEN, PO-RONGALI, EAST SIKKIM, DIST-GANGTOK, SIKKIM-737131, have changed my name from DADIKI SHERPA to DA DIKE SHERPA for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

I, hitherto known as Neelam devi alias Sunita Devi D/O Ram Raj Mishra W/O: Vishwanath Upadhyay, R/O E/262 SHIV RAM PARK KAMARUDDIN NAGAR, Nilothi, Nilothi, West Delhi Delhi-110041,have changed my name and shall hereafter be known as NEELAM DEVI.

NAME CHANGE

I, NO-2610011K Rank-HAV Name-IPS SIVA NAGA VASU residing at 3-60-285, VILL-CHITTIVALASA, TEHSIL-BHEEMUNIPATNAM, DIST-VISHAKAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531162, have changed my minor daughter's name from ISAPARI MANASWINI to ISPARI MANASWINI for all future purposes vide affidavit dated 03/07/2025 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

I, PREETI MITTAL daughter of RAM AVTAR MITTAL residing at H NO-J-86/11, TOP FLOOR, DILSHAD COLONY, JHILMIL, DELHI-110095, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced ISLAM and renounced HINDUISM with effect from 12/11/2024. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I HAJRA BEGUM W/O MOHD AKRAM RO H.NO K-34/9, SEC FLOOR K IL NO 3, KHIRKI EXTENSION, MALVIYA NAGAR, MALVIYA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110017, declare that name of mine has been wrongly written as HAZRA KHATOON in my minor son's namely MOHD SHAAN aged 17 years in his 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine is HAJRA BEGUM which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SHEETAL D/O SUNIL KUMAR, R/o H.No. F-1792, 93, JJ Colony, Tigri, Devli, Dr. Ambedkar Nagar, South Delhi, Delhi- 110062, declare that name of my father has been wrongly written as SUNIL in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is SUNIL KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as NARAYAN RAI alias DHARMEN RAY S/o RANJIT RAY R/o Plot No. 17, Durga Park, Near Chaopal Satsang Bhawan, Dindarpur, Najafgarh, PO: Najafgarh, Dist. South West Delhi, Delhi-110043, have changed my name and shall hereafter be known as DHARMEN RAY.

NAME CHANGE

I hitherto known as DENESH KUMARI alias DIVYA MOHAN D/o KESHO RAM, and W/o RAKESH MOHAN, R/o Flat No.-13, Cosmos Apartment Plot No.-28, Sector-10, Dwarka, South West Delhi, Delhi-110075, have changed my name and shall hereafter be known as DIVYA MOHAN.

NAME CHANGE

I, Raslin Kaur Wadhwa w/o Tarandeep Singh, R/o J-5/101M, Second Floor, Rajouri Garden, Delhi-110027, have changed my name to Raslin Kaur permanently.

NAME CHANGE

I, Raslin Kaur Narang w/o Tarandeep Singh, R/o J-5/101M, Second Floor, Rajouri Garden, Delhi-110027, have changed my name to Raslin Kaur permanently

NAME CHANGE

I, Tarandeep Singh Narang s/o Gurbaksh Singh, R/o J-5/101M, Second Floor, Rajouri Garden, Delhi-110027, have changed my name to Tarandeep Singh permanently

NAME CHANGE

I Varun Kumar Sharma S/o M P Sharma R/o A-107, Sector -23, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed the name of my minor son Parth Sharma aged 16 years and he shall hereafter be known as Paarth Sharma.

NAME CHANGE

I hitherto known as Vikrant Gupta S/o Srikant Gupta , R/o Flat No-1012, 1st Floor, Tower-1, ATS Rhapsody, Sector-1, Greater Noida West, Sector-1, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201318 have changed my name and shall hereafter be known as Vickrant Gupta.

NAME CHANGE

I hitherto known as Gayatri Bai Suryavanshi W/o D.R. Banwar, R/o Yadram Marg, Chotpur Colony, Chhajarsi Colony, Noida, Sector-63, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301 have changed my name and shall hereafter be known as Indira devi.

NAME CHANGE

I Pintu Kumar S/o Subodh Prasad R/o B-141, Mata Colony, Sector -12, Ghaziabad, PO- Vijai Nagar, Dist-Ghaziabad Uttar Pradesh -201009 have changed the name of my minor Daughter Chandani Kumari aged 15 years and she shall hereafter be known as KAJAL KUMARI .

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री बतूल मुजफ्फर पुत्र श्री सैयद मुजफ्फर हुसैन, श्रीमती रोमा बंगा पुत्री स्वर्गीय श्री ब्रिजेन्दर नरंग से (SFS Flat) एसएफएस फ्लैट नंबर 186-सी, द्वितीय तल, श्रेणी-II, क्षेत्रफल 79 वर्ग मीटर, स्थित सिद्धार्थ एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110014, खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति के मूल आवंटी, आवंटन व कब्जा पत्र के अनुसार, श्री एच.सी. मल्होत्रा थे। श्री एच.सी. मल्होत्रा ने उक्त संपत्ति को श्री अनिल कुमार को दिनांक 06.07.1998 को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध एवं वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित किया। तत्पश्चात, श्री अनिल कुमार ने उक्त संपत्ति को श्री आर.एल. नागपाल को दिनांक 25.06.1997 को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध एवं वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित किया। इसके बाद यह संपत्ति श्री सुशील कुमार जैन को दिनांक 07.02.2000 को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध एवं वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित की गई । इसके पश्चात, श्री सुशील कुमार जैन ने दिनांक 09.05.2007 को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से संपत्ति को फ्रीहोल्ड में परिवर्तित किया और फिर दिनांक 11.06.2010 को उक्त संपत्ति को एक विक्रय विलेख के माध्यम से श्रीमती उषा नरंग को विक्रय कर दिया। श्रीमती उषा नरंग ने दिनांक 31.07.2014 को बनाई गई वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति अपनी पुत्री श्रीमती रोमा बंगा के नाम कर दी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती उषा नरंग का 28.03.2022 को निधन हो गया। उनके पति का भी पूर्व में ही निधन हो चुका था। वे अपने पीछे केवल एक कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गईं — उनकी पुत्री, श्रीमती रोमा बंगा। अतः श्रीमती रोमा बंगा अब उक्त संपत्ति की पूर्ण व वैध स्वामिनी हैं, और यह संपत्ति किसी भी प्रकार के मुकदमेबाज़ी, दावे, बंधक, भार, या अधिकारों से मुक्त है। वर्तमान में यह संपत्ति आरबीएल बैंक, ओखला शाखा, नई दिल्ली से वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL REGD. WILL DATED 27.09.2002, EXECUTED BY SH. BHIM SINGH PAL S/O SH. KHACHEDHU IN FAVOUR OF 1)SH. SATYA PRAKASH S/O SH. BHIM SINGH PAL 2) SH. ROOP CHAND S/O SH. BHIM SINGH PAL IN RESPECT OF RESIDENTIAL HOUSE NO. 353, ADMEASURING 76 SQ. YDS AND PLOT NO. 1, ADMEASURING 120 SQ. YDS, SITUATED AT OLD ABADI OF VILLAGE MIRZAPUR GHAZIABAD UTTAR PRADESH.(AS DOC NO. 315, SR-GZB-V), HAS BEEN LOST BY MR. SATYA PRAKASH PAL S/O BHIM SINGH R/O 351-A TEACHERS COLONY MIRZAPUR SEC-12 GHAZIABAD AND IN THIS REGARD MR. SATYA PRAKASH PAL HAD LODGED LOST REPORT VIDE LR NO. 2968114 DT. 02.07.2025 IN PS CRIME BRANCH DELHI. AFTER DEATH OF SH. BHIM SINGH PALL THE AREA MEASURING 105 SQ. YDS DEVOLVED UPON SH. SATYA PRAKASH PAL S/O LATE SH. BHIM SINGH PAL AND THE AREA MEASURING 91 SQ. YDS DEVOLVED UPON SH. ROOP CHAN AND NOW MR. SHOKEEN SAIFI S/O MR. BABU KHAN, A-622 PRATAP VIHAR VIJAY NAGAR SEC-11 GHAZIABAD INTENDS TO PURCHASE THE HOUSE NO. 353, MEASURING 105 SQ. YDS SITUATED AT OLD ABADI OF VILLAGE MIRZAPUR GHAZIABAD U.P. FROM SMT. OMWATI W/O SH. STAY PRAKASH (GPA HOLDER OF SH. SATYA PRAKASH PAL) WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL WILL IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/WILL WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

NAME CHANGE

I, Pratap Singh S/o Shri Gopal Singh R/o H No F-107, Near Gumbad Katwariya Sarai South West Delhi - 110016 have changed my name from Pratap Rawat to Pratap Singh my wife name from Laxmi Rawat to Laxmi for all future purposes.

NAME CHANGE

I, LOGESHWARAN R Son of RAMADASS P Permanent resident of VILLAGE- DOOR No. 35/26, VADAKARAI COLONY, THOTTIYAM, TALUK -THOTTIYAM, DISTRICT-TIRUCHIRAPPALLI, TAMIL NADU-621215, have changed my son's name from SUDEV MARAN to L.SUDEVMAARAN for all future purposes due to erroneously entered in my service documents vide Affidavit dated 29/05/2025 before Notary Public Kulithalai, Karur, Tamilnadu.

NAME CHANGE

I, PINKY BHADORIA wife of No-17012416H, Rank-SEP, Name-VIJAY KISHOR SINGH residing at H NO-15, VILL-GANESH NAGAR, NARIYAL, KHEDA, PO-KAROND, TEH-HUZUR, DIST-BHOPAL, MADHYA PRADESH-462001, have changed my name from PINKY BHADORIA to PINKI BHADORIA for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, LEELAWATI DEVI TRIPAHI Mother of JC-342765F Rank-SUB Name-HARI KRISHNA TRIPATHI residing at VPO--BASUHAR, TEHSIL-CHAIL, DIST-KAUSHAMBI, UTTAR PRADESH-212216, have changed my name from LEELAWATI DEVI TRIPAHI to LILAWATI for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PONNUSAMY SATHIYA Wife of No. 3008909W Rank-NK Name-V SENTHIL Presently residing at VILL-AGRAHARAM, PO-PARUTHIPALLI, TEH-TIRUCHENGODE, DIST-NAMAKKAL, TAMIL NADU-637503, have changed my name from PONNUSAMY SATHIYA to SATHIYA P for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD TAHIR KHAN S/O RAIS AHMAD R/O A-518 GALI NO-9 MOONGA NAGAR KARAWAL NAGAR ROAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD TAHIR KHAN

NAME CHANGE

I, hitherto known as PREETI MITTAL daughter of RAM AVTAR MITTAL residing at H NO-J-86/11, TOP FLOOR, DILSHAD COLONY, JHILMIL, DELHI-110095 have changed my name and shall hereafter be known as RUBINA PARVEEN. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

I, NIRMALA KHARKA wife of No.-13766623W Rank-HAV Name-DURAG BAHADUR KHADKA residing at VILL-NAYA GAON WARD NO-8, PO-NAUTANWA, PS-NAUTANWA, DIST-MAHARAJGANJ, UTTAR PRADESH-273164, have changed my name from NIRMALA KHARKA to NIRMALA KHADKA for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2025 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विनोद उर्फ बिल पुत्र हरि किशन, निवासी 100 फुटा रोड, इंद्रपुरी, 2 नंबर लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 116/2023, U/S 380/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनोद उर्फ बिल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनोद उर्फ बिल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 116/2023, U/S 380/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विनोद उर्फ बिल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री पी भार्गव राव
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
पूर्वी जिला, कोर्ट संख्या 03
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8560/SHD/2025(Court Matter)

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

रेलगाड़ी सं. 05317/05318 छपरा जं.-आनंद विहार ट.-छपरा जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (04 फेरे)

रेलगाड़ी सं. 05317		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05318	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:45	छपरा जं.	10:00	----
12:30	----	आनंद विहार ट.	----	15:00

चलने के दिन : **05317 छपरा जं.** से दिनांक 05.07.2025 एवं 12.07.2025 को और **05318 आनंद विहार ट.** से दिनांक 06.07.2025 एवं 13.07.2025 को।

ठहराव: सीवान जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली जं. एवं मुरादाबाद जं. स्टेशन

स्थान: सामान्य

रेलगाड़ी सं. 05062/05061 टनकपुर-मथुरा जं.-टनकपुर विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी का अछनेरा जं. तक विस्तार (40 फेरे)

रेलगाड़ी सं. 05062		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05061	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	04:35	टनकपुर	23:35	----
06:55	06:57	बरेली जं.	20:35	20:37
12:30	----	अछनेरा जं.	----	15:50

चलने के दिन : **05062 टनकपुर एवं 05061 अछनेरा जं.** से दिनांक 31.07.2025 तक (बुधवार एवं रविवार को छोड़कर सप्ताह में 5 दिन) को।

ठहराव: खटीमा, पीलीभीत जं., भोजीपुरा जं., इज्जतनगर, बरेली सिटी, बरेली जं., बदांयू, उझानी, सोरों, कासगंज जं., सिकन्दरा राव, हाथरस सिटी, मथुरा छावनी और मथुरा जं. स्टेशन।

अन्य विवरण पूर्ववत् रहेंगे।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा—हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2010/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू** पुत्र महाबीर निवासी गुलाब वाटिका, गली नंबर 14, लोनी, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) ने ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 36027/2021 धारा 411 भा.द.स. के तहत थाना जी.टी.बी. एन्क्लेव, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सोनू** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 36027/2021 धारा 411 भा.द.स. के तहत थाना जी.टी.बी. एन्क्लेव, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **07.08.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री संघमित्रा,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01,
कमरा नं. 54, द्वितीय तल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8737/SHD/2025

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि (1) श्री सुसिंजन भट्टाचार्य (1/3 शेयर के मालिक और 2/6 शेयर के कानूनी वारिस) और (2) श्रीमती सोमा मुखर्जी (2/6 शेयर के कानूनी वारिस) अपार्टमेंट नंबर ए-707, 6वीं मंजिल पर, 106.28 वर्ग मीटर का सुपर एरिया। सैवी विले डे (पूर्व में सत्या विला डे के नाम से जाना जाता था) में स्थित, ग्रुप हाउसिंग विकसित द्वारा एसेंट बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड गांव नूर नगर, गाजियाबाद यूपी में स्थित। प्रारंभ में, मेसर्स एसेंट बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बिक्री विलेख दिनांक 07/05/2014 को (1) श्रीमती सिप्रा भट्टाचार्जी पत्नी डॉ. एस.के. भट्टाचार्जी (2) श्री सुसिंजन भट्टाचार्य पुत्र डॉ. एस.के. भट्टाचार्जी (3) डॉ. एस.के. भट्टाचार्जी पुत्र स्वर्गीय श्री एस. सी. भट्टाचार्जी उक्त संपत्ति के संबंध में निष्पादित किया गया था । दस्तावेज़ संख्या 5604, स्क्र-गाजियाबाद। बाद में, श्री सुधांशु कुमार भट्टाचार्जी पुत्र स्वर्गीय श्री एस. सी. भट्टाचार्जी की मृत्यु दिनांक 19/10/2020 को हो गई और श्रीमती सिप्रा भट्टाचार्जी की मृत्यु 01/02/2022 को हो गई, जो अपने कानूनी उत्तराधिकारियों (1) श्री सुसिंजन भट्टाचार्य और (2) श्रीमती सोमा मुखर्जी को पीछे छोड़ गईं, जो उक्त संपत्ति को इच्छित उधारकर्ता को बेचना चाहते हैं, जो उक्त अचल संपत्ति को अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड को गिरवी रखेंगे। जिस किसी को भी उक्त गिरवी पर कोई आपत्ति है या किसी का संपत्ति पर दावा, अधिकार या हित है, वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करे, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 3/7/2025

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद महमूद, पुत्रः** मोहम्मद ज़ब्बार, **पताः** मिल्क राम विहार, डीएलएफ कॉलोनी, गाजियाबाद, उ. प्र.; स्थायी पताः ग्राम – इस्फ़ा, थाना – नव कोड़ी, ग्राम – सकरपुरा, थाना – बखरी, जिला– बेगुसराय, बिहार ने मुकदमा **FIR No. 175/2018, U/s 279/304A IPC, थानाः खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद महमूद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद महमूद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 175/2018, U/s 279/304A IPC, थानाः खजूरी खास, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद महमूद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
कनिका अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी – 03
कमरा नं. 22, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8678/NE/2025
(Court Matter)

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT COPY OF 1. DEATH CERTIFICATE OF LT. MRS. JAINWATI WIFE OF MR. PRATAP SINGH JAIN, 2. COPY OF DEATH CERTIFICATE OF LT. MR. PRATAP SINGH JAIN, 3. COPY OF LEGAL HEIRS CERTIFICATE OF LT. MRS. JAINWATI AND MR. PARTAP SINGH JAIN ISSUED BY CONCERNED SDM SHOWING THEIR LEGAL HEIRS NAMELY MR. DEPUTY MAL JAIN AND OTHERS, 4. COPY OF LEGAL HEIRS CERTIFICATE OF LATE MR. DEPUTY MAL JAIN ISSUED BY CONCERNED SDM SHOWING HIS LEGAL HEIRS. MRS. NEETA JAIN, MRS. KUSUM JAIN, MRS. SANTOSH JAIN, MRS. RAJ JAIN (ALL HIS DAUGHTERS) AND MR. NARENDER KUMAR JAIN AND MR. RISHABH KUMAR JAIN (BOTH HIS SONS), 5. COPY OF LEGAL HEIRS CERTIFICATE OF LATE MRS. SANTOSH D/O LT. MR. DEPUTY MAL JAIN ISSUED BY CONCERNED SDM SHOWING HER LEGAL HEIRS. MR. DINESH KUMAR JAIN (HER SON), MR. PUNIT JAIN (HER SON) AND MRS. ARUNA JAIN (HER DAUGHTER), 6. COPY OF LEGAL HEIRS CERTIFICATE OF LATE MRS. RAJ JAIN D/O LT. MR. DEPUTY MAL JAIN ISSUED BY CONCERNED SDM SHOWING HER ONLY LEGAL HEIRS NAMELY MRS. AAKANSHI JAIN 7. COPY OF PARTITION DEED EXECUTED BETWEEN MR. NARENDER KUMAR JAIN AND MR. RISHABH KUMAR JAIN IN RESPECT OF PROPERTY NO. 4798-4799, OLD PLOT NO. 30, LAND AREA MEASURING 273 SQ. YARDS FOR "PROPERTY NO. 4798-4799, OLD PLOT NO. 30, LAND AREA MEASURING 273 SQ. YARDS., SITUATED AT DEPUTY GANJ SADAR BAZAR DELHI-110006", HAVE BEEN LOST BY THE MR. ASHOK KUMAR AND MR. MOHAN LAL BOTH C/O CHHOTE LAL, BOTH R/O C-117, GALI NO. 05, BHAJANPURA, YAMUNA VIHAR, DELHI-110053 AND SAID MR. ASHOK KUMAR AND MR. MOHAN LAL PURCHASED THE ONE SHOP BEARING ITS PRIVATE NO. 01 ON GROUND FLOOR, NORTHERN WESTERN SIDE (WITHOUT ROOF/TERRACE RIGHTS), AREA 11.60 SQ. METERS APPROX. OUT OF PROPERTY NO. 4798-4799 VIDE SALE DEED DT. 07.05.2025 EXECUTED BY MRS. SHIVALI JAIN (DOC. NO. 2025/19/1/6037, IN BOOK NO. 1, VOL. NO. 12217, ON PAGES 57-78, ON DT. 13.05.2025, SRO-1-DELHI) AND. AND THE SAID OWNERS ARE GOING TO MORTGAGE THE SAID PROPERTY WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE SUBMIT THE SAID DOCUMENT IF FIND BY ANY PERSON OR ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

हरियाणा के माजरा गांव की लेडी सरपंच नेहा शर्मा गिरफ्तार

प्रशासन को दी थी चुनौती

अंबाला के माजरा गांव की सरपंच नेहा शर्मा ने पंचायत की जमीन पर कब्जे के विरोध में आत्मदाह की कोशिश की. पुलिस ने उन्हें त्रिवेणी चौक पर गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया.

एजेंसी

अंबाला. हरियाणा के अंबाला के शहजादपुर एरिया के माजरा में जाने देने जा रही महिला सरपंच को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. माजरा गांव की सरपंच नेहा शर्मा ने पंचायत की जमीन पर कब्जे को लेकर प्रशासन को चेतावनी दी थी कि वह अपनी जान दे देंगी.

बुधवार सुबह वह घर से जान देने के लिए त्रिवेणी चौक की तरफ निकली. उस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद रहा. पुलिस की तरफ से नेहा शर्मा को पहले ही हिरासत में ले लिया. जिसे अब कोर्ट में पेश किया जाएगा. नेहा शर्मा के साथ अन्य कुछ लोगों को भी पुलिस ने मौके पर पकड़ा है. स्ऌ शहजादपुर ने कहा कि सरपंच को अभी स्ठरू समक्ष पेश किया गया हैं !

दरअसल, मंगलवार रात अंबाला डीसी अजय सिंह तोमर ने सरपंच नेहा शर्मा को सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और धमकी देने के आरोप में सस्पेंड कर दिया. इसी वजह से बुधवार को नेहा शर्मा ने इसके विरोध में गांव में रैली निकाली.इसके बाद वह शहजादपुर के त्रिवेणी चौक पर पहुंच गईं तभी पुलिस ने सरपंच को गिरफ्तार कर लिया.

माजरा की महिला पंच किरण ने बताया कि सरपंच नेहा शर्मा माज़रा के लिए कुछ अच्छा करना चाहती हैं, लेकिन जो खोखे लगाए हुए वे गावं की जगह पर 21-22 साल से कब्ज़ा किया हुआ हैं, लेकिन वे छोड़ नहीं रहें हैं. उनका कहना हैं वे चाहते हैं कि बस जमीन पर से कब्ज़ा छोड़ा जाए.

माज़रा की सरपंच नेहा शर्मा ने प्रशासन की ओर से कब्ज़ा की हुई जमीन को खाली न करवाने को अपना अपमान समझा और 2 जुलाई को जान देने की धमकी दे डाली. यही नहीं, नेहा शर्मा अपने समर्थकों के साथ त्रिवेणी चौक पहुँच भी गई. स्ऌ पुलिस थाना शहजादपुर अशोक कुमार ने बताया कि बस स्टैंड के पास पंचायती जमीन के कब्ज़े को लेकर कुछ इशू था, जिसको लेकर नेहा शर्मा ने अल्टीमेटम दिया था. इससे पहले, ही उसे हिरासत मे लेकर एसडीएम के समझ पेश किया है.

अब सफर हो जाएगा आसान, आज से शुरू होगी हिसार से शिमला के लिए AC बस सेवा...

हिसार. हरियाणा के हिसार बस स्टैंड से आज शिमला के लिए एसी बस सर्विस शुरू होगी। हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो की बस सुबह 9:55 पर हिसार से रवाना होगी और शाम 7 बजे शिमला पहुंचेंगी। यह बस 45 स्थानों पर रूकेंगी। हिसार से शिमला का किराया 758 रुपए रखा गया है। बस में आरामदायक सीटें और मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सामान्य बस में शिमला तक का किराया का किराया 575 रुपए है। इसके अतिरिक्त, चंडीगढ़ रूट पर लंबे समय से बंद पड़ी सुबह 7:10 और दोपहर 12 बजे की एसी बस सेवाएं भी दोबारा शुरू कर दी गई हैं। बुधवार को रूट परमिट मिलने के बाद इन सभी सेवाओं को शुरू किया गया है।

रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि पहले हिसार से शिमला के लिए सरकारी एसी बस की सीधी सेवा उपलब्ध नहीं थी, जिससे यात्रियों को निजी या सामान्य बसों पर निर्भर रहना पड़ता था। यात्रियों का अच्छा रिस्पांस मिलने पर बसों की संख्या और फेरे बढ़ाए जा सकते हैं।

हरियाणा सरकार ने राह वीर योजना की लागू, अगर आपने भी किया ये काम, तो मिलेंगे 25 हजार रुपए

चंडीगढ़. हरियाणा में राह वीर योजना शुरू हो चुकी है। इस योजना के तहत सड़क हादसों में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाने वालों को सरकार की ओर से 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य आमजन को घायलों की मदद के लिए प्रोत्साहित करना है। इस बारे में जानकारी देते हुए सोनीपत के डीसी सुशील सारवान ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित राह वीर योजना हरियाणा में भी लागू कर दी गई है।

दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति को गोल्डन ओवर (एक घंटे के भीतर) अस्पताल में पहुंचाने वाले मददगार को 25 हजार रुपए इनाम दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति साल में पांच बार यह पुरस्कार ले सकता है। राह वीर को में अपना नाम, मोबाइल नंबर, घटना स्थल का विवरण और बैंक खाता डिटेल देनी होगी। जिस पुलिस थाना क्षेत्र में दुर्घटना हुई उसका प्रमाण पत्र और जिस अस्पताल में भर्ती करवाया उसका प्रमाण पत्र भी लगाना होगा।

डीसी ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम 2019 की धारा 134ए और भारत सरकार की 29 सितंबर 2020 की अधिसूचना के तहत राह वीर को कानूनी संरक्षण भी मिलेगा। हर घातक सड़क दुर्घटना में मदद करने वाले को सात दिन के अंदर 25 हजार रुपए इनाम और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। अगर एक से अधिक व्यक्ति मदद करते है, तो इनाम की राशि समान रूप में बांटी जाएगी। प्रशस्ति-पत्र सभी को दिए जाएंगे।

जिला स्तर पर मूल्यांकन कमेटी में चार व्यक्ति होंगे। जिसमें उपायुक्त अध्यक्ष डीटीओ-कम-सचिव आरटीए मेंबर सचिव, एसपी मेंबर, व सीएमओ/एसएमओ मेंबर रहेगे। मूल्यांकन कमेटी की सिफारिश के पश्चात परिवहन विभाग के द्वारा 7 दिन के भीतर राह वीर के खाते में पैसे भेज दिए जाएंगे। राह वीर योजना की समय सीमा 31 मार्च 2026 तक ही रहेगी।

हरियाणा के इन जिलों में होगी बारिश, उमस भरी गर्मी से मिलेगी राहत

एजेंसी

फरीदाबाद. हरियाणा में मानसून ने दस्तक तो दे दी है, लेकिन कुछ जिलों को छोड़ दें तो अब तक झमाझम बारिश देखने को नहीं मिली है. फरीदाबाद समेत कई जिलों में लोग अभी भी गर्मी और उमस से परेशान हैं. मानसून को आए हुए एक हफ्ते से ज्यादा का वक्त हो गया है, लेकिन बारिश के नाम पर सिर्फ बूंदाबांदी ही हुई है. ऐसे में लोग अब अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं. बुधवार को तेज धूप ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी. तापमान बढ़कर 34 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि मंगलवार को यह 31 डिग्री था. उमस इतनी ज्यादा हो गई कि घरों और दफ्तरों में पंखे कूलर भी फेल होते नजर आए. बल्लभगढ़ में बुधवार को दोपहर में हल्की बारिश हुई, लेकिन उसके बाद तेज धूप निकल आई. जिससे उमस और बढ़ गई. वहीं मौसम विभाग का कहना है कि 5 जुलाई तक पूरे हरियाणा में बारिश की संभावना बनी हुई है. 18 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो चुकी है और मौसम विभाग ने 5 जुलाई तक येलो अलर्ट जारी किया है.

हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के मुताबिक मानसून टर्फ की उत्तरी सीमा श्रीगंगानगर, दिल्ली, फतेहगढ़, सीधी, जमशेदपुर से होकर बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है. इसके चलते नमी वाली हवाएं राज्य की ओर बढ़ रही हैं. 3 जुलाई को झज्जर, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और मेवात में 75-100त्न बारिश की संभावना जताई गई है. वहीं पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, करनाल, सोनीपत, रोहतक जैसे जिलों में 50-75त्न और सिरसा, फतेहाबाद, हिसार में 25-50त्न बारिश हो सकती है. हालांकि फरीदाबाद में अब तक बारिश की रफ्तार काफी धीमी रही है.

मौसम विभाग के अनुसार जिले में 6 जुलाई तक मौसम साफ रह सकता है. ऐसे में लोगों को उमस से राहत जल्दी मिलने की संभावना नहीं है. बीके अस्पताल में उमस का असर भी दिखने लगा है. डायरिया के मरीजों की संख्या बढ़ गई है. अस्पताल में हर दिन 80 से 90 मरीज पहुंच रहे हैं, जिनमें से कई को भर्ती करना पड़ रहा है. डॉक्टरों का कहना है कि इस मौसम में लोगों को साफ पानी पीना चाहिए और बाहर का तला भुना खाना खाने से बचना चाहिए. मानसून की सक्रियता बढ़ रही है, लेकिन फरीदाबाद में अब भी बादलों की मेहरबानी का इंतजार बना हुआ है.

हरियाणा रोडवेज की बस में बेटी की उम्र की छात्रा से छेड़छाड़, आरोपी अधेड़ ने थाने में मांगी मांफी, कंडक्टर-चालक की मुस्तैदी की भी हो रही तारीफ

एजेंसी

रेवाड़ी। हिसार. चंडीगढ़ से हिसार जा रही हरियाणा रोडवेज की बस में एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की शर्मनाक घटना सामने आई है. कंडक्टर और ड्राइवर की सूझबूझ और तत्परता से आरोपी को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के पास ले जाया गया और माफी मंगवाई.

जानकारी के अनुसार छात्रा चंडीगढ़ से हिसार जा रही बस में सवार होकर हिसार में परीक्षा देने जा रही थी. बस जैसे ही नरवाना बस स्टैंड पर पहुंची, एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति उसमें सवार हुआ और छात्रा के बगल वाली सीट पर बैठ गया. कुछ ही देर में आरोपी ने छात्रा के साथ अशोभनीय हरकतें शुरू कर दीं, जिससे वह घबरा गई और रोने लगी.

बस में सवार कंडक्टर ने छात्रा को रोते देखा तो पास जाकर कारण पूछा. छात्रा ने हिम्मत जुटाकर अपनी आपबीती बताई. स्थिति की गंभीरता को समझते हुए कंडक्टर ने तुरंत ड्राइवर को सूचित किया और पुलिस हेल्पलाइन 112 पर कॉल कर पूरी घटना की जानकारी दी. इसके बाद आरोपी ने बस से उतरने का प्रयास किया, लेकिन परिचालक व सवारियों ने खिड़की बन्द कर दी और उसे बस से नहीं उतरने दिया. बस को बरवाला पुलिस चौकी के सामने ले जाया गया, जहां पहले से सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी मौजूद थे. आरोपी को बस से नीचे उतारकर पूछताछ की गई. पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार किया. मौके पर मौजूद अन्य यात्रियों ने भी आरोपी की जमकर फटकार लगाई और कुछ ने उसकी धुनाई भी कर दी. छात्रा ने बताया कि उसका उसी दिन परीक्षा है और यदि वह थाने में शिकायत दर्ज करवाने गई तो उसका पेपर छूट जाएगा. इस पर आरोपी ने हाथ जोड़कर छात्रा से माफी मांगी और भविष्य में ऐसी गलती न करने की कसम खाई.

एग्जाम देने जा रही थी छात्रा

छात्रा ने परीक्षा को प्राथमिकता देते हुए आरोपी को माफ कर दिया और बस में सवार होकर हिसार के लिए रवाना हो गई.कंडक्टर और ड्राइवर की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता की यात्रियों ने भी सराहना की है. यदि समय पर हस्तक्षेप न होता, तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी. पुलिस अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी ने छात्रा से माफी मांगी है और ऐसे में उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है.

हरियाणा के लहलाना गांव में 24 वर्षीय युवक की हत्या

घर के बेड पर मिला सचिन का शव, आरोपी किन्नर दीपिका फरार

भिवानी में 24 वर्षीय सचिन की हत्या का आरोप किन्नर दीपिका और सोनू पर लगा है. सचिन का शव दीपिका के घर मिला. पुलिस ने केस दर्ज कर हत्यारों की गिरफ़्तारी के लिए दो टीम बनाई हैं.

एजेंसी

भिवानी. हरियाणा के भिवानी में 24 वर्षीय युवक की निर्मम हत्या की सनसनीखेज़ मामला सामने आया है. हत्या का आरोप दो किन्नरों पर लगा है. फिलहाल पुलिस ने मृतक के पिता के बयान पर केस दर्ज कर हत्यारों की गिरफ़्तारी के लिए दो टीमों का गठन किया है.

दरअसल, पूरा मामला भिवानी जिला के लहलाना गांव का है. जहां दीपिका नामक किन्नर के घर बेड पर 24 वर्षीय सचिन का शव मिला. बताया जाता है कि सचिन चरखी दादरी जिला के हड़ौदी गांव का रहने वाला था और बीते तीन महिने से किन्नर दीपिका का ड्राइवर था. बीती रात सचिन अपने घर नहीं पहुँचा तो उसके परिजन किन्नर दीपिका के गांव लहलाना पहुँचे और पूछताछ के बाद कोई सूचना नहीं मिली तो पुलिस के बुलाने के बाद धीरे धीरे सारे राज खुलने लगे. मृतक सचिव के मामा राजेन्द्र ने बताया कि सचिन दीपिका किन्नर की गाड़ी चलाता था. जिसका शव दीपिका के घर बेड पर मिला है. उन्होंने बताया कि सचिन के परिजन जब सचिन की तलाश में दीपिका किन्नर के घर पहुँचे तो वहां दो किन्नर बैठे थे. जिन्होंने सचिन की कोई जानकारी नहीं दी. पर जब पुलिस बुलाई तो वो भाग गए और अंदर सचिन का शव मिला. मामा ने बताया कि सचिन के गले पर निशान हैं. उन्होंने सचिन की हत्या कीं आसंका जताते हुए न्याय की मांग की है.

मामले की जांच कर रहे एएसआई उदय भान ने बताया की आशंका है कि सचिन ने किन्नरों के साथ रात को शराब पी और नशे में किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद उसकी हत्या की गई हो. उन्होंने बताया कि मृतक के गले पर रस्सी के निशान है. जिससे लगता है कि उसे फाँसी पर टाँगा गया हो या गला दबा कर मारा गया हो. जाँच अधिकारी का कहना है कि मृतक के पिता सुरेन्द्र की शिकायत पर किन्नर दीपिका व सोनू सहित चार लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है. उन्होंने कहा कि हत्यारों की गिरफ़्तारी के लिए दो टीमों का गठन किया गया है. किन्नर दीपिका के घर सचिव का शव मिलना और पुलिस आने पर उनका फ़रार होना ही नहीं, सचिन के गले पर निशान, हत्या की कहानी बयान कर रहे हैं.

करनाल में सीएम फ्लाइंग की रेड, एक ही मकान से पकड़े 53 सट्टेबाज... 12 लाख कैश बरामद

करनाल. करनाल के घरौंडा की दुर्गा कॉलोनी में सीएम फ्लाइंग ने रेड करके 53 लोगों को जुआ खेलते पकड़ा है। इनके पास से 12 लाख से ज्यादा की राशि बरामद हुई है, वहीं 40 से ज्यादा फोन बरामद हुए हैं। ये अधिकतर लोग गाड़ियों पर आए थे तो गाड़ियों की चाबियां भी मिली। साथ ही साथ ताश, coins और Dise भी बरामद हुए हैं। ये लोग जो गिरफ्तार हुए हैं वो अलग अलग जिलों से आए हुए थे जो यहां पर आकर जुआ खेलते थे। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी सुशील कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि रिंकू कश्यप नामक व्यक्ति घरौंडा के रिहायशी इलाके में एक मकान में सट्टेबाजी का धंधा चला रहा है। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी ने बताया एक व्यक्ति है जिसकी पनाह पर यहां जुआ खेला जाता था और वो व्यक्ति इनसे रोजाना 50 हजार रुपए लेकर जाता था ताकि इन पर कार्रवाई ना हो, अब उसको भी पकड़ने के लिए ष्टरूफ्लाइंग की टीम प्रयास करेगी। आज इन 53 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। CM फ्लाइंग की ये एक बड़ी कामयाबी है, जिसमें ष्टद्बष्ठ और घरौंडा पुलिस की भूमिका भी रही। ये सभी एक घर के अंदर कमरे में बैठकर जुआ खेला करते थे और अब धरे गए हैं, यहीं पर इनके खाने पीने के सामान की भी व्यवस्था होती थी।

कबाड़ी वाले की बेटी ने रचा इतिहास, मिली 55 लाख की नौकरी, गांव में बंटी मिठाइयां

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के हिसार जिले के छोटे से गांव बालसमंद से निकली एक लड़की ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसकी चर्चा आज हर तरफ हो रही है.कबाड़ी वाले की बेटी सिमरन अब देश की एक दिग्गज टेक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने जा रही है.उन्हें सालाना 55 लाख रुपये का पैकेज मिला है. सिमरन की कहानी मेहनत, हौसले और सपनों की जीत की मिसाल है.

पिता ऐसे चलाते हैं परिवार

सिमरन के पिता राजेश कुमार रोजाना गांव की गलियों में कबाड़ बीनकर और बेचकर परिवार चलाते हैं. घर में चार बच्चे-तीन बेटियां और एक बेटा है और कमाई सीमित है. हालात इतने आसान नहीं थे कि पढ़ाई का खर्च उठाया जा सके, लेकिन राजेश ने हिम्मत नहीं हारी.वह चाहते थे कि उनकी बेटियां पढ़-लिखकर कुछ बड़ा करें. सिमरन ने भी अपने पिता के सपनों को अपने कंधों पर उठाया और मेहनत की राह पकड़ ली.

17 साल की उम्र में पहुंच गई IIT

सिमरन की मेहनत का पहला फल तब मिला जब वह महज 17 साल की थी. उन्होंने पहले ही प्रयास में IIT एंट्रेंस एग्जाम क्रैक कर लिया.फिर उसे IIT मंडी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एडमिशन मिला.यहां से उन्होंने अपनी पढाई पूरी की.

और देखा माइक्रोसॉफ्ट में जाने का सपना

कोर्स पूरा होने के बाद चुनौती ये थी कि सिमरन की ब्रांच इलेक्ट्रिकल थी.जबकि सॉफ्टवेयर कंपनियां ज्यादातर कंप्यूटर साइंस वालों को लेती हैं, लेकिन सिमरन ने हार नहीं मानी. उन?होंने खुद से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई शुरू कर दी. दिन-रात कोडिंग, प्रोग्रामिंग और प्रैक्टिस-उनका फोकस सिर्फ एक था-माइक्रोसॉफ्ट में जाऊंगी.उनकी मेहनत ने रंग दिखाया और उन्हें माइक्रोसॉफ्ट हैदराबाद में इंटर्नशिप का मौका मिल गया.

दो महीने की इंटर्नशिप में सिमरन ने कमाल कर दिया.पूरे 300 इंटर्न्स में से उन?हें बेस्ट इंटर्न का अवॉर्ड मिला.इतना ही नहीं, माइक्रोसॉफ्ट की अमेरिका वाली हेड खुद भारत आईं और सिमरन को सम्मान दिया. ये पल उसके परिवार और गांव के लिए गर्व का क्षण था.

गांव में मचा धमाल!

जब गांव वालों को पता चला कि उनकी सिमरन ने 55 लाख रुपये के पैकेज के साथ माइक्रोसॉफ्ट जॉब हासिल की, तो लोग खुश हो गए.घरवालों ने मिठाइयां बांटी.ढोल-नगाड़े भी बजवाकर अपनी खुशी जाहिर की.हर कोई सिमरन का नाम गर्व से ले रहा है. एक छोटे से घर से निकली ये लड़की आज पूरे गांव की शान बन गई है.

सिमरन बन गई हर सपने वाले के लिए प्रेरणा

सिमरन ने साबित कर दिया कि मेहनत और हौसला हो तो कोई मंजिल दूर नहीं.इलेक्ट्रिकल से शुरू करके कंप्यूटर साइंस सीखना,फिर माइक्रोसॉफ्ट तक पहुंची. सिमरन का यह सफर हर उस बच्चे के लिए उम्मीद की किरण है जो मुश्किल हालात में भी कुछ बड़ा करना चाहता है.

सिमरन आज अपने परिवार,गांव और हरियाणा की बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी है. उसकी कहानी यही सिखाती है कि चाहे हालात कितने भी मुश्किल हों,अगर हौसला बुलंद हो तो आसमान भी छोटा लगने लगता है.

अस्पताल में जा रही एंबुलेंस को कार ने मारी जोरदारी टक्कर, पलटते हुए बजी दीवार में... 4 लोग हुए घायल

एजेंसी

यमुनानगर (परवेज खान). यमुनानगर सिविल अस्पताल गेट के सामने आज सुबह तड़के 4 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ। छछरौली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने सिविल अस्पताल के गेट के अंदर जा रही एंबुलेंस को ऐसी जोरदार टक्कर मारी की कार पलटते हुए अस्पताल की दीवार से जा टकराई और एंबुलेंस एम्बुलेंस में जा भिड़ी।

एंबुलेंस गर्भवती महिला को यमुनानगर के गांधीनगर से सिविल अस्पताल लेकर आ रही थी। इस हादसे में कार का ड्राइवर गंभीर रूप से जख्मी हुआ है जिसे यमुनानगर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराने के बाद चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया है इसके अलावा एंबुलेंस का ड्राइवर भी बुरी तरह से जख्मी हुआ है इस हादसे में तीन लोगों को चोटे आई है हादसे के बाद डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

घायल एंबुलेंस ड्राइवर सतीश ने बताया कि कार काफी तेज गति से आ रही थी कार में चार लोग सवार थे। जो अपना नियंत्रण खो चुके थे जिससे ये हादसा हुआ है। डायल 112 के पुलिसकर्मी मोहन ने बताया कि फिलहाल यह तफ्तीश का विषय है कि कार सवार युवकों ने शराब पी थी या नहीं लेकिन इस हादसे में चार लोगों को चोटे आई हैं जिनका इलाज कराया जा रहा है। एम्बुलेंस में सवार गर्भवती महिला सुरक्षित है जबकि उनके परिजनों को चोट लगी है।

सोनीपत की राइस मिल में लगी आग, लाखों रुपए का सामान जलकर हुआ राख....सभी कर्मचारी सुकुशल

एजेंसी

सोनीपत (सन्नी मलिक). सोनीपत में गर्मियों के मौसम में फैक्ट्रियों में आग लगने की घटनाओं में लगातार इजाफा हुआ है। कल देर रात सोनीपत के कामी रोड पर स्थित एसएनजी राइस मिल में अज्ञात कारणों के चलते आग ने जमकर तांडव मचाया । राइस मिल इस आग में जलकर राख हो गई, हालांकि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि जब आग लगी तो सभी कर्मचारियों को सुकुशल बाहर निकाल लिया गया।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद सोनीपत सदर थाना पुलिस के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के साथ फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के साथ आग पर काबू पाते हुए नजर आए, तो इंस्पेक्टर धर्मपाल सिंह ने बताया कि गांव कामी रोड पर आग लगने की सूचना मिली थी और राइस मिल में यह आग लगी है और आग पर काबू पा लिया गया है।

सोनीपत में गर्मियों के मौसम में फैक्ट्रियों में आग लगने की घटनाओं में लगातार इजाफा हुआ है। कल देर रात सोनीपत के कामी रोड पर स्थित एसएनजी राइस मिल में अज्ञात कारणों के चलते आग ने जमकर

NAME CHANGE
I hitherto known as VINIT S/o SANJAY, residing at Nand Garh, PO Nandgarh, Dist. Jind, Haryana-126101 have changed my name and shall hereafter be known as VINIT DALAL

NAME CHANGE
I, Preeti D/o Shankar Lal R/o Village palwas, Paluwas (12), PO:Paluwas, Dist: Bhiwani Haryana-127021 hereby undertake that I Preeti want to change my name to Parth and gender as male. I Preeti henceforth be known as Parth S/o Shankar Lal

पतंजलि के खिलाफ डॉबर इंडिया को मिली राहत, भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली।

योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने डाबर इंडिया लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर पतंजलि को डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ किसी भी तरह के भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है।

दरअसल डाबर इंडिया ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि पतंजलि अपने टीवी विज्ञापनों के जरिए डाबर च्यवनप्राश को बदनाम कर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही है।

डाबर इंडिया का आरोप है कि पतंजलि ने डाबर के उत्पाद को साधारण बताकर उसकी छवि खराब करने की कोशिश की। इसके अलावा, पतंजलि के विज्ञापन में इस बात का दावा किया गया कि उनका च्यवनप्राश 51 से अधिक जड़ी-बूटियों से बना है, जबकि डाबर के अनुसार इसमें केवल 47 जड़ी-बूटियां हैं। इस पर डाबर ने आरोप लगाया कि पतंजलि के उत्पाद में पारा मिला हैं, जो बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है।

डाबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने बताया कि पतंजलि ने भ्रामक और गलत दावा कर यह जताने की कोशिश की कि वहीं एकमात्र असली आयुर्वेदिक च्यवनप्राश बनाता है, जबकि डाबर जैसे पुराने ब्रांड को साधारण साबित करने में लगा है। वहीं पतंजलि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत मेहता ने सभी आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद में सभी जड़ी-बूटियां आयुर्वेदिक मानकों के अनुसार हैं और उत्पाद पूरी तरह से मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है।

बात दें कि डाबर ने बताया कि च्यवनप्राश के बाजार में उसकी 61.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है और पतंजलि का इस तरह का प्रचार एक प्रतिस्पर्धी रणनीति है जो उसके ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।

मामले में दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा की अध्यक्षता वाली पीठ ने डाबर इंडिया को महत्वपूर्ण अंतरिम राहत प्रदान की है। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को तय की गई है।

फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों को स्वदेश लौटने को कहा

-'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती

मुंबई । भारत में कारोबार फैलाने की अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल की योजना को करारा झटका लगा है। इसका कारण ये हैं कि फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में आईफोन संयंत्रों में काम करने वाले चीन के इंजीनियरों को स्वदेश लौट जाने के लिए कहा है। फॉक्सकॉन के कदम से 'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती है। एप्पल सितंबर मध्य तक 'आईफोन 17' बाजार में पेश करना चाह रही है। सूत्रों का कहना है कि संभवतः चीन सरकार के निर्देश के बाद फॉक्सकॉन ने फैसला लिया होगा। चीन सरकार भारत में 'आईफोन17' जैसे नए फोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली स्मार्टफोन मशीन के आयात की मंजूरी देने में पहले से ही आनाकानी कर रही है। इन दोनों कारणों से भारत में आईफोन बनाने के लिए जरूरी प्रशिक्षण कार्यों पर भी असर हो सकता है। इसके साथ चीन से विनिर्माण तकनीक के हस्तांतरण की प्रक्रिया को भी झटका लगेगा है और उत्पादन लागत बढ़ जाएगी।

दिलचस्प बात है कि फॉक्सकॉन ने 15 जुलाई तक भारत में 1,000 नए कर्मचारियों की भर्ती की योजना तैयार रखी थी। सूत्र ने कहा कि इन नई भर्तियों के साथ इसके कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 40,000 तक पहुंच जाती। सूत्रों ने खुलासा किया कि फॉक्सकॉन चीनी तकनीकी विशेषज्ञों की जगह वियतनाम के इंजीनियरों को नियुक्त कर सकती है। अपने इंजीनियरों को वापस बुलाने के चीन सरकार के कदम के पीछे उसकी संरक्षणवादी मानसिकता है। वहां की सरकार भारत को तकनीक हस्तांतरण एवं उपकरणों के निर्यात में भी अड़ंगा लगा रही है। फॉक्सकॉन के कदम पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें इससे कोई खास दिक्कत होती नहीं दिख रही है। फॉक्सकॉन चीन और ताइवान से नियमित रूप तकनीशियन बुलाती रहती है। हमारे पास पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित लोग हैं। कई कंपनियों ने स्थानीय स्तरों पर मशीनें बनानी भी शुरू कर दी हैं। चीन के इंजीनियरों के जाने से अधिक से अधिक एक महीने तक उत्पादन में बाधा आएगी मगर इससे ज्यादा कुछ नहीं होगा।'

अडानी ग्रुप 'एक कारोबार, एक कंपनी' की बना रहा रणनीति

-एक छत के नीचे लाएगा सभी सीमेंट कंपनियों को, अल्ट्राटेक को देगा टक्कर

नई दिल्ली।

अडानी समूह ने 'एक कारोबार, एक कंपनी' रणनीति के तहत अपने सभी सीमेंट कारोबार को एक ही कंपनी के तहत एकीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके जरिये कंपनी अपने सीमेंट कारोबार को सुचारु एवं व्यवस्थित करना चाहती है जहां अंबुजा और एसीसी दोनों प्रमुख ब्रांड मौजूद हों। समूह ने इस एकीकरण योजना के तहत हाल में अधिग्रहीत अपनी दो कंपनियों सांघी इंडस्ट्रीज और पेन्ना सीमेंट को अंबुजा सीमेंट्स में विलय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट में इस मामले को जानने वालों ने बताया कि यह प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। समूह ने मूल ब्रांड के तौर पर 'अडानी सीमेंट' बढ़ावा देने की योजना बनाई है। उसने ब्रांड जागरूकता की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर में सीके बिड़ला ग्रुप से अधिग्रहित ओरियंट सीमेंट अब अडानी सीमेंट के तहत एक विनिर्माण इकाई के तौर पर काम करेगी। अधिकारियों ने कहा कि विरासती ब्रांड और मूल्य निर्धारण में अंतर के बावजूद मात्रात्मक लिहाज से ओरियंट सीमेंट को बिना कोई नुकसान पहुंचाए आसानी से एकीकृत किया जा चुका है।

ओरियंट सीमेंट के करीब 60 फीसदी डीलरों ने अंबुजा और एसीसी उत्पादों का स्टॉक रखना पहले ही शुरू कर दिया है। इससे जमीनी स्तर पर ब्रांड एकीकरण का संकेत मिलता है। इस रणनीति का उद्देश्य परिचालन को सरल बनाते हुए लागत को घटाना और बाजारों में ब्रांडों की मौजूदगी को बेहतर करना है। पिछले एक साल में कई आक्रामक अधिग्रहण करने के बाद अडानी ग्रुप ने सीमेंट क्षेत्र में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पहल की है।

कई सीमेंट इकाइयों के विलय के बाद सुदृढ़ीकरण की भी योजना है। इसके तहत अंबुजा सीमेंट्स अपनी सहायक कंपनी एसीसी के साथ विलय पर गंभीरता से विचार कर सकती है। करीब 14 करोड़ टन क्षमता वाली अडानी ग्रुप की सभी सीमेंट परिसंपत्तियां एक ही छत के नीचे आ जाएंगी। इससे उद्योग की अग्रणी कंपनी अल्ट्राटेक को टक्कर देने में मदद मिलेगी। बता दें अडानी ग्रुप फिलहाल देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। उसने सालाना 20 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। इसके तहत वह 2030 तक 20 करोड़ टन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रख रही है।

अमेरिकी डॉलर में आई गिरावट, दुनिया के देशों पर इसका नहीं पड़ेगा असर

अमेरिकी जानकार बोले- ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी से बनी यह स्थिति, बढ़ेगी महंगाई

वॉशिंगटन। इस साल अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई। 1973 के बाद से अब तक ऐसा पहली बार है, जब एक साल के अंदर ही डॉलर में भारी गिरावट दर्ज देखी गई। भारतीय रुपए के मुकाबले एक डॉलर की कीमत 85 रुपए है। 20 जून को ही रुपए की कीमत डॉलर के मुकाबले 86.60 थी। कई करेंसीज के मुकाबले इस साल की शुरुआत से अब तक डॉलर पहले की तुलना में 10 फीसदी तक कमजोर हुआ है। हालात यह है कि अमेरिकी करेंसी में निवेश करने वाले लोग निकल जाना चाहते हैं। ऐसा इसलिए ताकि महंगाई के संकट में यदि बाजार में गिरता है तो नुकसान से बच सकें।

अमेरिकी बाजार जानकारों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी के चलते यह स्थिति बनी है। चीन, भारत, ब्राजील जैसे देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात की कीमत में इजाफा हुआ है और डॉलर कमजोर हुआ है। अब तक डॉलर को सबसे सुरक्षित करेंसी माना जाता रहा है। लेकिन इसमें भरोसे में कमी आई है।

इंपोर्ट पर टैरिफ बढ़ गया है, जिसके चलते भारत और चीन जैसे देशों से अमेरिका पहुंचने वाला सामान महंगा हो गया है। इससे अमेरिका में महंगाई बढ़ गई और डॉलर भी कमजोर हो गया है। इस स्थिति से दूसरे देशों को परेशानी पहुंचाने वानर नहीं है, जितनी अमेरिका के लोगों को है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में महंगाई बढ़ने का डर है। ऐसा होगा तो ग्रोथ में भी कमी आएगी। लोग कम निवेश करेंगे और ज्यादा से ज्यादा पैसा लोग अपने पास रखना चाहेंगे। एक समस्या यह है कि अमेरिकी बाजार की स्थिरता को लेकर भी निवेशकों में भरोसा कम हुआ है।

मुकेश बना रहे नई कंपनी नाम रखा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड

यह जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी

नई दिल्ली।

रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड होगा। यह नई कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएलसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएलसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनकी मार्केटिंग करना है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से अलग है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करेगा। मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी है। एफएलसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन बेहतर होगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर यानी करीब 8.5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.32 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 85.67 रुपये पर बंद हुआ था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार बाजार में रुपया गत दिवस सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.28 के स्तर पर खुला। यह शुरुआती स्तर है और बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा है। वहीं स्थानीय शेयर बाजार में मजबूती और मानसून की प्रगति से कीमतों में स्थिरता बनने रहने की संभावनाओं के बीच विदेशी करेंसी बाजार में भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 25 पैसे मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं इसके बाद से ही इसें गिरावट आने लगी।

ईटीएफ में पांच सालों में हुई पांच गुना बढ़ोतरी, निवेशकों की बनी पसंद

नई दिल्ली। भारत में एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स ने पिछले पांच सालों में रफ्तार पकड़ ली है। मार्च 2025 तक इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट पांच गुना से बढ़कर 8.38 लाख करोड़ हो गया है, जो मार्च 2020 में मात्र 1.52 लाख करोड़ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईटीएफ अब कुल म्युचुअल फंड एयूएम का 13 फीसदी हिस्सा बन चुके हैं, जबकि 2020 में यह हिस्सा 7 फीसदी ही था। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में न केवल निवेश की राशि बढ़ी है, बल्कि स्कीम्स की संख्या भी तीन गुना हो गई। 2022 में सिल्वर-समर्थित कमोडिटी ईटीएफ के आगमन ने निवेशकों को और ज्यादा विकल्प दिए हैं। मार्च 2020 में जहां ईटीएफ में रिटेल निवेशकों की एयूएम सिर्फ 5,335 करोड़ थी, वहीं मार्च 2025 तक यह बढ़कर 17,800 करोड़ से ज्यादा हो गई है। वहीं रिटेल फोलियो की संख्या 23.22 लाख से उछलकर 2.63 करोड़ पर पहुंच गई यानी दस गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। ज़ेरोधा के सीईओ का मानना है कि यह रुझान भारतीय ईटीएफ सेक्टर की परिपक्वता का संकेत है। ईटीएफ में ट्रेडिंग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2019-20 में ईटीएफ ट्रेडिंग वॉल्यूम 51,101 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर 3.83 लाख करोड़ हो गया यानी सात गुना से ज्यादा इसमें बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ पिछले एक साल में ही ट्रेडिंग वॉल्यूम दोगुना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल ईटीएफ निवेश का औसतन 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी आधारित ईटीएफ में है, जो दर्शाता है कि शेयर बाजार में हिस्सेदारी के लिए यह उत्पाद तेजी से निवेशकों की पसंद बन रहा है।

अब साइबर क्राइम या फाइनेंशियल फ्रॉड होने से पहले बैंक हो जाएंगे अलर्ट

आरबीआई ने सभी बैंकों को एफआरआई अपनाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। आरबीआई ने साइबर अपराध और फाइनेंशियल फ्रॉड को रोकने के लिए बैंकों को फाइनेंशियल फ्रॉड जोखिम संकेतक (एफआरआई) अपनाने के निर्देश दिए हैं। वाणिज्यिक बैंकों, लघु वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और सहकारी बैंकों से कहा गया है कि वह इस सिस्टम से इंटीग्रेट करें। ऐसा करने पर वास्तविक समय पर धोखाधड़ी के प्रयास का पता लगाने और तत्काल प्रतिक्रिया संभव हो पाएगी। देश में यूपीआई के व्यापक उपयोग को देखते हुए यह प्रणाली लाखों लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने का काम करेगी।

उधर, दूरसंचार विभाग ने आरबीआई के इस कदम का स्वागत किया है। एफआरआई एक जोखिम-आधारित इंडिकेटर है, जिसे मई में दूरसंचार विभाग की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट ने लॉन्च किया था। यह संकेतक किसी मोबाइल नंबर के पुराने रिकॉर्ड के आधार पर रिस्क की श्रेणी को तय करता है। अगर किसी मोबाइल नंबर का फाइनेंशियल फ्रॉड में पहले इस्तेमाल किया गया है या उसके लिए प्रयास किया गया है तो उस मोबाइल नंबर को मध्यम, उच्च या बहुत उच्च जोखिम की श्रेणी में वर्गीकृत करता है।

वर्गीकरण की जानकारी राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, दूरसंचार विभाग के चक्षु प्लेटफॉर्म, बैंकों व अन्य वित्तीय संस्थानों से मिली खुफिया जानकारियों के आधार पर तैयार की जाती है। अब बैंकों से एफआरआई को जोड़े जाने पर भुगतान को रोका जा सकेगा। किसी भी भुगतान की स्थिति में बैंकों को जानकारी मिल सकेगी कि जिस नंबर पर ग्राहक द्वारा पैसा भेजा जा रहा है, वह नंबर सही है या फिर साइबर फाइनेंशियल फ्रॉड है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 170 और निफ्टी 48 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर हुए। वहीं गत दिवस भी बाजार में गिरावट रही थी। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 170.22 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,239.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 48.10 अंकों के नुकसान के साथ ही 25,405.30 अंकों पर आकर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आये जबकि शेष 19 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आकर बंद हुए। वहीं इसी प्रकार निफ्टी 50 में से केवल 17 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और बची हुई 32 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा 0.98 फीसदी ऊपर आकर बंद हुए जबकि कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 1.91 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में इंफोसिस के शेयर 0.51 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.44 फीसदी, एनटीपीसी 0.36 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.36 फीसदी, , टाटा मोटर्स 0.29 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.29 फीसदी, आईटीसी 0.16 फीसदी, सनफार्मा 0.05 फीसदी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.05 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व के शेयरों में 1.38 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.30 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.80 फीसदी, टाइटन 0.76 फीसदी, ट्रेंट 0.76 फीसदी , एसबीआई 0.75 फीसदी, टीसीएस 0.66 फीसदी, भारती एयरटेल 0.59, एचसीएल टेक 0.43 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.40 फीसदी, पावरग्रिड 0.39 फीसदी, एलएंडटी 0.34 फीसदी, बीईएल 0.20 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.16 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट में 0.16 फीसदी की गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 68.28 अंक करीब 08 फीसदी बढ़कर 83,477.97 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 19.30 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी उछलकर

25,472.70 पर पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार वीकली डेरिवेटिव एक्सपायरी के करण बाजार में अस्थिरता देखी गयी।

वहीं गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी बिकवाली जारी रखते हुए 1,561.62 करोड़ रुपए के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 3,036.68 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में बैंकॉक, चीन, जापान, सोल और जकार्ता के बाजार ऊपर आये। वहीं हांगकांग के बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजारों में गत कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स में 10.52 अंक की गिरावट रही और ये 44,484.42 पर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स 29.41 अंक बढ़कर 6,227.42 पर बंद हुआ और नैस्डैक 190.24 अंक बढ़त के साथ ही 20,393.13 पर बंद हुआ।

सोने में तेजी , चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में तेजी रही जबकि चांदी के वायदा कारोबार में नरमी रही। घरेलू बाजार में आज सोने की कीमतें 97,450 रुपये जबकि चांदी 1,07,450 रुपये के करीब रही। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर कुछ समय में ही ये नीचे आने लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध गिरावट के साथ ही 97,389 रुपये के भाव पर पहुंच गया जबकि ये गत दिवसस 97,390 रुपये बंद हुआ था। आज यह अनुबंध 60 रुपये की तेजी के साथ ही 97,450 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,500 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 97,389 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल कर लिया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे

चांदी की चमक पड़ी फीकी

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का सितंबर अनुबंध आज 107 रुपये टूटकर 1,07,411 रुपये पर खुला। इसका पिछ्ला बंद भाव 1,07,518 रुपये था। ये अनुबंध 61 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,457 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,7,457 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,07,313 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना चांदी की कीमतें शुरुआती तेजी के बाद नीचे आने लगीं। कामेक्स पर सोना 3,369 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछ्ला बंद भाव 3,359.70 डॉलर प्रति औंस था। वहीं चांदी के वायदा भाव 36.79 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछ्ला बंद भाव 36.72 डॉलर था।

अगर करदाता ने छुपाई आय......आयकर विभाग लगा देगा 200 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली।

अगर कोई करदाता अपनी आय छिपाता है, आय के स्रोत नहीं बताता या गलत तरीके से टैक्स छूट का दावा करता है, तब उस करदाता को भारी जुर्माना या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। चाहे यह गलती अनजाने में हो या जानबूझकर हुई हो, आयकर विभाग के पास गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए मजबूत सिस्टम और सख्त दंड लगाने या मुकदमा चलाने का कानूनी प्रावधान मौजूद है। इस बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट बताते हैं कि कानून क्या कहता है और करदाताओं को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

सीए के अनुसार, आयकर अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत जुर्माना इसपर निर्भर करता है कि गड़बड़ी किस प्रकार की है। यदि करदाता ने अपनी आय कम दिखाई है, तब कारदातों को उस अतिरिक्त आय पर देय टैक्स का 50 प्रतिशत जुर्माने के रूप में देना पड़ सकता है।

यदि कोई करदाता जानबूझकर गलत जानकारी देता है, जैसे फर्जी बिल या झूठे दावे करता है, तब उस आय पर देय टैक्स का 200 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है। आय छिपाने के मामले में यह प्रावधान पुराने असेसमेंट वर्षों (वित्त वर्ष 2016-17 से पहले) के लिए लागू होता है। इसमें बचाए गए टैक्स का 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि कोई निवेश स्पष्ट रूप से घोषित नहीं किया गया है, तब उस पर 60 प्रतिशत टैक्स, सर्चार्ज और सेस के साथ-साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाता है।

इतना ही नहीं अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर टैक्स चोरी करता है, तब उस पर मुकदमा चल सकता है। इसमें तीन महीने से लेकर सात साल तक की सजा हो सकती है, खासकर तब जब चोरी की गई टैक्स राशि 25 लाख से अधिक हो। इसके अलावा धारा 234ए, 234बीऔर 234सी के तहत भी ब्याज जुर्माना लगता है, जो कि टैक्स रिटर्न देर से भरने, टैक्स की कम अदायगी या अग्रिम कर समय पर नहीं देने के मामलों में लागू होता है।

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी फिर 9 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

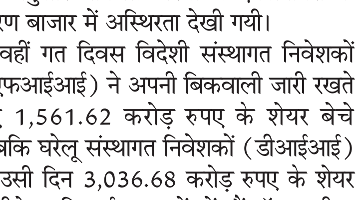

वाशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने वैश्विक कार्यबल के 4 फीसदी यानी कि करीब 9000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। यह 2023 के बाद कंपनी की सबसे बड़ी छंटनी होगी। जून 2024 तक माइक्रोसॉफ्ट में करीब 2,28,000 कर्मचारी काम कर रहे थे। इस नई छंटनी की पुष्टि के लिए कंपनी ने रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट में एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विशेष रूप से बिक्री विभाग में हजारों कर्मचारियों हटाने की योजना बना रही है। इससे पहले मई 2025 में भी कंपनी ने करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था। माइक्रोसॉफ्ट अकेली ऐसी कंपनी नहीं है जो इस तरह के फैसले ले रही है। अमेरिका में कई बड़ी कंपनियों ने आर्थिक अनिश्चितता और संचालन लागत में कटौती के चलते 2025 में छंटनियां की थी। कंपनियां अपनी संरचना को दुबारा व्यवस्थित कर ज्यादा कुशल बनने की कोशिश कर रही हैं।

भारत-अमेरिका : खोलेंगे व्यापार के द्वार

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

निश्चित रूप से 26 जून को राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन में बिग ब्यूटीफल बिल इवेंट में भारत के साथ बहुत बड़े और शानदार व्यापार समझौते के जो संकेत दिए उसके बाद यह उभर कर सामने आ रहा है कि 9 जुलाई के पहले अंतरिम व्यापार समझौता आकार ले सकेगा। फिर दिसम्बर, 2025 तक बीटीए से भारत अमेरिका कारोबार तेजी से बढ़ता दिखाई देगा। ज्ञातव्य है कि अमेरिका लगातार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है.

एक जुलाई को अमेरिका के व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच बहुत जल्द इसी माह जुलाई के पहले सप्ताह में एक व्यापार समझौता दिखाई दे सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका और भारत, दोनों देशों के बीच होने वाले इस समझौते की घोषणा करेंगे। उल्लेखनीय है कि 26 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन में बिग ब्यूटीफल बिल इवेंट में भारत के साथ शानदार व्यापार समझौते का संकेत दिया है।

यह बात पिछले दिनों दोनों देशों के अधिकारियों की टीम की ओर से व्यापार समझौते के लिए विभिन्न विषयों, औद्योगिक और कृषि उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और गैर-टैरिफ अड़चनों आदि पर चार दिवसीय बंद बातचीत के बाद सामने आई है। ट्रंप ने कहा, 'हमने चीन के साथ भी अच्छा व्यापार समझौता किया है। लेकिन हम हर किसी देश के साथ समझौतें नहीं करने जा रहे हैं। कुछ देशों को हम बस एक पत्र भेजेंगे, जिसमें लिखा होगा बहुत-बहुत धन्यवाद, आपको 25, 35, 45 फीसद टैरिफ देना होगा।'

गौरतलब है कि इसी वर्ष 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में द्विपक्षीय व्यापार वार्ता हुई थी। इसी के मद्देनजर हाल में अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटिनक और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौते पर बातचीत करने की प्रक्रिया के अंतिम दौर में हैं, जिससे दोनों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा।

साथ ही, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता 9 जुलाई के पहले पूरा होते हुए दिखाई दे सकेगा। अब नये संभावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में जो तस्वीर उभर कर दिखाई दे रही है, इसके तहत अमेरिका के बाजार में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को शून्य करवाने के लिए भारत भी अमेरिका की कई वस्तुओं पर शुल्क में राहत दे सकता है। भारत अमेरिका से सभी रोजगारपरक सेक्टर में शून्य शुल्क या अति कम शुल्क चाहता है ताकि इन सेक्टर का अमेरिका में होने वाला निर्यात बढ़े जिससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ोतरी में मदद मिलेगी। दूसरी तरफ, अमेरिका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ वाइन, एथनॉल, कई औद्योगिक आइटम्स और कुछ खाद्य आइटम्स के शुल्क में छूट चाहता है।

वस्तुतः इस तरह के अंतरिम व्यापार समझौते को पूर्ण होने में दो या तीन साल लग सकते थे। अमेरिका के साथ किया जाने वाला अंतरिम व्यापार समझौता टैरिफ विवादों को सुलझाने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने है, जिसके साथ अमेरिका का द्विपक्षीय-कारोबार समझौता (बीटीए) प्रारंभिक आकार लेने के करीब है। साथ ही, भारत-अमेरिका के बीच बीटीए को 31 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया है।

यह बात महत्त्वपूर्ण है कि विगत 2 अप्रैल को ट्रंप ने भारत के 56 फीसद टैरिफ के जवाब में 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। 10 अप्रैल को ट्रंप ने इसे घटा कर 9 जुलाई तक के लिए 10 फीसद कर दिया। वास्तव में अमेरिका ने दूसरे कई देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगाया है। निश्चित रूप से अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत लाभ का बाजार बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा आईफोन निमार्ता कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक को अमेरिका में बिकने वाले आईफोन भारत में बनाए जाने पर अमेरिका में 25 फीसद टैरिफ लगाए जाने की कड़ी चेतावनी के बाद भी एप्पल ने भारत में आईफोन विस्तार जारी रखने का संकेत दिया है।

खास तौर से करीब 146 करोड़ आबादी के विशाल भारतीय बाजार की अमेरिका अनदेखी नहीं कर सकता। भारत में एग्री सेक्टर में ट्रंप अमेरिकी मक्का और गेहूं की उपज को खपाना चाहता है। ट्रंप अमेरिका के डेयरी प्रोडेक्ट्स भी भारत में बेचना चाहते हैं। चूंकि भारत की करीब 55 फीसद आबादी खेती पर निर्भर है, अतएव भारत ने अपना एग्रो मार्केट यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड के लिए नहीं खोला है। अमेरिका भारत के फामेर्सी बाजार में भी लाभ कमाना चाहता है। फार्मास्यूटिकल जेनेरिक दवाओं के क्षेत्र में भारत दुनिया में पहले क्रम पर है। अमेरिका को अपने सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम चलाने के लिए किफायती दरों पर जेनेरिक दवाओं का बड़े पैमाने पर आयात जरूरी है। चूंकि अमेरिका सर्विस सेक्टर, आईटी, बीपीओ और डिजिटल सर्विसेज में भारतीय टैलेंट पर निर्भर है। अतएव अमेरिका ट्रेड डील में सर्विस सेक्टर के भी लाभ चाहता है।

निश्चित रूप से 26 जून को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन में बिग ब्यूटीफल बिल इवेंट में भारत के साथ बहुत बड़े और शानदार व्यापार समझौते के जो संकेत दिए हैं, उसके बाद यह उभर कर सामने आ रहा है कि अब 9 जुलाई के पहले अंतरिम व्यापार समझौता आकार ले सकेगा। फिर दिसम्बर, 2025 तक बीटीए से भारत अमेरिका कारोबार तेजी से बढ़ता दिखाई दे सकेगा। ज्ञातव्य है कि वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार भी बढ़ कर 131.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

यह महत्त्वपूर्ण है कि वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 फीसद बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में अमेरिका से आयात 7.44 फीसद बढ़ कर 45.33 अरब डॉलर हो गया जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। उम्मीद करें कि भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई के पहले अंतरिम व्यापार समझौता तथा दिसम्बर, 2025 तक बीटीए दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार अवसरों का सृजन होगा। इसके साथ-साथ भारत दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनने की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

(लेख में विचार निजी हैं)

संपादकीय

सख्त हिदायत

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध का नया कृत्य बताया। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'न्यूजवीक' के साथ मैनहट्टन में हुई बातचीत में उन्होंने परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति का जवाब देने की बात भी कही। जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि आतंकवादी छद्म हैं। इस मामले में पाकिस्तान पूरी तरह दोषी है। पहलगाम में छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या के लगभग दो महीनों बाद उन्होंने विस्तार में यह बात की। भारत ने इस आतंकवादी घटना के बाद सीमापार स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया था। विदेश मंत्री ने साफ कहा, हम सुरक्षा करेंगे। अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का हम प्रयोग करेंगे। साथ ही कहा कि हम आतंकवाद पर बातचीत करने को इच्छुक हैं। लेकिन यदि वे आतंकवाद जारी रखते हैं तो मुझे लगता है यह यथार्थवादी नहीं है। यह भी कहा कि आप एक साथ अच्छे पड़ोसी और आतंकवादी नहीं हो सकते। हालांकि पाक सरकार विभाजित कश्मीर में हत्याओं या हमलों में किसी भी तरह का हाथ होने से इंकार करती रही है। उनकी तरफ से भारत पर जवाबी हमले भी किए गए थे और चेतावनी दी गई थी कि यदि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों का सहारा भी ले सकता है। यह शायद पहली मर्तबा था, जब भारत ने दुश्मन मुल्क के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों का जबरदस्त तौर पर सफाया किया जिसका समूची दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत अब आतंकवादियों के प्रति कोई मुर्वत नहीं करने वाला। पाक में जारी राजनीतिक अस्थिरता और उथल-पुथल के दौरान आतंकवादियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे थे। हालांकि सीमापार आतंकवाद की यह मामला बेहद जटिल है, इसलिए इसका समाधान आसानी से नहीं किया जा सकता। परंतु भारत द्वारा अपने पड़ोसी मुल्कों से संबंध सुधारने के प्रयासों पर गंभीर बात करने के संकेत दिए जा रहे हैं। पहले भी पाकिस्तान सरकार द्वारा वांछित आतंकवादियों को प्रश्रय देने के कारण उनकी नीयत पर संदेह किया जाता रहा है। प्रशिक्षित आतंकवादियों के सीमापार से चोरी-छिपे घुसपैठ से देश की न सिर्फ शांति भंग होती है, बल्कि जान-माल का भी भारी नुकसान होता है। सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से अब समूची दुनिया को सहमत होना ही होगा। मानना होगा कि यह किसी मुल्क विशेष की बजाय आतंकवाद के खिलाफ जारी मुहिम है।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

स्वामी विवेकानंदः विचारों के युगद्दष्टा, युवाओं के पथप्रदर्शक

योगेश कुमार गोयल

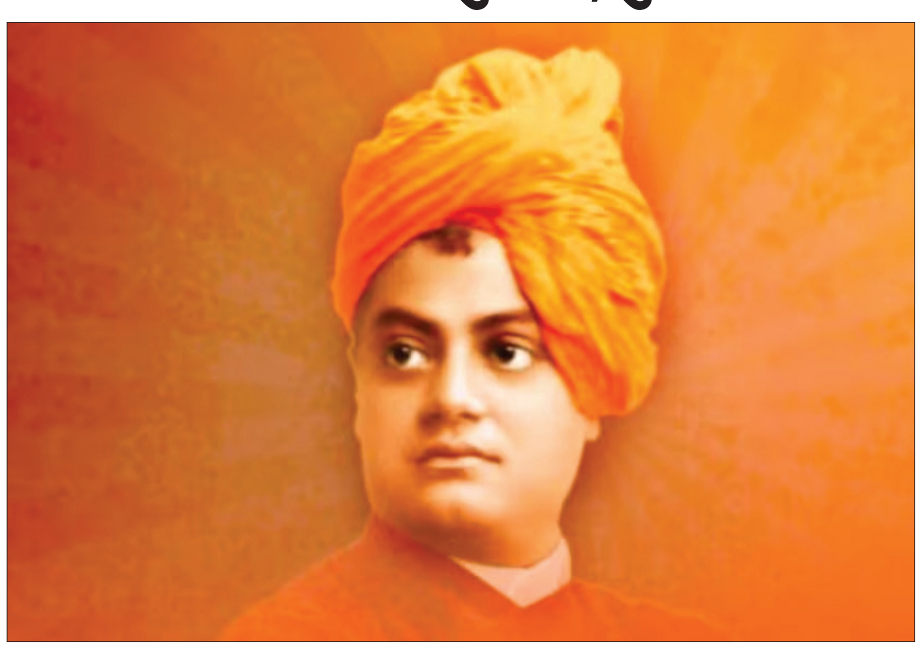

स्वामी विवेकानंद सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्त्वि के धनी माने जाते रहे हैं, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। विवेकानंद के बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को खाना खिलाते थे और बाहर ठंड में सो जाते थे। मानवता के वे कितने बड़े हितैषी थे, यह उनके इस वक्तव्य से समझा जा सकता है कि भारत के 33 करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी-देवताओं की भांति मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए। विवेकानंद का व्यक्तित्व कितना विराट था, यह गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के इस कथन से स्पष्ट हो जाता है कि अगर आप भारत को जानना चाहते हैं तो आप विवेकानंद को पढ़िए। विवेकानंद का कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। विवेकानंद ने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थीं और युवाओं की अहम् भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही उन्होंने अपने एक भाषण में कहा भी था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई भी आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम् का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात् 'उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊजार्वान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्कमता का संचार करने का कार्य किया।

युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, 'ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अतः एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है। मृत्यु तो निश्चित है, एक अच्छे काम के लिए मरना सबसे बेहतर है। कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊजार्वान पुरुष और महिलाएं एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।'

11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने 'मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए लेकिन उनकी कीर्ति युगों-युगों तक जीवंत रहेगी।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

चिंता : फुहारों के साथ डूबती यमुना

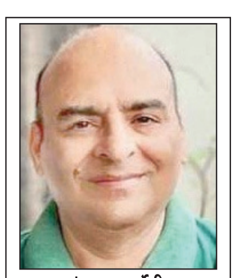

पंकज चतुर्वेदी

बीते डेढ़ महीने में राजधानी दिल्ली पर कुल चार बार ठीकठाक बादल बरसे और बमुश्किल एक घंटे की बरसात में ही दिल्ली ठिठक गई। तीन दशकों से लाख दावों के बावजूद हर साल जलभराव वाले स्थानों की संख्या बढ़ रही है। 2023 में जहां जलभराव के 308 बिंदु चिन्हित किए गए थे, वहीं 2025 में इनकी संख्या बढ़ कर 410 हो गई है।

अब तो डूबने का दायरा वीआईपी कहलाने वाली लुटियन दिल्ली तक आ गया है। पानी भरते ही दो बातें सामने आती हैं। एक तो इस महीने या फिर इतने कम समय में इतना अधिक पानी कितने साल बाद बरसा। दूसरा, नायलॉन की सफाई और सीवर तंत्र का पुराना होना। समझना होगा कि दिल्ली बसी ही इसलिए थी कि यहां से यमुना बह रही थी। दिल्ली का जलभराव हो या फिर प्यास, उसका एकमात्र इलाज यमुना ही है। दिल्ली में जलभराव का कारण यमुना का गाद और कचरे के कारण इतना उथला हो जाना है कि महज एक लाख क्यूसेक पानी आ जाए तो इसमें बाढ़ आ जाती है। नदी की जल ग्रहण क्षमता को कम करने में बड़ी मात्रा में जमा गाद (सिल्ट), रेत, सीवरेज, पूजा-पाठ सामग्री, मलबा और तमाम तरह के कचरे का योगदान है। नदी की गहराई कम हुई तो इसमें पानी भी कम आता है। आजादी के 77 साल में कभी भी नदी की गाद साफ करने का कोई प्रयास हुआ ही नहीं, जबकि नदी में कई निर्माण परियोजनाओं के मलबे को डालने से रोकने में एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश नाकाम रहे हैं।

1994 से लेकर अब तक यमुना एक्शन प्लान के तीन चरण आ चुके हैं, हजारों करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं पर यमुना में गिरने वाले दिल्ली के 21 नालों की गाद भी अभी तक नहीं रोकी जा सकी। जब महानगर के बड़े नाले गाद से बजबजाते हैं, तो जलभराव की चोट दोधारी होती है। जब नाले का पानी नदी की तरफ लपकता है, और उथली नदी में पहले से ही नाले के मुंह तक पानी भरा होता है। ऐसे में नदी के प्रवाह से उपजे प्रतिगामी बल से नाले फिर पलट कर सड़कों को दरिया बना देते हैं। कभी यमुना का बहाव और हाथी डुब्बा गहराई आज के मयूर विहार, गांधी नगर, ओखला, अक्षरधाम तक हुआ करता था।

एक तरफ ढेर सारी वैध-अवैध कालोनियों और सरकारी भवनों के कारण नदी की चौड़ाई कम हुई तो दूसरी तरफ गहराई में गाद भर दी। इस तरह जीवनदायी बरसात के जल को समेटने वाली जल धार को कूड़ा ढोने की धार बना दिया गया। वहीं शहर के छह सौ से अधिक तालाब-झीलों तक बरसात का पानी आने के रास्ते रोक दिए गए। दुर्भाग्य है कि कोई भी सरकार दिल्ली में आबादी को बढ़ने से रोकने पर काम कर नहीं रही। इसका खमियाजा भी यमुना को उठाना पड़ रहा है, हालांकि इसकी मार भी उसी आबादी को पड़ रही है। सभी जानते हैं कि दिल्ली जैसे विशाल आबादी वाले इलाके में हर घर पानी और मुफ्त पानी बड़ा चुनावी मुद्दा है, और जब नदी-नहर पानी की कमी पूरी कर नहीं पाते तो जमीन में छेद कर पानी उलिछा जाता है, यह जाने बगैर कि इस तरह भूजल स्तर से बेपरवाही का असर यमुना के जल स्तर पर ही पड़ रहा है।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के एक शोध के मुताबिक, यमुना के बाढ़ क्षेत्र में 600 से अधिक आर्दभूमि और जल निकाय थे, लेकिन उनमें से 60% से अधिक अब सूखे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ह्ययमुना बाढ़ क्षेत्र में यमुना से जुड़ी कई जल-तिजोरियों का संपर्क तटबंधों के कारण नदी से टूट गया।ह्व समझना होगा कि अरावली से चल कर नजफगढ़ झील में मिलने वाली साहबी नदी और इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या फिर सराय कालेखां के पास बारापुला या फिर साकेत में खिड़की गांव का सतपुला या फिर लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में जब कभी क्षमता से अधिक पानी आ जाता था तो उसे जोहड़-तालाब में सहेजने का जरिया थीं। एनजीटी में इन सभी जल मागरे को बचाने के मुकदमे चल रहे हैं लेकिन इन पर अतिक्रमण अनवरत जारी है। सो, न अब बरसात का पानी तालाब में जाता है, और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जलजमाव रुक पाता है।

वैसे, एनजीटी 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है लेकिन इससे बेपरवाह सरकारें मान नहीं रहीं। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखां के पास ह्यबांस घरह्व के नाम से केफेटेरिया और अन्य निर्माण हो गए। जान लें कि यदि दिल्ली को जलभराव से नहीं जूझना है तो यमुना अविरल बहे, उसकी गहराई और पाट बचे रहें, यही अनिवार्य है। यह बात कोई जटिल रॉकेट साइंस नहीं है। लेकिन बड़े ठेके, बड़े दावे, नदी से निकली जमीन पर और अधिक कब्जे का लोभ यमुना को जीवित रहने नहीं दे रहा। तैयार रहिए, भले ही अदालत डांटती रहे-अपनी संपदा यमुना को चोट पहुंचाने के चलते सावन-भादों में तो हर फुहार के साथ दिल्ली डूबेगी ही!

भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में सोनप्रयाग के पास मुनकटिया में भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने गौरीकुंड से लौट रहे करीब 40 फंसे हुए केदारनाथ तीर्थयात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया। रुद्रप्रयाग पुलिस ने सूचित किया है कि सड़क साफ होने के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। वार्षिक चार धाम यात्रा, जिसमें केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की तीर्थयात्राएं शामिल हैं, हिंदू धर्म में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं में से एक है। उत्तराखंड में लगातार भारी भारी बारिश के कारण व्यापक व्यवधान जारी है। चमोली पुलिस के अनुसार, ताजा भूस्खलन के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग उमट्टा में अवरुद्ध हो गया है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके कुछ हिस्से बह गए हैं। उत्तरकाशी पुलिस ने बताया है कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग दो स्थानों पर अवरुद्ध है और इसे बहाल करने में समय लग सकता है। इस वर्ष केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की अभूतपूर्व आमद देखी गई है, जिसका श्रेय बेहतर सुविधाओं और बढ़ती आध्यात्मिक रुचि को दिया जा रहा है। अधिकारियों ने उच्च ऊंचाई वाली यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा और चिकित्सा प्रतिक्रिया टीमों को भी तैनात किया है। भगवान शिव को समर्पित केदारनाथ मंदिर हिमालय में 11,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है। इस वर्ष केदारनाथ यात्रा के द्वार 2 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे।

16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को गर्भ समाप्त करने की अनुमति को एम्स देगा चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एक 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 27 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति मिली थी। एम्स ने मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ के समक्ष तर्क दिया कि गर्भपात से लड़की के भविष्य के प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एम्स की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि मेडिकल बोर्ड की राय है कि लड़की के स्वास्थ्य की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने अदालत से अपील की कि वे बच्ची के कानूनी संरक्षक बनें। वकील भाटी ने बताया कि गर्भधारण अधिनियम के तहत, 24 सप्ताह के बाद गर्भावस्था केवल तभी समाप्त की जा सकती है जब महिला के जीवन को गंभीर खतरा हो या भ्रूण में जन्मजात असामान्यताएं हों। सिंगल बेंच ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला दिया था, जहां 27 सप्ताह से अधिक और इतना ही नहीं 33 सप्ताह की गर्भावधि वाले मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी गई थी। अदालत ने एम्स को भ्रूण के ऊतकों को संरक्षित करने और डीएनए पहचान के लिए रिकॉर्ड रखने का भी आदेश दिया था। राज्य प्राधिकारियों को लड़की की चिकित्सा प्रक्रिया और देखभाल का खर्च वहन करने का निर्देश दिया गया था। लड़की के वकील के अनुसार, उसका यौन उत्पीड़न 2024 में दिवाली पर और फिर मार्च 2025 में हुआ। उसे अपनी गर्भावस्था का पता तब चला जब वह अपनी बहन के साथ डॉक्टर के पास गई। पुलिस ने मार्च में हुए यौन उत्पीड़न के आरोपी को गिरफ्तार किया है, लेकिन पिछले साल के आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मणिपुर : तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल घाटी जिलों में सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के मैत्रम इलाके से प्रतिबंधित प्रेपक (प्रो) संगठन के एक सदस्य को गिरफ्तार किया जिसकी पहचान ओइनम हेमनजीत सिंह के रूप में हुई है। इंफाल पूर्वी जिले के सेकमाइजिन मानिंग लेईकाई इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (पीडब्ल्यूजी) संगठन से जुड़े एक उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान ओइनम तोम्बा सिंह (57) के रूप में हुई जो काकचिंग और थौबल जिलों में विभिन्न पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली की गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने काकचिंग जिले के एलांग खांगपोकपी अवांग लेईकाई से पीडब्लूजी के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया जिसकी पहचान लौरेम्बम सुरेश (47) के रूप में हुई है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने एंड्रो खुमन (बरुनी हिल) की तलहटी से एक .303 राइफल, मैगजीन सहित दो नौ एमएम पिस्तौल, एक 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक, चार हथगोले, चार्जर सहित एक वायरलेस सेट और दो डेटोनेटर जब्त किए।

गुरुग्राम के मानेसर में 500 एकड़ में बनेगा डिज्नीलैंड, नायब सिंह सैनी सरकार ने दी मंजूरी

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने मानेसर में पचगांव चौक के पास करीब 500 एकड़ भूमि पर डिज्नीलैंड बनाने को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे और हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर पर स्थित होगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में एक विश्व स्तरीय मनोरंजन केंद्र स्थापित करना है, इससे हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा मिले और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री सैनी के अनुसार, डिज्नीलैंड परियोजना से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने है। बुनियादी ढांचे का विकास होगा और आसपास के क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव आएगा। गुरुग्राम को परियोजना के लिए सबसे आदर्श स्थान माना गया है, क्योंकि यहां कई फॉर्च्यून कंपनियों के मुख्यालय हैं और यह राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके अलावा वर्तमान में हर साल होने वाले सूरजकुंड मेले की सफलता को देखते हुए, सरकार ने अब साल में तीन बार मेले आयोजित करने का विचार किया है।

लापरवाही से गाड़ी चलाने में मौत होने पर बीमा कंपनियां मुआवजा देने बाध्य नहीं

-सड़क हादसे और बीमा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क हादसे और बीमा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर कोई लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दुर्घटना का शिकार होता है और उसकी जान चली जाती है तो बीमा कंपनियां उसे पैसे देने के लिए बाध्यु नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि ओवरस्पीड या स्टंगट मामले में हादसा होने पर बीमा का पैसा नहीं मिलेगा। इसके लिए बीमा कंपनियों को मजबूर नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ ने इस फैसले के साथ ही पीड़ित परिवार को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दुर्घटना में जान गई है तो इसका भुगतान बीमा कंपनियों को नहीं करना होगा। कोर्ट ने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता ने लापरवाही से गाड़ी चलाई, नियम तोड़े और कार पलट गई, जिसमें उसकी जान चली गई। ऐसे मामलों में बीमा कंपनियों पर देनदारी नहीं बनती है। बता दें हादसे में जान गंवाने वाले एनएस रविशा के परिवार ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से 80 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। इस मांग को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि जब मौत व्यक्ति की अपनी गलती से होती है और कोई बाहरी कारण शामिल नहीं होता, तो परिवार मुआवजा नहीं मांग सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के पिछले साल 23 नवंबर के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें उनके मुआवजे के दावे को खारिज कर दिया गया था।

बता दें यह मामला 18 जून 2014 का है, जब एनएस रविशा मल्लसंद्रा गांव से अरसीकेरे शहर की ओर अपनी कार से जा रहे थे। उनके साथ पिता, बहन और बच्चे भी थे। लापरवाही से तेज गति में गाड़ी चलाई और यातायात नियमों का उल्लंघन किया, जिससे वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार पलट गई। हादसे में रविशा की मौत हो गई। इसके बाद उनकी पत्नी, बेटे और माता-पिता ने 80 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। उनका दावा था कि वह एक ठेकेदार थे और प्रति माह 3 लाख रुपये कमा रहे थे। पुलिस ने अपनी चार्जशीट में खुलासा किया कि दुर्घटना रविशा की लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। लिहाजा मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल ने परिवार के दावे को खारिज कर दिया था।

भारत ने फिर की सख्ती : बैन हुए पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया हैंडल

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। उनमें पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को बैन करने जैसी कार्रवाई भी शामिल है। हालांकि बुधवार को उनके अकाउंट अनब्लॉक किए गए थे, लेकिन इसके एक दिन बाद ही एक बार फिर से ब्लॉक कर दिए गए हैं। गुरुवार सुबह से ही शाहिद अफरीदी, मावरा होकेन, युमना जैदी, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे लोकप्रिय सितारों के इंस्टाग्राम और ट्विटर अकाउंट्स भारतीय यूजर्स के लिए बैन हो गए हैं। सरकार की ओर से बैन हटाने या दोबारा लागू करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि यह कदम स्थायी है या अस्थायी। पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के खिलाफ यह प्रतिबंध भारत के सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगाया गया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। भारत के द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ उठाए गए कदमों की कई पाकिस्तानी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर आलोचना की थी, जिसके बाद भारतीय यूज़र्स के लिए उनके अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया था। बुधवार को इन सितारों के अकाउंट्स कुछ घंटों के लिए फिर से भारत में दिखाई देने लगे थे, जिससे लगा कि शायद सोशल मीडिया बैन हटा लिया गया है। लेकिन गुरुवार सुबह तक भारतीय यूज़र्स को इंस्टाग्राम पर संदेश दिखने लगा जिसमें लिखा आ रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है। बुधवार को अचानक इन अकाउंट्स के लौटने पर फैंस ने आश्चर्य जताया और सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। लेकिन एक दिन बाद ही दोबारा बैन लग जाने से अब यूजर्स में नाराजगी और भ्रम की स्थिति है।

आदित्य का सालियान से कोई संबंध नहीं था, राजनीति करने वाले माफी मांगे

-एनसीपी (एसपी) विधायक ने रोहित पवार ने कहा- सीएम करें कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दिशा सालियान मौत मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे को क्लीन चिट मिलने पर एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने कहा कि हम शुरू से कह रहे हैं कि आदित्य ठाकरे और दिशा सालियान के बीच कोई संबंध नहीं था। पारिवारिक मुद्दों के कारण दिशा सालियान ने अपनी जान दी है। राजनीतिक लाभ के लिए एक ऐसी महिला का नाम इस्तेमाल करना बहुत गलत है जो अब इस दुनिया में नहीं है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी और एकनाथ शिंदे के पक्ष के कई नेताओं ने इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया और हमने उस समय भी कहा था कि उनके बीच कोई संबंध नहीं है। बिहार से महाराष्ट्र चुनाव तक आदित्य ठाकरे का नाम इस मुद्दे के साथ जोड़ा गया। रोहित पवार ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस राज्य के गृह मंत्री भी हैं और उन्हीं के विभाग ने कोर्ट को बताया है कि आदित्य और सालियान के बीच कोई संबंध नहीं था। मैं यही कहूंगा कि जिन नेताओं ने इस मुद्दे पर राजनीति की है, उन्हें मीडिया के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो सरकार को उन पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

रोहित ने महाराष्ट्र विधानसभा में कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के खिलाफ बैनर दिखाने पर कहा कि कोकाटे बहुत अहम मंत्रालय संभालते हैं, लेकिन उनके विभाग में कोई काम नहीं हो रहा है। महाराष्ट्र में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है, जहां किसानों की संख्या बहुत ज्यादा है। अगर कृषि मंत्री अक्षमता से काम करते हैं, तो इसका सीधा असर किसानों और आम लोगों पर पड़ता है। कोकाटे के बयानों को देखें तो उन्होंने किसानों के खिलाफ बयान दिया है। उनके बयानों के मद्देनजर मैंने पोस्टर दिखाया है।

रोहित ने पुणे में कुरियर बॉय द्वारा युवती से दुष्कर्म को लेकर महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लड़कियों के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पुणे में जो हुआ है, वो निंदनीय है। अपराधियों को ऐसा लगता है कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती, इसलिए वे ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

भारतीय संविधान में राजनैतिक हित के लिए धर्मनिरपेक्ष शब्द को जोड़ा गया : अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द को लेकर बड़ा बयान दिया। शंकराचार्य ने कहा कि यह शब्द मूल रूप से भारतीय संविधान का हिस्सा नहीं था, बल्कि धर्मनिरपेक्ष को राजनैतिक हित के लिए बाद में जोड़ा गया। उनके अनुसार यह शब्द संविधान की मूल प्रकृति से मेल नहीं खाता, इसकारण अक्सर चर्चा का विषय बन जाता है। स्वामी सरस्वती ने कहा कि मूल रूप से संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं था, इस शब्द को बाद में जोड़ा गया। इसी कारण हैं कि यह भारतीय संविधान की प्रकृति के अनुरूप नहीं है और इस मुद्दे को बार-बार उठाया जाता है।

महाराज के अनुसार कि धर्म का अर्थ है सही और गलत के बारे में सोचना और सही को अपनाना और गलत को अस्वीकार करना। शंकराचार्य ने कहा, धर्मनिरपेक्ष होने का मतलब है कि हमें सही या गलत से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसा किसी के जीवन में नहीं हो सकता। इसलिए यह शब्द भी सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ये शब्द आपातकाल के दौरान जोड़े थे और ये बीआर अंबेडकर द्वारा तैयार मूल पाठ का हिस्सा नहीं थे।

कांग्रेस नेताओं ने दत्तात्रेय की टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की आलोचना की है, जबकि उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी मांग का समर्थन किया है। सीपीआई सांसद पी संदोष कुमार ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर सवाल किया कि क्या संगठन वास्तव में भारतीय संविधान को स्वीकार करता है। भागवत को लिखे पत्र में सीपीआई सांसद ने कहा कि अब समय आ गया है कि आरएसएस ध्रुवीकरण के लिए इन बहसों को भड़काना बंद करे। उन्होंने कहा कि ये शब्द ÷मनमाने ढंग से डाले गए÷ नहीं बल्कि आधारभूत आदर्श हैं।

सुप्रीम कोर्ट की वकील को 9 दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, जालसाजों ने ठग लिए 3 करोड़

नोएडा। सेक्टर-47 में रहने वाली सुप्रीम कोर्ट में वकील रह चुकी बुजुर्ग महिला को नौ दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर तीन करोड़ 29 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने उनसे दिल्ली, महाराष्ट्र और कोलकाता में खुले बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई। आशंका जताई जा रही है कि ठगी की रकम किराये के खातों में गई। पूछताछ के क्रम में जालसाजों ने महिला को 16 जून से 24 जून तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। महिला के बैंक खातों और उसमें जमा राशि के बारे में जानकारी एकत्र की। महिला से कहा गया कि वह अपनी एफडी तुड़वा लें और सारी रकम उनके बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दें। ठगों द्वारा यह भी वादा किया गया कि जांच के बाद पूरी रकम मूल खाते में वापस आ जाएगी। महिला को लगा वह सच में बड़े संकट में फंस गई हैं और पुलिस अधिकारी उसको केस से बाहर निकालने में मदद कर रहे हैं। झांसे में आने के बाद महिला ने ठगों द्वारा बताए खाते में पांच बार में करीब तीन करोड़ 30 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

यूपी में दुकानों के साइनबोर्ड पर नाम और पहचान लिखने को लेकर राजनीति शुरू

-सपा कर रही तुष्टिकरण की राजनीति, नाम लिखने में क्या दिक्कत : पाठक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी दुकानों को अपने साइनबोर्ड पर मालिक का नाम और पहचान दिखाना अनिवार्य कर दिया है। इस फैसले पर सपा समेत विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। इस पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया है।

पाठक ने गुरुवार को कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग हमेशा प्रदेश में तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। उनका तुष्टिकरण का पुराना इतिहास है। हमारी प्रतिबद्धता कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद करना है और हर स्थिति में कानून व्यवस्था को मेंटेन करेंगे। धर्म-कर्म के लिए कांवड़ यात्रा पर जाने वाले लोगों को कोई दिक्कत न हो, इसकी व्यवस्था की जाएगी। साथ ही व्रत के दौरान खाने-पीने की दुकान शुद्ध मिले, इसकी भी व्यवस्था करेंगे।

उन्होंने कहा कि हर खरीदार का अधिकार है कि वह जाने कि विक्रेता कौन है और वह किससे सामग्री खरीद रहा है। इस मुद्दे को उठाकर सपा राजनीति कर रही है। सपा प्रदेश को आतंक और दंगों की आग में झोंकना चाहती है। मैं पूछता हूं कि अगर कोई खाने-पीने का सामान बेच रहा है तो उसे नाम लिखने में क्या दिक्कत है? समाजवादी पार्टी के लोगों के बयान निंदनीय हैं। वहीं मंत्री दयाशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि किसी को पहचान बताने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। मैं खुद मंत्री हूं और जहां भी जाता हूं या रहता हूं, मुझसे भी पहचान पत्र मांगा जाता है और मैं दिखाता भी हूं। इसमें अपमानजनक कुछ नहीं है।

मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि अगर सरकार सावन के पवित्र महीने में पवित्र कांवड़ यात्रा में भाग लेने वाले हमारे भक्तों की सुरक्षा के लिए काम कर रही है, तो इससे किसी को क्या परेशानी है? हमें इस बात की निगरानी क्यों नहीं करनी चाहिए कि उन्हें क्या परोसा जा रहा है? मैं पूछता हूं कि नाम छिपाने के पीछे कौन सी मजबूरी है?

कांवड़ियों के लिए मेरठ रोड और एक्सप्रेसवे पर बंद होंगे भारी वाहन, वन वे होगा लागू

गाजियाबाद (एजेंसी)। कांवड़ियों को कहीं कोई असुविधा न हो इसके लिए दिल्ली-मेरठ रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। वहीं, 15 जुलाई से इन मार्गों को वन-वे किया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर डासना से मेरठ तक भी यही व्यवस्था लागू करने की योजना है। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस लाइन में अंतरराज्यीय स्तर पर समन्वयक बैठक हुई। इसमें कांवड़ यात्रा को लेकर की गईं तैयारियों पर चर्चा की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि 11 जुलाई से दिल्ली-मेरठ रोड और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के चौथे फेज (डासना से मेरठ) पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर करने की तैयारी है। इस दौरान गंगनहर पटरी और पाइपलाइन मार्ग पर भी भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद करने की योजना है।

उन्होंने बताया कि दूधेश्वरनाथ मंदिर के आसपास और जीटी रोड पर अंतिम चार दिन के दौरान रूट डायवर्जन किया जा सकता है। ऐसे में वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करना होगा। इस बार अतिरिक्त मार्गों पर पुलिसबल मौजूद रहेगा, ताकि कोई भी वाहन कांवड़ मार्ग पर न आ सके। शिवरात्रि और कांवड़ यात्रा के दौरान दूधेश्वरनाथ मंदिर समेत सभी मार्गों की ड्रोन से निगरानी होगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के अनुसार, रूट डायवर्जन प्लान लागू होने के बाद दिल्ली से आने वाले वाहन चौधरी चरण सिंह मार्ग (रोड नंबर 58) का प्रयोग कर यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) होते हुए एनएच-9 से जा सकेंगे। वहीं, दिल्ली से जिन्हें हरिद्वार, अमरोहा, मुरादाबाद और लखनऊ आदि स्थानों पर जाना है, वे यूपी गेट से प्रवेश कर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए डासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होते हुए जा सकेंगे। इसके अलावा एनएच नौ के जरिये हापुड़ होते हुए मेरठ भी जा सकेंगे। वहीं, बुलंदशहर और हापुड़ की ओर से आने वाले वाहन लालकुआं से सीधे गाजियाबाद शहर की ओर न आकर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए दिल्ली जा सकेंगे।

जीटी रोड भी बंद होगा

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के मुताबिक, सावन के पहले सोमवार से जीटी रोड स्थित दूधेश्वरनाथ मंदिर के आसपास का मार्ग बंद करने की योजना है। अभी बनी योजना के अनुसार, चौधरी मोड़ से हापुड़ तिराहा या मेरठ तिराहा की ओर जाने वाले वाहन घंटाघर फ्लाईओवर से होकर भेजे जा सकते हैं।फ्लाईओवर के नीचे से किसी भी वाहन को जाने नहीं देने की योजना है। विजयनगर की तरफ से भी वाहन को गोशाला बैरियर से आगे दूधेश्वरनाथ की ओर नहीं भेजने की योजना है। हालांकि, यह व्यवस्था श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए लागू की जाएगी।

बिहार वोटर लिस्ट पर जो काम हो रहा है उसकी निगरानी करें: आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर बिहार में चुनाव से ठीक पहले हो रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से संबंधित मुद्दों पर

अपनी शंका, आपत्ति दर्ज की तो आयोग ने उन्हें संवैधानिक व्यवस्था में आयोग को दिये गए लिखित अधिकारों की पुस्तिका पकड़ा दी। फिर उनसे पूछा, आप बताएं आयोग कहाँ और कौन सा गैर कानूनी, गैर संवैधानिक कार्य कर रहा है। आयोग वही कर रहा है जो आयोग का कर्तव्य है। अधिकार है।

चर्चा के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक आज शाम को आयोजित की गई, जिसमें सभी पक्षों के विचारों को सुनने के लिए आयोग ने प्रत्येक राजनीतिक दल से दो-दो प्रतिनिधियों को शामिल करने का निर्णय लिया। कुछ प्रतिनिधियों को अपॉइंटमेंट दिया गया था, जबकि कुछ बिना अपॉइंटमेंट, बिना पूर्व सूचना के आये आयोग सूत्रों ने बताया उन्हें भी बैठक में शामिल होने की अनुमति प्रदान की गई। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि बिहार में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का आयोजन भारत के संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपी एक्ट) 1950 और 24 जून 2025 को जारी निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अद्यतन और सटीक बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एसआईआर से संबंधित कई महत्वपूर्ण चिंताएँ और सुझाव रखे। इनमें मतदाता सूची में त्रुटियों का सुधार, नए मतदाताओं का पंजीकरण, डुप्लिकेट प्रविष्टियों को हटाना और तकनीकी व प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे मुद्दे शामिल थे। आयोग ने प्रत्येक प्रतिनिधि द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का विस्तार से जवाब दिया और उनकी चिंताओं का समाधान करने का पूर्ण आश्वासन दिया। आयोग ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी, समावेशी और निष्पक्ष बनाने के लिए सभी दलों के सहयोग की सराहना की। निर्वाचन आयोग ने विशेष रूप से सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए 1.5 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) नियुक्त किए।

जानकारी

सोने से पहले पैरों की मालिश करना कई वजहों से फायदेमंद

सिर पर तेल की मालिश लंबे समय से सिरदर्द के इलाज, तनाव को कम करने और थकान के प्रभावी उपचार के लिए एक आसान और बेहतर उपाय है। आज बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, जिनके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं कुछ लोग एक थका देने वाले सप्ताह के बाद आराम करने के लिए बॉडी मसाज का भी सहारा लेते हैं। चाहे वह त्वचा हो या बाल, विभिन्न प्रकार के तेल हमेशा एक बेहतर इलाज के विकल्प बने रहते हैं। शारीरिक गतिविधियों और व्यस्त कार्यक्रम से पैरों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। दर्द को ठीक करने का सबसे सरल उपचार है कि आप आराम से पैर की मालिश करें। वहीं पैर की मालिश से सिर्फ आपके पैरों को ही आराम नहीं मिलता, बल्कि इसके कई और स्वास्थ्यकारी फायदे भी हैं। नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. निलोफर उस्मान खान नियमित रूप से सोने से पहले 10 से 15 मिनट तक पैरों की मालिश करने के कई फायदे बताती हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

जोड़ों के दर्द के लिए मालिश फायदेमंद

सोने से पहले पैरों की तेल मालिश उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है, जो नियमित रूप से जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। बस तेल लगाना और दर्दनाक जोड़ों की मालिश करना सबसे अच्छा घरेलू उपाय है, जो कष्टदायी दर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। दर्दनाक जोड़ों पर तेल की मालिश का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे थोड़ा गर्म किया जाए। गुनगुना तेल न सिर्फ जोड़ को मजबूत बनाता है बल्कि दर्द और परेशानी से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से तेल की मालिश हड्डियों में विकृति से छुटकारा पाने के लिए भी एक अच्छा उपाय है। यही कारण है कि नवजात शिशुओं के लिए तेल की मालिश बहुत जरूरी है।

पीएमएस के दौरान मिलता है आराम

पीएमएस यानी कि प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम। यह समस्या लाखों महिलाओं को सताती है। महिलाओं को पता है कि वे पीएमएस के दौरान काफी कर्कश हो जाती हैं। साथ ही उन्हें सोने में परेशानी है और कमर में दर्द का भी सामना करना पड़ता है। पीएमएस की वजह से होने वाले दर्द और कर्कशता से राहत पाने के लिए कोई दवा पर्याप्त नहीं है। पर इसमें पहले पैरों की मालिश काम आ सकती है। इसके लिए आप सरसो के तेल को गर्म करके तलवों में और पैरों में लग सकती हैं। इसके अलावा इसे आप अपनी कमर में भी लगा सकती हैं। इस तरह ये आपको काफी आराम पहुंचाएगा। साथ ही साथ आपका माथा भी ठंडा कर देगा और आप स्ट्रेस फ्री फील करेंगी।

ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

हमारे शरीर में ब्लड कई अंगों को ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। सोने से पहले कुछ मिनट पैर की मालिश करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पैर और तलवों में कई सारे प्रेशर प्लाइंट्स है, जिन्हें तेल मसाज से फायदा मिलता है। इस तरह तेल मसाज करने से आपको कुछ ही समय में तनाव से छुटकारा मिल सकता है। यह न केवल आपको आराम देता है बल्कि नींद को प्रेरित करता है। साथ ही, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान की संभावना को कम करने के लिए उचित रक्त परिसंचरण के लिए भी जरूरी है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आप पाएंगे कि तेल मालिश से आपके पूरे शरीर को आराम मिल रहा है।

लो ब्लड प्रेशर का बेहतर इलाज

शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आप उन लोगों में से हैं, जिनका शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, तो अपने ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें। कारणों और अन्य कारकों के आधार पर लो ब्लड प्रेशर को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। इन कारकों में मानसिक विकार, खाने के बाद तंत्रिका तंत्र को नुकसान, और यहां तक किसी चीज की कमी के कारण भी अचानक खड़े होने से आपको लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले 10 मिनट के लिए अपने पैरों की मालिश करें। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को नियंत्रित करेगा, जिससे एक आरामदायक नींद आएगी और धीरे-धारे आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो जाएगा।

माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की सच्चाई

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों में गंभीर सिरदर्द के साथ-साथ मतली, उल्टी और लाइट के प्रति सेंसिटिविटी के साथ इसे संदर्भित किया जाता है। औसतन लोगों में माइग्रेन का दर्द 4 घंटे से 3 दिनों तक रहता है और कभी-कभी अधिक समय तक के लिए भी बढ़ सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में माइग्रेन आम तौर पर अधिक पाया जाता है। माइग्रेन के कारणों में लाइफ स्टाइल के अलावा भी कई और वजह हैं। वहीं माइग्रेन के कारण मस्तिष्क में परिवर्तन के साथ-साथ परिवारों में चलने वाले जीन से संबंधित भी हो सकते हैं। आप इसे इनहेरीटेड ट्रिगर भी कर सकते हैं, जो आपको थकान, तेज रोशनी, सिरदर्द, मौसम परिवर्तन और अन्य जैसे कई कारणों से माइग्रेन देता है। पर आम लोगों में माइग्रेन से जुड़े कुछ मिथक या कहें कि भ्रम भी हैं। आइए आज हम आपको इन मिथकों से जुड़े कुछ तथ्य भी बताते हैं।

आम लोगों में माइग्रेन को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं, जिस पर भरोसा करने से पहले आप उसके पीछे के साइंस और अपने डॉक्टर की राय जरूर जान लें।

माइग्रेन के जुड़े 4 मिथक और उनके पीछे के तथ्य

मिथक 1

सिर्फ सिरदर्द है माइग्रेन

अक्सर लोगों को लगता है कि माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल बहुत से लोगों को लगता है कि माइग्रेन एक तरह का तेज सिरदर्द होता है, जबकि साइंस की मानें, तो माइग्रेन में सिरदर्द सिर्फ एक लक्षण है, जबकि इसके कई और भी लक्षण हैं। सिरदर्द के साथ-साथ, माइग्रेन में मतली, लाइट के प्रति सेंसिटिविटी, एकाग्रता में कठिनाई, चक्कर, कमजोरी, उल्टी और चेतना की हानि का कारण बनता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क में कभी-कभी कार्यात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके अलावा, माइग्रेन की कई और विशेषताएं भी हैं। सिरदर्द विकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण ढांचा है, जिसका उपयोग डॉक्टर सिरदर्द के दर्द को मापने के लिए कर सकते हैं और अमेरिकन माइग्रेन फाउंडेशन ने माइग्रेन से पीड़ित लोगों को इसे निर्धारित करने में कई मापदंड बनाए हैं। माइग्रेन सिर दर्द से अलग है, क्योंकि इसकी अवधि, गंभीरता और लक्षण इसे कई और तरह से अलग करते हैं।

मिथक 2

कैफीन ही माइग्रेन का कारण है

हमेशा कैफीन माइग्रेन का कारण नहीं होता है, बल्कि कैफीन कुछ सबसे प्रभावी सिरदर्द दवाओं में पाया जाता है। कई रोगियों के लिए कॉफी या सोडा जैसे कैफीनयुक्त पेय सिर दर्द को कम करने में मदद करता है। आपके लिए कैफीन दैनिक सिरदर्द में भी कारगार साबित हो सकता है। इसके अलावा भी कैफीन के कई और नुकसान हो सकते हैं, माइग्रेन ही अकेला क्यों? दरअसल बात ये है कि सभी को कैफीन से जुड़ी ये कोई भी चीज एक नियमित मात्रा में ही लेनी चाहिए। इसके अलावा अपने बाकी जीवनशैली का ख्याल रखें, क्योंकि कुछ प्रमाण हैं कि बार-बार माइग्रेन होने के पीछे न्यूट्रास्युटिकल कारण हो सकते हैं। इसके अलावा आपके खाने से मिलने वाले कुछ पदार्थों में राइबोफ्लेविन (विटामिन -बी 2) कोएंजाइम और मैग्नीशियम भी कारण हो सकते हैं। इसके लिए किसी भी डॉक्टर या सिरदर्द विशेषज्ञ से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इसके इलाज में पूरक आहार को सर्वोत्तम रूप से कैसे और किस तरह से लें।

माइग्रेन से बचने का उपाय

आमतौर पर माइग्रेन को ट्रिगर में अल्कोहल, ग्लूटेन, मोनोसोडियम ग्लूटामेट और हिस्टामाइन युक्त खाद्य पदार्थ, डार्क चॉकलेट आदि शामिल हैं, तो इसे ठीक करने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि हर रोगी के शरीर में भोजन की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोग के लिए सबसे अच्छा उपाय ये हैं, अपने माइग्रेन को ट्रिगर्स करने वाले कारणों को जानें और ज्यादा से ज्यादा उससे बचने की कोशिश करें। इसके साथ ही स्ट्रेस, गलत जीवनशैली और देर रात तक जागने की आदत पर कंट्रोल करने की कोशिश करें।

मिथक 3

केवल महिलाओं और वयस्कों को माइग्रेन होता है

माइग्रेन बच्चों को भी हो सकता है। वास्तव में, पांच साल से छोटे बच्चे माइग्रेन के सिरदर्द का अनुभव कर सकते हैं। वे पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन, एपिसोडिक भ्रम, गंभीर चक्कर आना, एकाग्रता में कठिनाई और अत्यधिक थकान महसूस कर सकते हैं। महिलाओं को माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है, लेकिन पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित होते हैं, जैसे कि 18-20 प्रतिशत महिलाएं, तो 8-10 प्रतिशत पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित हैं। इसलिए किसी विशेष आयु वर्ग और लिंग को किसी भी बीमारी से जोड़ना गलत है।

मिथक 4

माइग्रेन को ठीक करने के लिए लें ज्यादा से ज्यादा दवाइयां

दुर्भाग्य से, व्यक्तिगत तौर पर माइग्रेन के इलाज के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा दवाइयों की मदद लेने के बारे में सोचते हैं। हालांकि ये गलत है। दवाईयां वास्तव में इसे बदतर बना सकती है। माइग्रेन के साथ रहने वाले कुछ लोग 'रिबाउंड सिरदर्द' की शिकायत करते हैं, लेकिन उस घटना के लिए चिकित्सा शब्द 'मेडिकेशन ओवर्यूज सिरदर्द' है। तीव्र माइग्रेन के दर्द का इलाज करने के लिए बहुत अधिक दवा लेने से भविष्य में अधिक लगातार और अधिक गंभीर माइग्रेन के होने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां तक कि इसका इलाज करना और अधिक कठिन हो सकता है।

सेहत

रात में केला खाने से नहीं होता कोई नुकसान

वैसे तो लोग सभी फ्रूट्स को सेहतमंद मानते हैं, लेकिन कुछ फ्रूट्स ऐसे होते हैं, जो हमारे लिए काफी फायदेमंद होते हैं। केला एक ऐसा ही फल है, जो पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में खाया जाता है। केले में बहुत से जरूरी न्यूट्रीएंट्स और विटामिन मौजूद हैं, जो हमारे शरीर में कई तरह की पूर्ति करता है। येलो फ्रूट्स में फाइबर, पोटैशियम, मैगनेशियम, कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं। यह हमारे वजन को कम करने के साथ ही हमारे हार्ट को भी स्वस्थ रखता है, लेकिन कई लोग मानते हैं की केले का रात में सेवन करने से सर्दी और खासी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नींद को और अच्छा बनाने में मददगार है येलो फ्रूट्स

रात में केले का सेवन करने से कोई परेशानी हो सकती है या नहीं इसका कोई साइंटिफिक प्रूफ सामने नहीं आया है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक केले का सेवन रात में करने से कई तरह की दिक्कत हो सकती है। जैसे की सर्दी होना या फिर गला बंद हो सकता है। फ्रूट्स की बात करें तो केला एक ऐसा फ्रूट है, जो भारी मात्रा में हमें स्वस्थ रखने का काम करता है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक, रात में केले का सेवन करना सही नहीं। रात में केले का सेवन करना इसलिए हानिकारक है, क्योंकि रात के समय हमारे शरीर में मैटाबॉलिसम कम होता है जिससे केला हमारे पेट में कई दिक्कतें पैदा करता है।

अध्ययन में इस बात का पता चला कि येलो फ्रूट्स में कई तरह के जरूरी न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो हमारी नींद को और अच्छा बनाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अगर नींद के लिए किसी गोली या दवाई का सेवन कर रहे हैं तो आप उन दवाई को छोड़कर रात में पहले केले का सेवन कर सकते हैं। एक केले में लगभग 105 कैलोरी होती है। आप रात में 500 से कम कैलोरी का सेवन करना चाहते हैं तो, दूध के साथ 2 केले खाना आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आधी रात में मीठा खाने की इच्छा होने लगे तो केला खा लें। केले की मिठास आपकी लालसा को दूर करने में मददगार साबित होती है।

यदि आप शाम के समय में एक्सरसाइज करने के बाद केला खाते हैं, तो लाभदायक होगा। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग मसालेदार फूड ज्यादा खाते हैं। उनके लिए रात में केला खाना फायदेमंद है। दरअसल, ज्यादा मसाले वाली चीजें खाने से सीने में जलन होने लगती है, लेकिन रात में एक केला खाने से जलन की समस्या दूर हो सकती है। इसके साथ ही मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा के कारण केला आसानी से पच जाता है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है।

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह ब्लड सर्कुलेशन और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में कारगर होता है। केले में खास तरह के प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो खाने से कैल्शियम को मात्रा को सोखते हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाती है और उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियों से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं को भी दूर रखती है। अगर आप फिर भी रात में केले का सेवन नहीं छोड़ना चाहते तो आप उसका सेवन कर सकते हैं, क्योंकि केले का सेवन रात में करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता, लेकिन कभी कभी आपको इसका त्याग करना जरूरी है। आप जब सर्दी, खासी, अस्थमा या फिर वजन कम कर रहे हों तो आपको केले का सेवन छोड़ना होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 5000

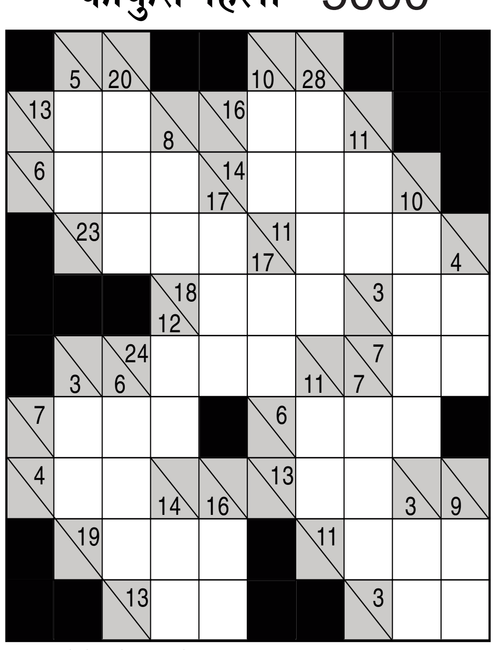

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

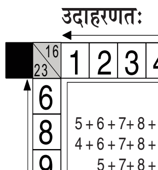

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4099

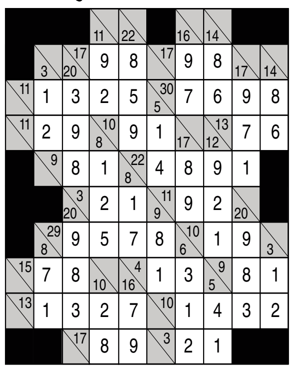

लॉफिंग ज़ोन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।

अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।

रमन- ये भी मेरी नहीं है।

अंकल- तो फिर किसकी है?

रमन- लॉंड्री वाले की..!

□ □ □

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

□ □ □

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-5000

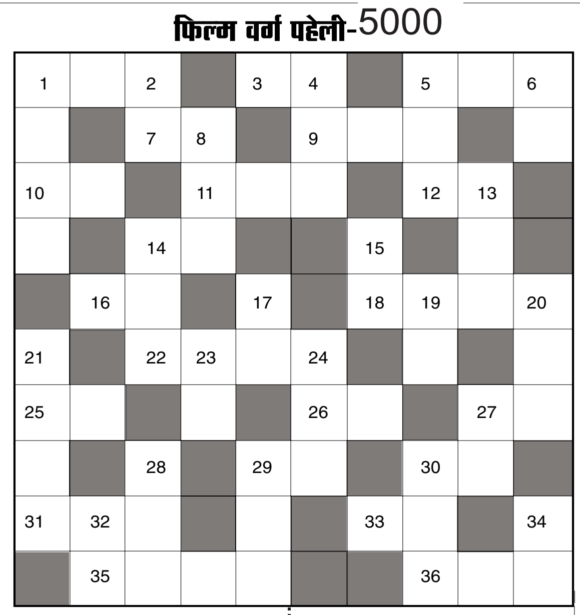

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4099

सूडोकु -5000

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4099

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली -5000

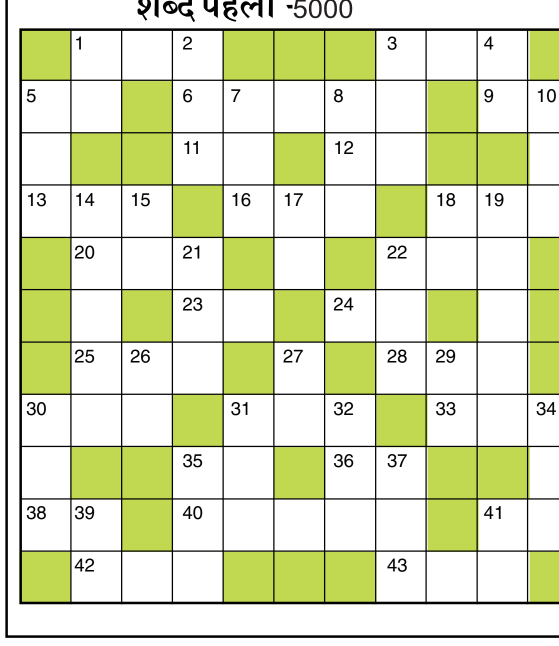

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली - 4099 हल

देसी माल झोपड़ी में आते हो जाता था विदेशी, आधी रात पुलिस के छापे से चौकाने वाले खुलासे

एजेंसी

मुजफ्फरपुर. जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत डकरामा गांव में बीती रात नकली शराब बनाने वाली एक अवैध फैक्ट्री का उद्भेदन उत्पाद विभाग की टीम ने किया है. यह फैक्ट्री गांव के एक सुदूर इलाके में झोपड़ी के अंदर चल रही थी, जहां बड़ी मात्रा में नकली शराब तैयार की जा रही थी.

मिली जानकारी के अनुसार, झोपड़ी में अवैध तरीके से स्प्रिट और अन्य रसायनों की मदद से नकली शराब तैयार की जाती थी, और फिर उस पर विभिन्न नामी ब्रांड्स के लेबल लगाकर बाजार में सप्लाई किया जाता था. कार्रवाई के दौरान मौके से भारी मात्रा में तैयार नकली शराब, बड़ी संख्या में स्प्रिट की बोतलें, खाली बोतलें, ढक्कन और विभिन्न कंपनियों के शराब लेबल बरामद किए गए हैं.

गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई

उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि डकरामा गांव में शराब बनाने की अवैध गतिविधि संचालित हो रही है. सूचना के आधार पर उत्पाद निरीक्षक के नेतृत्व में एक टीम ने छापेमारी की. अधिकारियों के अनुसार, झोपड़ी में शराब तैयार करने के लिए इस्तेमाल हो रहे उपकरण और सामग्रियां भी जब्त की गई हैं. प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि यह गिरोह नकली शराब को ब्रांडेड बोतलों में भरकर आसपास के इलाकों में सप्लाई करता था. मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस ने पहचान के कुछ सुराग जुटाए हैं और जल्द ही इस गिरोह का भंडाफोड़ किए जाने की संभावना है. उत्पाद विभाग ने कहा है कि नकली शराब के कारोबार से आम जन के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा होता है, इसलिए इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

स्थानीय प्रशासन और पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है. वहीं, ग्रामीणों में इस कार्रवाई के बाद कुछ राहत देखी जा रही है, क्योंकि नकली शराब के कारण पहले भी कई घटनाएँ सामने आ चुकी हैं.

अब शादी में न मिलेगा दहेज, न बजेगा डीजे, बिहार के 7 गांवों का ऐतिहासिक फैसला, बारातियों की संख्या भी सिर्फ...

एजेंसी

समस्तीपुर. बिहार के समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर प्रखंड के सात गांवों ने एक अनोखी और सराहनीय मिसाल पेश की है. दहेज जैसी सामाजिक कुप्रथा और शादी में फिजूलखर्ची के खिलाफ गांव वालों ने आपसी सहमति से ठोस कदम उठाया है. इतना ही नहीं, विवाह में डीजे बजाने पर भी रोक लगाने की बात कही गई. यह निर्णय एक बैठक के बाद लिया गया है. आइये जानते हैं ग्रामीणों ने क्या-क्या निर्णय लिया.

डीजे बजाने पर भी लगी रोक

जिले में मोहिउद्दीननगर प्रखंड के महमद्दीपुर, मनियर मरगंगपार, मस्तलीपुर, नया टोला मस्तलीपुर, भैरो सरहद, दुबहा और गुलजार नगर के लोगों ने एक बैठक की. इस बैठक में यह संकल्प लिया गया कि अब से कोई दहेज नहीं लेगा और न ही देगा. इतना ही नहीं, विवाह में डीजे बजाने पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया गया है.

यह बैठक मो. हसीब की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें सभी गांवों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. जहां दहेज जैसी कुप्रथा से समाज को मुक्त करने की इस पहल को लेकर हर वर्ग के लोग एकजुट नजर आए. गांवों के इस निर्णय ने साबित कर दिया कि जब समाज अपने स्तर पर बदलाव लाने की ठान ले, तो बदलाव निश्चित होता है.

ग्रामीण दे रहे एक अलग संदेश

यह फैसला केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन की शुरुआत मानी जा रही है. जहां सरकार लंबे समय से दहेज प्रथा पर रोक लगाने के लिए कानून बना रही है. वहीं, यह पहल बताती है कि असली बदलाव तब आता है जब लोग स्वयं जागरूक होते हैं. इस बैठक में यह भी तय हुआ कि शादी में बारातियों की संख्या सीमित होगी और फिजूल खर्च से बचा जाएगा.

गरीब बेटियों की शादी में कमेटी करेगी मदद

साथ ही बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता को खत्म करने के उद्देश्य से यह निर्णय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है. आज भी कई गरीब परिवार सिर्फ इसलिए अपनी बेटियों की शादी नहीं कर पाते हैं. क्योंकि दहेज देने में असमर्थ होते हैं, लेकिन अब इन गांवों में ऐसे परिवारों को कमेटी आर्थिक मदद भी देगी. यह एक ऐसा प्रयास है, जिससे न केवल बेटियों का सम्मान बढ़ेगा, बल्कि समाज में आर्थिक समानता और सह-अस्तित्व की भावना भी मजबूत होगी.

इस्लाम की खूबसूरती, जिहाद ट्रेनिंग, पैसा... हिंदुओं हो जाओ सावधान!

बेटियां हैं निशाने पर, प्रयागराज से आतंक का सच

एजेंसी

प्रयागराज. फिल्म 'द केरल स्टोरी' हर किसी के जहन में होगी. जब ये फिल्म रिलीज हुई थी तो सवाल खड़े हो गए थे कि क्या वाकयी यह सब सच है. सियासी गलियारे से लेकर आम तक कई विवाद हुए और आखिरकार थोड़े दिन बाद सब शांत हो गए. मगर, अब इस फिल्म की कहानी जैसी ही रियल स्टोरी सामने आई है. प्रयागराज में बड़े आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ है. इनके टारगेट पर गरीब दलित हिंदू परिवार की नाबालिग लड़कियां थीं. हिंदू लड़कियों को निशाना बनाकर धर्म परिवर्तन और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल करने की साजिश का खुलासा हुआ है. पुलिस ने इस मामले में दो मुख्य आरोपियों दरकशां बानो और मोहम्मद कैफ को गिरफ्तार किया है.

पहले ब्रेनवॉश फिर...

ये गिरोह पहले बच्चियों का ब्रेनवॉश करके धर्म परिवर्तन कराता था और फिर आतंकी संगठनों से जोड़ने की कोशिश करता था. इस गिरोह ने कई लड़कों का भी धर्मांतरण के लिए ब्रेनवाश किया था. कई नौजवानों के परिवार का दावा है कि आरोपी महिला पहले लोगों से दोस्ती करती थी और फिर ब्रेनवॉश करके धर्म परिवर्तन कराती थी. इनके निशाने पर गरीब लोग ही होते थे, क्योंकि उन्हें रुपयों का लालच देकर टारगेट करना आसान होता था. आइए जानते हैं आखिर कैसे अब इस गिरोह का भंडाफोड़ हुआ.

15 साल की बच्ची को बनाया निशाना

प्रयागराज के फूलपुर इलाके की एक 15 वर्षीय दलित नाबालिग किशोरी के अपहरण, जबरन धर्मांतरण और आतंकी ट्रेनिंग देने का गंभीर मामला सामने आया है. किशोरी को उसकी 19 वर्षीय सहेली दरकशा बानो ने बहला-फुसलाकर 8 मई को अगवा किया और दिल्ली होते हुए केरल के त्रिशूर में

स्थित एक संदिग्ध आतंकी कैंप में पहुंचाया. वहां किशोरी का जबरन इस्लाम धर्म में धर्मांतरण कराया गया और कथित तौर पर जिहाद के नाम पर आतंकी ट्रेनिंग दी गई.

इधर, 28 जून को बच्ची की मां गुड्डी देवी ने प्रयागराज के थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने बताया था कि गांव की रहने वाली दरकशा बानो नाम की महिला पैसों का लालच देकर उनकी बेटी को धर्म परिवर्तन के लिए केरल ले गई है. दरकशा के साथ मोहम्मद कैफ नाम का युवक भी है. कैफ ही नाबालिग को दरकशा के साथ लेकर प्रयागराज जंक्शन छोड़ने गया था.

ब्रेनवॉश और हथियारबंद कैंप का खुलासा

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने नाबालिग को जिहाद के लिए भी उकसाया. पीड़िता किसी तरह आरोपियों के चंगुल से भागकर केरल जंक्शन पर पहुंची, जहां सीडब्ल्यूसी की मदद से उसको वापस केरल से प्रयागराज के फूलपुर लाया गया. पीड़िता ने पुलिस और मजिस्ट्रेट के सामने दिए बयान में बताया कि उसे पैसे और मोबाइल का लालच देकर साथ ले जाया गया था. ब्रेनवॉश कर धर्म बदलवाने के बाद उसे जिहादी विचारधारा की ट्रेनिंग दी गई. उसने केरल में हथियारबंद लोगों वाले कैंप में मौजूद होने की भी पुष्टि की है. किसी तरह वह वहां से भाग कर रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां से बाल कल्याण समिति ने उसे संरक्षण में लिया और प्रयागराज पुलिस को सूचना दी.

पुलिस और खुफिया एजेंसियां अलर्ट

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने जांच तेज कर दी है. पुलिस ने दरकशा बानो और मोहम्मद कैफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. मोहम्मद कैफ पर किशोरी से छेड़छाड़ का आरोप भी है. इस मामले में फरार मुख्य आरोपी मोहम्मद ताज की तलाश छत्तीसगढ़ और केरल तक की जा रही है.

राजा की बहन सृष्टि रघुवंशी की बढ़ी मुश्किलें, 302 समेत कई धाराओं में केस दर्ज

एजेंसी

मध्यप्रदेश. मध्यप्रदेश के राजा रघुवंशी हत्या कांड ने पूरे देश को हिला के रख दिया है, और वहीं इस घटना के बाद लोगों के मन में शादी को लेकर डर बैठ गया है. वहीं सोशल मीडिया पर इस मामले ने काफी तेजी से तूल पकड़ा.शिलांग में हनीमून के दौरान लोग राजा और सोनम की खोज के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे थे. इसी बीच राजा रघुवंशी की बहन सृष्टि रघुवंशी ने भी अपने फेसबुक अकाउंट पर कई पोस्ट किए, जो देखते ही देखते वायरल हो गए. इन पोस्ट में से कुछ की वजह से अब वे खुद कानूनी पचड़े में फंस गई हैं.

पुलिस ने किया तलब

बता दें कि गुवाहाटी पुलिस ने सृष्टि रघुवंशी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ক্লহ্স) की धारा 196(2), 299 और 302 के तहत केस दर्ज किया है. उन पर धार्मिक भावनाएं भड़काने और समाज में अशांति फैलाने का आरोप लगाया गया है. मिडिया के अनुसार, पुलिस का कहना है कि सृष्टि ने सोशल मीडिया पर ऐसे आरोप लगाए, जो धार्मिक दृष्टिकोण से संवेदनशील माने गए और जिनसे लोगों की भावनाएं आहत हुई.

मामले की शुरुआत तब हुई जब शिलांग में राजा रघुवंशी का शव

बरामद किया गया. इसके बाद सृष्टि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगातार पोस्ट करना शुरू किया. उनमें से एक पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि राजा की पत्नी सोनम ने असम में उसकी नरबलि दी है. इस पोस्ट को लाखों लोगों ने देखा और शेयर किया. पोस्ट वायरल होने के बाद असम पुलिस ने इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए और उसे धार्मिक भावनाएं भड़काने वाला करार देते हुए आपराधिक मामला दर्ज कर लिया.

सृष्टि का बयान

इस मामले में पुलिस ने सृष्टि को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए तलब भी किया है. हालांकि, अब सृष्टि और राजा के परिवार ने बयान दिया है कि वे असम पुलिस से माफी मांगने को तैयार है और उनका इरादा किसी की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था.

9 राज्यों में बड़े करप्शन केस का मेरठ कनेक्शन भी.. बीजेपी नेता की बेटी पर खुद CBI ने करवाया केस, जानें पूरा मामला

एजेंसी

मेरठ. सीबीआई ने 9 राज्यों के 12 निजी मेडिकल कॉलेजों में भ्रष्टाचार और घूसखोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है.

इस कार्रवाई में मेरठ के खरखौदा स्थित NCR इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (NCRIMS) भी शामिल है, जिसकी चेयरपर्सन बीजेपी नेता और पूर्व समाजवादी पार्टी की स्ब्ष्ट डॉ. सरोजिनी अग्रवाल हैं. सीबीआई ने उनकी बेटी शिवानी अग्रवाल, जो कॉलेज की सहायक मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, के खिलाफ भी भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया है.

सीबीआई की जांच में सामने आया कि NCR मेडिकल कॉलेज ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) से मान्यता प्राप्त करने के लिए कई अनियमितताएं कीं. इनमें प्रॉक्सी फैकल्टी की तैनाती, काल्पनिक मरीजों का प्रवेश दिखाना, और फैकल्टी द्वारा इलाज का फर्जी रिकॉर्ड तैयार करना शामिल है. इसके अलावा, कॉलेज में फैकल्टी की उपस्थिति दिखाने के लिए बायोमेट्रिक डेटा के साथ छेड़छाड़ और मेडिकल

काउंसिल ऑफ इंडिया (MCI) पैनल को लाखों रुपये की रिश्वत देने के भी आरोप हैं.

सीबीआई ने मंगलवार को NCR मेडिकल कॉलेज और डॉ. सरोजिनी अग्रवाल के बेगमपुल स्थित जवाहर क्वार्टर्स के आवास पर करीब 9 घंटे तक छापेमारी की.

इस दौरान OPD रजिस्टर, छात्र पंजीकरण डेटा, कंप्यूटर, और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए. जांच एजेंसी ने कॉलेज के कर्मचारियों और डॉ. सरोजिनी के करीबी डॉक्टरों से भी पूछताछ की.

शिवानी अग्रवाल पर मुकदमा

CBI ने भ्रष्टाचार के मामले में डॉ. सरोजिनी की बेटी शिवानी अग्रवाल के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है, जो NCR मेडिकल कॉलेज की सहायक मैनेजिंग डायरेक्टर हैं. जांच में पाया गया कि मान्यता प्राप्त करने के लिए कॉलेज ने फर्जी दस्तावेज तैयार किए और अनुकूल रिपोर्ट के लिए MCI पैनल को रिश्वत दी. शिवानी अग्रवाल पर इन अनियमितताओं में सक्रिय भूमिका निभाने का आरोप है.

मौत से ठीक पहले मां ने बनाई रील, बेटे को दुल्हन की तरह सजाया, फिर पति सहित उठाया खौफनाक कदम!

एजेंसी

बाड़मेर. राजस्थान के बाड़मेर जिले के शिव थाना क्षेत्र के उडू गांव में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे क्षेत्र को हिलाकर रख दिया. धनानियों की ढाणी में एक ही परिवार के चार सदस्यों–शिवलाल गौड़ (35), उनकी पत्नी कविता (32) और उनके दो मासूम बेटों बजरंग (9) और रामदेव (8) ने घर के पास बने पानी के टांके में कूदकर सामूहिक आत्महत्या कर ली. परिवार द्वारा मौत से पहले बनाया गया एक रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

मरने से ठीक पहले मां ने एक रील बनाया था. इसमें मां कविता ने आत्महत्या से पहले अपने छोटे बेटे रामदेव को बेटी की तरह सजाया था. अपने मासूम बेटे को दुल्हन की तरह सजाने के बाद परिवार ने वीडियो को शेयर भी किया था. लेकिन किसे पता था कि उनके मन में क्या चल

रहा है. परिवार के चार सदस्यों ने पानी के टांके में कूदकर पारिवारिक विवाद के चलते सामूहिक आत्महत्या कर ली. इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है.

मिला सुसाइड नोट

पुलिस को मृतक के पास सुसाइड नोट मिला है जिसमें परिवार के विवाद का जिक्र किया गया है. साथ ही अंतिम इच्छा भी लिखी है, जिसमें उसके अंतिम संस्कार मकान के सामने करने की बात लिखी गई है. मौत से पहले बनाया गया इनका रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें मां ने बच्चों को श्रृंगार किया था. पूरे मामले की जांच में पुलिस जुटी हुई है.

टांके से मिला शव

जानकारी के मुताबिक़, मृतक का अपने छोटे भाई से मकान को लेकर विवाद चल रहा था. मृतकों की पहचान शिवलाल पुत्र नगाराम ब्राह्मण, कविता पत्नी शिव लाल और उनके दो मासूम बच्चों के रूप में हुई है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चारों के शव घर के पास बने पानी के टांके में में ही मिले जिन्हें परिजनों ओर पुलिस के उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में बाहर निकाला गया. घटना की सूचना मिलने के बाद शिव थाने की भियाड़ चौकी मौके पर पहुंची और फिर उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी जिसके बाद शिव थाना प्रभारी सत्यप्रकाश विश्नोई और ष्टह्र रामसर माना राम गर्ग,स्क्क बाड़मेर जसा राम बॉस मौके पर पहुंचे.

जमीन विवाद बनी वजह

पुलिस ने तत्काल एफएसएल टीम को भी बुलाया, जिसने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए. इस दौरान मृतक के पास सुसाइड नोट मिला है जिसमें परिवार से मकान को लेकर विवाद की बात सामने आई है. पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भियाड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी रखवाकर पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है.

UP में खत्म हो जाएगी 119 पॉलिटिकल पार्टियों की मान्यता? EC ने भेजा नोटिस, जानिए क्या है वजह

उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने पिछले 6 सालों से गैर सक्रिय 119 दलों को नोटिस जारी किया है. इन सभी दलों ने पिछले 6 सालों में कोई भी चुनाव नहीं लड़ा है. जिसके बाद इन दलों को पंजीकरण सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है.

एजेंसी

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयोग ने 119 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (RUPPs) को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. इन दलों पर पिछले

चुनाव आयोग ने यूपी के गैर सक्रिय 119 राजनैतिक दलों को भेजा नोटिस
इन पार्टियों ने पिछले 6 सालों में एक भी चुनाव नहीं लड़ा है
चुनाव आयोग ने अब इन्हें पंजीकरण सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है

छह वर्षों से किसी भी चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा न लेने का आरोप है. यह कार्रवाई लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 के तहत की जा रही है, जिसके अनुसार पंजीकृत राजनीतिक दलों को नियमित रूप से चुनावों में भाग लेना अनिवार्य है.

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, इन 119 दलों ने 2019 से 2024 तक लोकसभा, विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनावों में हिस्सा नहीं लिया. मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के कार्यालय ने इन दलों

को उनके पंजीकृत पते पर रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से नोटिस भेजा है. यह कदम भारत निर्वाचन आयोग (ECI) के उस अभियान का हिस्सा है, जिसमें गैर-सक्रिय राजनीतिक दलों को पंजीकरण सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है.

गैर-सक्रिय दलों पर कार्रवाई

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि पंजीकृत दलों को अपनी सक्रियता बनाए रखने के लिए निर्धारित समय के भीतर चुनावों में भाग लेना होगा. जो दल ऐसा करने में विफल रहते हैं, उन्हें निष्क्रिय घोषित किया जा सकता है या उनका पंजीकरण रद्द हो सकता है. इससे पहले, भारत निर्वाचन आयोग ने देशभर में 537 गैर-सक्रिय दलों के खिलाफ कार्रवाई की थी, जिसमें 86 दलों को गैर-मौजूद पाए जाने पर पंजीकरण सूची से हटाया गया और 253 को निष्क्रिय घोषित किया गया. उत्तर प्रदेश में भी 34 दलों को पहले निष्क्रिय घोषित किया जा चुका है.

क्या कहते हैं नियम?

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 के तहत पंजीकृत दलों को कई लाभ प्राप्त होते हैं, जैसे आयकर अधिनियम की धारा 13 के तहत कर छूट, सामान्य प्रतीक (चुनाव चिह्न) का आवंटन, और स्टार प्रचारकों की नियुक्ति. हालांकि, इन लाभों का उपयोग केवल तभी किया जा सकता है, जब दल नियमित रूप से चुनावी प्रक्रिया में भाग लेते हों. गैर-सक्रिय दलों के दुरुपयोग की आशंका को देखते हुए, जैसे कि कर छूट का अनुचित लाभ उठाना, चुनाव आयोग ने सख्ती बरतनी शुरू की है.

30 दिनों में देना होगा नोटिस का जवाब

राज्य निर्वाचन आयोग ने इन 119 दलों को नोटिस का जवाब देने के लिए 30 दिनों का समय दिया है. यदि दल संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते या उनके पंजीकृत पते पर गैर-मौजूद पाए जाते हैं, तो उनका पंजीकरण रद्द किया जा सकता है. इसके अतिरिक्त, ऐसे दलों को चुनाव चिह्न (Reservation and Allotment) Order, 1968 के तहत सामान्य प्रतीक प्राप्त करने का अधिकार भी नहीं रहेगा.

अश्लील वीडियो की लत में पति बना जल्लाद, हर रात पत्नी से करता था 'गंदी' डिमांड, नहीं मानने पर उतारा मौत के घाट

भिंड जिले के उमरी थाना क्षेत्र में पति- पत्नी के रिश्ते को शर्मशार कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पति की गंदी लत ने पूरे परिवार को तबाह कर दिया.

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश के भिंड जिले के उमरी थाना क्षेत्र के एक गांव फुले का पुरा में एक नवविवाहिता की दिल दहला देने वाली हत्या ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है. घटना के पीछे का कारण सामने आने पर लोग हैरान रह गए. मिडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी पति जबरसिंह जाटव, जो अश्लील वीडियो देखने का आदी था, अपनी पत्नी गोल्डी जाटव पर वैसा ही वीडियो रिकॉर्ड करने का दबाव बना रहा था. विरोध करने पर उसने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी.

शादी को सिर्फ चार महीने हुए थे

गोल्डी और जबरसिंह की शादी इसी साल 10 फरवरी 2025 को हुई थी. यह रिश्ता जनवरी में एक रिश्तेदार की सिफारिश पर तय हुआ था. जबरसिंह दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता था, इसी वजह से लड़की वालों को रिश्ता ठीक लगा. शादी के बाद शुरुआत में सब कुछ सही चल रहा था, लेकिन शादी के केवल चार महीने बाद गोल्डी की मौत ने सबको

चौंका दिया.

घटना की रात क्या हुआ?

पुलिस जांच के अनुसार, 25-26 जून की रात जबरसिंह शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा और पत्नी के साथ जबरन अश्लिल वीडियो बनाने लगा, जब गोल्डी ने इसका विरोध किया, तो दोनों के बीच बहस शुरू हो गई. गुस्से में आकर जबरसिंह ने पहले चाकू से हमला किया, फिर पत्नी की गर्दन दबाकर उसकी हत्या कर दी.

मोबाइल और ब्राउज़र हिस्ट्री से खुला राज़

पुलिस को घटनास्थल से जबरसिंह का मोबाइल मिला, जिसमें आपत्तिजनक वीडियो क्लिप्स और ब्राउज़र हिस्ट्री जांचने पर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई. मोबाइल में अश्लील साइट्स की ब्राउज़िंग हिस्ट्री, यौन प्रदर्शन बढ़ाने के तरीके और कॉल डिलीट करने से जुड़ी सर्चिंग सामने आई. इन सब से स्पष्ट हो गया कि आरोपी मानसिक रूप से विकृत हो चुका था और अपनी पत्नी को प्रताड़ित कर रहा था.

गांववालों और परिवार में खामोशी

घटना के बाद जबरसिंह के पिता ने गोल्डी के पिता बीरवल को फोन कर कहा कि ÷जरूरी बात÷ है और तुरंत बुलाया. जब लड़की का परिवार ससुराल पहुंचा, तो गोल्डी मृत अवस्था में पाई गई. कमरे में खून के निशान और अस्त-व्यस्त कपड़ों से साफ था कि वह संघर्ष कर रही थी. लेकिन गांव के लोग इस मामले पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं थे.

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

हत्या के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जबरसिंह को गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया. पूछताछ में उसने अपनी गलती स्वीकार करते हुए बताया कि वह पत्नी पर शक करता था और इसी वजह से झगड़े बढ़ गए थे.

रिमझिम बारिश का मौसम आ गया है। हालांकि अभी झमाझम बारिश कुछ ही जगह हुई है, लेकिन हल्की ही सही, बारिश तो बारिश है। इसलिए कुछ खास तो होना ही चाहिए, ताकि लगे कि तुम भी झूम कर बरखा रानी का स्वागत कर रहे हो।

बारिश में मस्ती के बहाने

ऐसे बचाना अपने पेट्स को..

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगे नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दें। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

इंद्रधनुष देखो

दरअसल इंद्रधनुष वर्षा की बूंदों पर पड़ने वाली सूर्य की किरणों के डिस्पर्सन यानी फैलाव के कारण बनता है। जब सूर्य की किरणें वर्षा की बूंदों में प्रवेश करती हैं तो वे रिफ्लेक्ट यानी तिरछी हो जाती हैं और फिर बूंदों से निकलते समय लाइट प्रतिबिंब बनाती है। कहने का मतलब यह है कि सूर्य की किरणें कई कोणों पर रिफ्लेक्ट करती हैं, जिनकी वजह से रेन-बो बनते हैं। ये बरसात के मौसम के अलावा झरनों तथा समुद्र में बनने वाली बड़ी लहरों के पास भी दिखाई पड़ता है। सच तो यही है कि खुले स्थानों में जहां-जहां नमी बनती है, वहां-वहां रेन-बो दिखाई पड़ने की संभावना रहती है। इस मौसम में इसे तुम देख सकते हो।

गीत तो गुनगुनाओ कोई

संगीत तो स्कूल में भी तुम्हारा मनपसंद विषय है। तो देर किस बात की अपना गिटार उठाओ और शुरू हो जाओ। इंस्ट्रूमेंट तुम्हारी पसंद का कोई भी हो सकता है। छई, छप्पा छई, छप्पाक छई.. जैसा कोई भी गीत तुम गुनगुनाओगे तो ऐसा लगेगा मानो बारिश की बूंदें भी तुम्हारा साथ दे रही हैं। जरूरी नहीं कि तुम्हें बारिश के गीत गाकर मस्ती करनी है। अपनी पसंद का कोई भी गाना, जिसे गाकर व दूसरों को सुना कर मजा आए, तुम गुनगुना और गा सकते हो।

डॉगी का साथ व रिमझिम बरसात

तुम अक्सर शाम के वक्त अपने डॉगी को पार्क में घुमाने ले जाते हो। उसके साथ खेलने में तुम्हें मजा भी बहुत आता है। तो क्यों न इस मौसम में बारिश की रिमझिम फुहारों का मजा अपने डॉगी के संग लिया जाए। यकीन मानो उसे भी बहुत मजा आएगा। ध्यान रहे कि भीगने में तुम इतने मत खो जाना, जिससे तुम्हें समय का ख्याल ही न रहे। कहने का मतलब यह है कि 10-15 मिनट के बाद खुद डॉगी के साथ वापस घर आ जाना। हां, अगर तुम्हारा डॉगी कुछ दिनों से बीमार चल रहा है तो उसे बारिश में लेकर मत जाना।

बारिश में नाव

क्या तुमने कभी नाव चलाई है? हम बड़ी नदी में चलने वाली नाव की बात नहीं कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं तुम्हारी खुद की बनाई कागज की नाव की। दरअसल अब तुम बच्चे नाव चलाकर मनोरंजन करते दिखाई नहीं देते। मगर आज भी दूरदराज के गांवों या छोटे शहरों में बच्चो बरसात के इस मौसम में मजे से नाव चलाते हैं। तुम भी दूर तक तैरती हुई नाव देख सकते हो। झमाझम बारिश के बाद तुम्हारी कॉलोनी में जगह-जगह पानी इकट्ठा हो जाता है। उस पर नाव छोड़ना, मस्ती ही मस्ती है। अगर तुम्हें फुल मस्ती चाहिए तो सभी दोस्त एक साथ अपनी कश्ती पानी में उतारो। फिर देखना कैसे छोटी-बड़ी कश्तियां धीरे-धीरे पानी में तैरती हैं। इन्हें देख कर तुम खूब मस्ती में डुबे रहते है। करोगे। अगर तुम्हें नाव बनानी नहीं आती तो तुम बड़े भाई या पेरेंट्स से सीखो। इन्हें नाव बनानी जरूर आती होगी। उनसे पूछना कि जब वे इस मौसम में खुद की बनाई नाव चलाते थे तो उन्हें कैसा लगता था।

इनको मिल जाती है बारिश की आहट

- भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।
- बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।
- गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों को खुजलाना आरंभ करता है।
- अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है।
- अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश होगी।
- तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं।
- कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो बारिश या बाढ़ आती है।

गर्मागर्म पकौड़े हो जाएं

सोचो, आज छुट्टी का दिन है। आज भैया-दीदी, मम्मा-पापा, सभी घर में हैं। बाहर झमाझम बारिश हो रही है। खिड़की से तुम अपने गमले के पत्तों पर पड़ रही बूंदों को निहार कर खुश भी हो रहे हो। शाम का वक्त है। हर रोज की तरह चाय का समय है। मम्मा से कहो, मम्मा आज चाय के साथ गर्मागर्म पकौड़े बना दो। हां, तुम इतना जरूर कर सकते हो कि मम्मा की रसोई में कुछ मदद कर दो और पकौड़ों के बनते ही सभी को उनकी जगह पर सर्व भी कर देना। तुम खुद महसूस कर सकोगे कि बारिश में चाय और पकौड़ों का आनंद अलग ही होता है। तुम चाहो तो अपने कुछ दोस्तों को भी बुला सकते हो।

बारिश को उतारो कैनवस पर

तुम में ऐसे बहुत से होनहार होंगे, जो देख कर कैनवस पर हूबहू वैसा ही उतार देते हैं। बस, तो इस मस्त मौसम में क्यों न कुछ ऐसा ही किया जाए। घर की बालकनी या खिड़की से बाहर ताक-झांक करो। तुम देखोगे कि बाहर एक से एक मजेदार सीन नजर आएंगे। सब्जी वाला भैया रेहड़ी दौड़ा कर सब्जियां बचा रहा होगा तो कुछ लोग एक ही छतरी से बारिश की बूंदों से बचने की कोशिश कर रहे होंगे। तो वहीं पेड़ों पर रिमझिम बारिश से मस्त प्राकृतिक दृश्य बन रहा होगा। बस उस दृश्य को कैनवस पर कैद कर लो।

मस्ती कुछ ऐसे भी

हम जानते हैं कि तुम्हें बारिश में भीगने में बहुत मजा आता है, लेकिन मम्मा मना करती हैं। आठवीं में पढ़ने वाली श्वेत कहती हैं कि मैं तो बारिश का नाम सुनते ही झूमने लगती हूं। आर्टिफिशयल शॉवर में वो मजा कहां, जो बारिश में भीगने में आता है। हमने तो स्कूल खुलने से पहले बारिश का इंतजार शुरू कर दिया था।' वहीं स्वभाव से शरारती अंकित का कहना है कि मैं स्कूल पैदल ही जाता हूं, क्योंकि मेरा स्कूल नजदीक ही है। इन दिनों मैं चाहता हूं कि बारिश उसी समय हो, जब स्कूल की छुट्टी हो, ताकि जम कर भीगा जाए। और रास्ते में छोटे पानी भरे हर गड्ढे में छपाक से पैर जरूर मारता हूं। तो हो जाओ तैयार तुम भी।

अपना कमरा बन जाएगा सुंदर

अपने कमरे की सफाई खुद करो। कई दिन से तुम्हारी अलमारी की सफाई नहीं हुई। उस पर रखे कुछ खिलौनों से तुम सिर्फ इसीलिए नहीं खेल पाते, क्योंकि उन पर धूल जमी हुई है। बस क्या, म्यूजिक चलाओ और झूमते-झूमते हुए अपनी अलमारी को बना दो एकदम साफ-सुथरा। बारिश के बहाने ही सही, तुमने अपने कमरे को भी सजा दिया।

सीखेंगे कुछ नया

अब बाहर तो बारिश हो रही है, पार्क में जाकर खेला भी नहीं जा सकता। बारिश में भीगने का मन नहीं है। तो क्या तुम घर बैठे-बैठे बोर होना चाहते हो। क्यों न इस समय का सदुपयोग कुछ नया सीखने के लिए किया जाए। इसके लिए मम्मी से बात करो। घर के छोटे कामकाज सीखोगे तो भी अच्छा रहेगा। और कुछ नहीं तो अपना कमरा समेटना, किताबें सही जगह रखना सीखो। घर के दूसरे कामों में मां की मदद करो। अगर ये करने का मन नहीं है तो क्राफ्ट भी कर सकते हो, पोयम या कुछ और लिख सकते हो, साइट्स देख सकते हो या दादी-दादू के साथ समय बिता सकते हो।

पतंग बनाना भी है मजेदार

मार्केट से बनी हुई पतंगें तुमने कई दफा खरीदी होंगी। इस बार क्यों न खुद ही पतंग बनाई जाए। जब बाहर जाना मुमकिन न हो तो ऐसे खुद पतंग बनाने का आइडिया है कमाल का। तुम स्कूल में तो अपनी कलाकारी खूब दिखाते हो, क्यों न इस क्रिएटिविटी को पतंग बनाने में लगा दिया जाए। जब डोर थामे तुम दूर दिख रही पतंग को देखोगे तो यकीन मानो तुम्हें जरूर अच्छा सा अनुभव होगा।

दादी का अस्पताल

अंतरिक्ष के पास एक पैर से चलाने वाली साइकिल थी। वह जब उसे चलाने बाहर निकलता तो उसकी दादी पीछे दौड़तीं। घर ढलान पर था। आसपास बहुत से चिनार के पेड़ थे। जंगली घास भी थी। दादी को लगता कि कहीं बच्चा साइकिल को न संभाल सके और नीचे लुढ़क जाए। तब क्या होगा? कितनी चोट लगेगी। आसपास वाले दादी से मजाक में कहते- ऐसा करो तुम भी एक साइकिल ले लो । बच्चे के साथ चलाओ, कुछ कसरत भी हो जाएगी और यह डर भी जाता रहेगा कि अंतरिक्ष कहीं गिर न जाए। दादी सुनती और चुप रह जातीं। उन्हें लगता कि कहीं बच्चे की ज्यादा चिंता करके वह गलती तो नहीं कर रही हैं, क्योंकि सब कहते थे कि बच्चा गिरेगा नहीं, गलती नहीं करेगा तो सीखेगा कैसे?

लेकिन गलती करने के चक्कर में कहीं इतनी चोट लग गई कि संभाले नहीं संभली तब फिर सब उन्हें ही सुनाएंगे कि वह तो बच्चा है। तुम तो बड़ी थीं, रोका क्यों नहीं? खान-पान में भी वह चाहती थीं कि वह दाल खाए, सब्जी खाए, दूध पिए, मगर वह हमेशा चॉकलेट और बर्गर मांगता। दाल देखकर नाक-भौं सिकोड़ता और खाने के नाम पर इधर-उधर दौड़ता। वह अपने बेटे से कहतीं तो वह कहता-जो चाहता है खाने दो। बच्चे पर क्या रोक लगानी।

दादी को लगता कि क्या वह सचमुच पुराने जमाने की हो गईं। क्या उन्हें बच्चों के खान-पान और उनके स्वास्थ्य के बारे में कुछ नहीं मालूम। उन्हें लगा कि जब उनकी बात किसी को अच्छी ही नहीं लगती है तो वह क्यों बोलें? बस अब वह चुप रहने लगीं। अंतरिक्ष क्या खाता है, क्या करता है, इस पर वह कुछ न बोलतीं। वह उन्हें दिखाकर तेज साइकिल दौड़ाता, दादी का दिल जोर से धड़कता मगर वह चुप। वह जुकाम-खांसी में ठंडा जूस और आइसक्रीम खाने की जिद करता, उनका मन करता कि रोकें, मगर नहीं। वह एक चॉकलेट खाता, दूसरी मांगता। माता-पिता पकड़ाते जाते, दादी को बुरा लगता। सोचतीं कि बच्चों को कुछ हो न जाए, मगर किससे कहतीं? क्या सचमुच ही वह आउटडेटेड हो गई थीं या वक्त के हिसाब से दुनिया और बच्चों की जरूरतें बदल गई थीं, उन्हें ही पता नहीं चला था। वह अपने बच्चों के बचपन को याद करती थीं। बच्चे को जैसे ही कुछ तकलीफ होती थी और उन्हें समझ में नहीं आती थी तो वह फौरन अपनी मां या सास को फोन करतीं। फिर कोई न कोई दवा ऐसी होती जो घर के मसालों, सब्जियों, दही, दूध, शहद में मौजूद होती, बच्चों को देतीं और वे ठीक हो जाते। मगर अब सब बातों के लिए डॉक्टर के पास दौड़ना था। डॉक्टर न मिले तो अस्पताल ले जाना था।

सवेरे का वक्त था। सब लोग ऑफिस जाने की तैयारी कर रहे थे। दादी सबके लिए खाना बना चुकी थीं। सलाद काट रही थीं कि इतने में फोन बजा। वह फोन उठाने गईं। बातचीत करके लौटीं तो देखती क्या हैं कि जिस चाकू से सलाद काट रही थीं, अंतरिक्ष उसे ही लेकर दौड़े जा रहा है। दादी को डर लगा, वह उसके पीछे दौड़ीं और फिसलने से बचीं। उन्होंने अंतरिक्ष के पापा को पुकारा-अरे देखो तो इसके हाथ से चाकू ले लो। कहीं हाथ में न लग जाए। बहुत ही शैतान होता जा रहा है। अंतरिक्ष के पापा ने दौड़कर उसे पकड़ा और दोनों हाथों को पकड़ लिया। पापा चाकू ले लेंगे, यह सोचकर उसने चाकू को तेजी से मुट्ठी में बंद कर लिया। और दादी के मुंह से निकला-हे भगवान ये क्या हुआ? अंतरिक्ष के पापा की नजर भी पड़ी। उसकी की हथेली से तेज खून बह रहा था। उसके पापा ने घबराकर कहा-मां देखो यह क्या हो गया? अभी तो डॉक्टर भी नहीं आया होगा। उसकी मम्मी भी घबरा गईं।

दादी वापस रसोई में गईं। मसालदानी से ढेर सी हल्दी लाईं और अंतरिक्ष के घाव पर बुरक दी। थोड़ी ही देर में खून बहना बंद हो गया। फिर दादी ने पानी में पट्टी को डुबोया और उसके हाथ पर बांध दी। पानी की पट्टी से क्या होगा मां? उसके पापा ने पूछा तो दादी बोलीं-इससे घाव जल्दी भर जाएगा। लेकिन खून इतनी जल्दी कैसे रुक गया? हल्दी से। हल्दी एंटीसेप्टिक भी है।

वाह भई मां, आप तो पूरी डॉक्टर निकलीं। अंतरिक्ष के पापा ने कहा तो दादी मुसकराईं। उन्हें अपने बेटे का बचपन याद आ गया। कैसे खेलते वक्त वह चोट लगाकर लाता था और वह इसी तरह के उपाय किया करती थीं। फिर भी उसके माता-पिता को लगा कि उसे डॉक्टर के पास ले जाना जरूरी है। डॉक्टर ने उसे देखा। दवा लगाई। इंजेक्शन दिया फिर कहा-आपकी मम्मी ने बिलकुल ठीक किया हल्दी लगाकर और पट्टी बांधकर, वरना बच्चे का काफी खून बह जाता। घाव गहरा है। फिर मुसकराकर बोला-इन बूढ़ों की नॉलेज के सामने तो कई बार डॉक्टर भी हार मान जाते हैं। डॉक्टर की बात सुनकर अंतरिक्ष के मम्मी-पापा को भी लगा कि उन्हें भी कभी-कभी अपने माता-पिता की नॉलेज का लाभ उठाना चाहिए। जब वे लौट रहे थे, तभी रेडलाइट पर गुब्बारा बेचने वाला आया। जब अंतरिक्ष लौटा तो उसके हाथ में बड़ा सा गुब्बारा था। वह दौड़ता हुआ दादी के पास गया-देखो गुब्बारा। दादी बोलीं-ठीक है, खूब खेलो। अंतरिक्ष ने मम्मी-पापा को बाय कहा। वे दफ्तर चले गए थे और वह खेल में मशगूल हो गया था।

डिजिटल डेब्यू को तैयार वाणी; पहली बार इस अंदाज में आएंगी नजर

हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आईं अभिनेत्री वाणी कपूर अब अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। वो यशराज के नए शो में नजर आने वाली हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होना है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपनी नई सीरीज का पोस्टर जारी कर दिया है, इसमें वाणी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आने वाली हैं। पोस्टर के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

नेटफ्लिक्स की ओर से अपनी नई सीरीज 'मंडाला मर्डर्स' का पोस्टर जारी किया गया है। पोस्टर में वाणी कपूर के साथ सुरवीन चावला, 'गुल्लक' फेम एक्टर वैभव राज गुप्ता और अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर नजर आ रही हैं। पोस्टर में वाणी बंदूक ताने दिख रही हैं, जबकि सुरवीन चाहला हाथ जोड़े महिला नेता के किरदार में नजर आ रही हैं। जबकि वैभव राज गुप्ता बियर्ड लुक में आंखों पर ब्लैक चश्मा लगाए दिख रहे हैं। पोस्टर में श्रिया पिलगांवकर काफी सजी-धजी खड़ी हैं।

25 जुलाई को होगी रिलीज

पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'हर वरदान में एक श्राप छिपा है। मोल चुकाने का वक्त जल्द आने वाला है।' इसके साथ ही इस सीरीज की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। नेटफ्लिक्स की ये नई सीरीज 25 जुलाई को रिलीज हो रही है। इसे यशराज फिल्म ने प्रजेंट किया है।

'रेड 2' में अजय देवगन के साथ नजर आई थीं वाणी

वाणी कपूर हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आई थीं। वो फिल्म में अजय देवगन के किरदार अमय पटनायक की पत्नी की भूमिका में नजर आई थीं। इसके अलावा सुरवीन चावला हाल ही में रिलीज हुए नेटफ्लिक्स के ही शो 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में दिखी थीं। इसके अलावा वो पंकज त्रिपाठी के शो 'क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन में भी नजर आई हैं। वहीं श्रिया पिलगांवकर हाल ही में जी5 की सीरीज 'छल कपट- द डिसेप्शन' में नजर आई थीं।

ओमंग कुमार की फिल्म सिला में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

सनम तेरी कसस फिल्म से सबके दिलों में छा जाने वाले अभिनेता हर्षवर्धन राणे अब एक शानदार फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका पोस्टर और टाइटल रिवील कर कर दिया गया है। बीते दिनों अभिनेता को इस आगामी फिल्म की तैयारी करते हुए देखा गया था।

हर्षवर्धन राणे की आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। इसे अभिनेता ने अपने इंस्टग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर में अभिनेता के साथ सादिया खतीब नजर आ रही हैं, जिसमें एक्टर ने सादिया को जोर से पकड़ रखा है। इसके साथ ही दोनों को घायल अवस्था में देखा जा सकता है, जिसमें वे खून से लथपथ दिख रहे हैं। इस पोस्टर को रिलीज करते हुए फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के टाइटल का भी एलान कर दिया है। इस फिल्म का नाम है सिला।

फिल्म के बारे में

हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब की आगामी फिल्म सिला का निर्देशन ओमंग कुमार कर रहे हैं। इसके अलावा आपको बताते चलें कि फिल्म में निगेटिव रोल में करणवीर मेहरा नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म की शूटिंग कल यानी 01 जुलाई से शुरू हो रही है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। नेटिजंस कमेंट सेक्शन में लिखा रहे हैं कि पोस्टर से लग रहा है कि फिल्म शानदार साबित होगी।

हर्षवर्धन राणे का वर्कफ्रंट

हर्षवर्धन राणे के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। फिल्म 02 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी द्वारा किया गया है। फिल्म में अभिनेता के साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं विद्या बालन

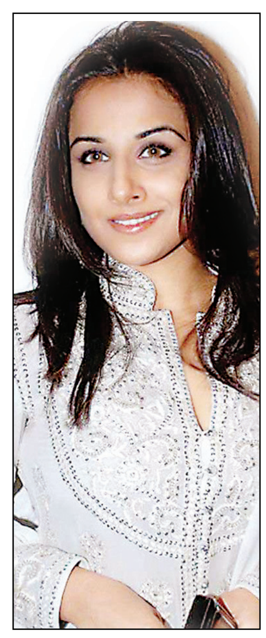

अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख पिछले काफी समय से फिल्म राजा शिवाजी को लेकर चर्चा में हैं। वह न सिर्फ इसमें लीड रोल निभा रहे हैं, बल्कि इसके निर्देशन की कमान भी संभाल रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। इसकी कास्ट और बड़ी हो गई है, क्योंकि रितेश और उनकी टीम ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विद्या बालन को फिल्म में शामिल कर दिया है। विद्या एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो भारतीय इतिहास के सबसे दमदार अध्यायों में से एक की कहानी कहती है। उन्होंने फिल्म के लिए फौरन हां कर दी। रितेश भी विद्या के साथ काम करने के लिए उतावले हो रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि विद्या ने फिल्म के लिए अपना लुक टेस्ट पहले ही करवा लिया है और अब वह जल्द ही सेट पर शूटिंग में शामिल होंगी।

हेरा फेरी 3 पर रिलीज के बाद ही बात करूंगा

अभिनेता सुनील शेट्टी हिंदी भाषा और अपकमिंग फिल्म 'हेरा फेरी 3' पर बात की। अभिनेता ने हिंट दिया कि फिल्म को लेकर फिर से दर्शकों को मजा आएगा। कॉमेडी से भरपूर फिल्म परिवार के साथ देखने वाली है, जो बड़े-बच्चों के साथ सभी को पसंद आएगी। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब फिल्म के बारे में बात रिलीज के दिन ही करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने ओटीटी और फिल्म पर भी बात की। शेट्टी ने सिनेमाघरों को 'पापा' की संज्ञा और देते हुए ओटीटी को बच्चों की संज्ञा दी। उन्होंने बताया, कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स आ चुके हैं और यह अच्छी बात है। दरअसल, सिनेमाघर 'पापा' हैं और ओटीटी उनके बच्चे हैं। बच्चे हर हाल में पिता के लिए अच्छे होते हैं। वे सपोर्ट ही करते हैं। अभिनेता ने बताया कि यदि किसी चीज में बदलाव चाहिए तो उसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए। उन्होंने पाकिस्तानी एक्टर्स पर लगे प्रतिबंध पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेता ने बताया, रिश्ते तो हमेशा ऊपर-नीचे होते ही रहते हैं। पहलगाम की बात करें तो मेरा मानना है निश्चित तौर पर बैन होना चाहिए। जब तक माहौल सही न हो जाए। बात केवल कला की नहीं है। राजनीति, खेल और एंटरटेनमेंट सभी क्षेत्रों को यह बात समझनी होगी।

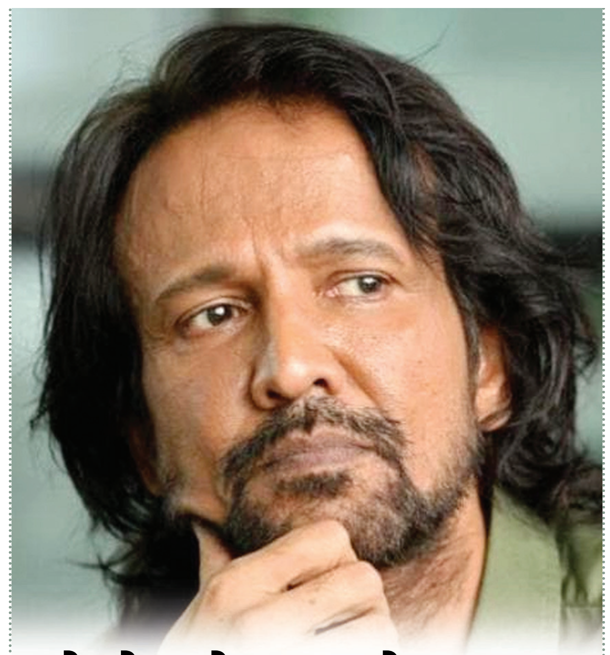

केके मेनन ने बताया को-एक्टर के साथ कैसा बर्ताव करते हैं बिग बी

अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपने आगामी वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान केके मेनन ने बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर बात की और उन्हें भगवान का बच्चा बताया। उन्होंने बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया।

अमिताभ बच्चन आज भी नए कलाकार की तरह काम करते हैं

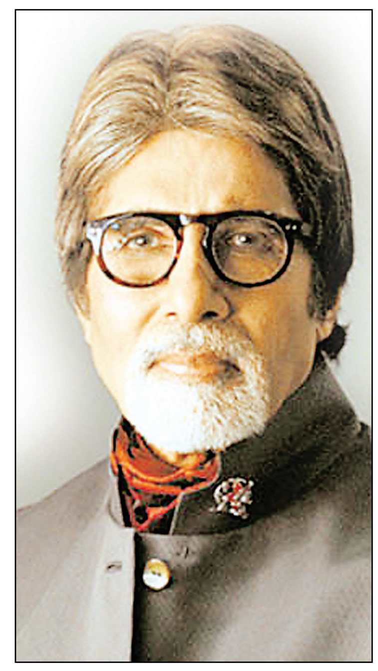

पॉडकास्ट में केके मेनन ने इस दौरान अपने शो से इतर कई मुद्दों पर बात की। बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा करते हुए केके मेनन ने उनकी तारीफ की। अभिनेता ने कहा, 'अमिताभ बच्चन भगवान के बच्चे हैं। उनकी पीढ़ी वाले कौन हैं अभी जो एक्टिव हों, लेकिन वो आज भी उतने ही सक्रिय हैं। वह आज भी प्रासंगिक हैं। वह हर सुबह उठते हैं और एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं। हम इसे चमत्कार और जादू कहते हैं। मैंने सीखा है कि अगर कोई व्यक्ति जो इतना अनुभवी है, एक नए व्यक्ति की तरह काम कर रहा है, तो हम कौन हैं?'

बिग बी प्रतिभा और अनुशासन का बेहतरीन उदाहरण हैं

बिग बी के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव को बताते हुए केके मेनन ने कहा कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। केके ने कहा कि बिग बी अपने को-एक्टर को काफी महत्व देते हैं। उन्होंने फिल्म 'सरकार' के समय को याद करते हुए एक सीन के दौरान अमित जी ने रामगोपाल वर्मा से मेरा क्लोजअप शॉट लेने को कहा क्योंकि वो चाहते थे कि मेरे हाव-भाव कैमरे में कैद हों। उन्होंने कहा कि बिग बी एक प्रतिभाशाली और अनुशासित अभिनेता हैं। अनुशासन के बिना प्रतिभा लंबे समय तक नहीं टिकती। अमिताभ बच्चन अनुशासन के साथ प्रतिभा का एक बेहतरीन उदाहरण हैं।

11 जुलाई को रिलीज होगा 'स्पेशल ऑप्स 2'

केके मेनन जल्द ही अपने वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' में नजर आएंगे। इस सीरीज में वो रॉ ऑफिसर हिम्मत सिंह का किरदार निभा रहे हैं। इस बार की सीजन एआई के बढ़ते प्रभाव से होने वाले नुकसान और साइबर अटैक पर आधारित है। इससे पहले 'स्पेशल ऑप्स' के दो सीजन आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। इस नए सीजन के ट्रेलर भी आते ही धमाल मचा दिया था। अब फैंस 11 जुलाई को जियो-हॉटस्टार पर रिलीज होने वाले इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पहली फिल्म बनने में 6 साल लगे, रेंट के पैसे नहीं थे, मॉडल है एक्टिंग नहीं आती कहकर नकारा गया

एक जमाने में सुपर मॉडल रहे अर्जुन रामपाल ने जब फिल्मों में कदम रखा, तो मॉडल होने के नाते उन्हें लंबे समय तक आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा कि मॉडल अभिनय नहीं कर सकते, मगर बीते 25 सालों में अर्जुन लगातार अपने क्राफ्ट पर काम करते गए और रॉक ऑन के यि उन्होंने सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी हासिल किया। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई वेब सीरीज राना नायडू से।

आप जब मॉडलिंग से फिल्मों में आए तो आपकी पहली फिल्म मोक्ष को बनने में पूरे 6 साल लग गए थे, वो समय आपके लिए कितना कठिन था?

मैंने जब अपनी पहली फिल्म मोक्ष के रशेज (कुछ दृश्य) देखे तो मुझे खुद से नफरत हो गई थी। मुझे लगा कि मैं कैमरे के सामने इतना स्टिफ क्यों लग रहा हूं। फिर मैंने उसका विश्लेषण किया और मैंने पाया कि मॉडल के रूप में हमें कैमरे के आगे विशेष तरह से चलने और पोज देने की ट्रेनिंग दी जाती है, मगर जब आप फिल्म करते हैं, तो आपको किरदार में ढलना होता है। आपको बुत की तरह खड़े नहीं रहना होता। उन रशेज को देखकर मैंने तय किया कि मैं एक्टर की दिशा में आगे कदम बढ़ाऊंगा, तो मैंने ऐलान कर दिया कि मैं मॉडलिंग से संन्यास ले रहा हूं। तब मैं नहीं जानता था कि मोक्ष को बनने में 6 साल लग जाएंगे। मैं मॉडलिंग छोड़ चुका था और मेरे इनकम का स्त्रोत भी बंद हो चुका था। बहुत मुश्किल समय था। कई बार मेरे पास किराया भरने के पैसे नहीं होते थे, मगर उस दौर ने बहुत कुछ दिया भी।

मॉडल होने के नाते जब आपको आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा कि आप अभिनय नहीं कर सकते? मगर फिर आपको आगे चलकर राष्ट्रीय पुरस्कार (रॉक ऑन के लिए सहायक अभिनेता का) भी मिला?

बहुत दुख होता था, जब मुझे और मेरे अभिनय को क्रिटिसाइज किया जाता था। शुरुआत में जब आप नए होते हैं, तो आपको प्रोत्साहन चाहिए होता है, क्योंकि उस वक्त आप खुद असुरक्षित होते हैं कि आपको काम आता है या नहीं? ऐसे में जब आपके काम को बुरा बोला जाता है, तो बहुत तकलीफ होती है। किसी फिल्म पर आप साल भर मेहनत करते हो, फिर शुक्रवार को आप उसे दर्शकों को सौंप देते हो और अगर दर्शक उसे नकार दें, तो आप गिर जाते हो, टूट जाते हो। साइकोलॉजिकल रूप से यह आपको बहुत प्रभावित कर देता है। शुरू में तो मैं आलोचकों पंचिंग बैग बन गया था। मैं जितना उन्हें महत्व देता, वे उतनी अधिक आलोचना करते। फिर एक समय ऐसा आया कि मैंने तय किया कि मैं अब अपने किरदारों को अहमियत दूंगा। मैंने क्रिटिसिज्म की परवाह करना छोड़ दिया और उन्होंने मेरे बारे में कहना।

पहले मॉडलिंग फिर सिनेमा और अब ओटीटी, आपके लिए ये शिफ्ट कैसा है?

मेरे लिए ये शिफ्ट ज्यादा कुछ नहीं है। माध्यम तो अभिनय का ही है। काम भी वही है, लोग वही हैं, निर्देशक और कहानियां भी कमोबेश वही हैं। बस एक चीज जो अलग है, वो ये कि आपको अपने किरदार पर काम करने का अधिक समय मिल जाता है। कहानी परतदार होती है। इन दिनों मैं ओटीटी पर काफी इंडियन और विदेशी कॉन्टेंट देख रहा हूं और मैंने पाया कि जिन शोज के किरदार और कहानियां मजबूत होती हैं, उनकी ग्रिप भी सुदृढ़ होती है, तो ये मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं। मैंने अपने करियर में जो भी रोल किए हमेशा से खुद को किरदार के रूप में देखा। अब तो जो फिल्में या ओटीटी पर शोज बन रहे हैं, उसमें दर्शक एक्टर को नहीं बल्कि किरदारों को देखना चाहते हैं और साथ ही ये देखना चाहते हैं कि उन चरित्रों के साथ अभिनेता ने न्याय किया या नहीं, तो मेरे लिए ये बहुत अच्छा समय है, क्योंकि मुझे उस तरह के चरित्र मिल रहे हैं, जिनमें मैं प्रवेश कर सकता हूं। वेब सीरीज के साथ मैं फिल्में भी कर रहा हूं।

आपकी ताजातरीन वेब सीरीज राना नायडू में सितारों का मेला लगा हुआ है, तो इसका हिस्सा बनते हुए मन में कोई असुरक्षा थी कि आपकी भूमिका क्या आकार लेगी?

अगर आप मेरा करियर देखेंगी तो मैं इंडस्ट्री के तमाम बड़े सितारों के साथ काम कर चुका हूं। मैंने कई मल्टी स्टार कास्ट फिल्में भी की हैं, तो मैं कभी भी किसी इंसिक्योरिटी के साथ नहीं आता। एक अभिनेता के रूप में जब आप स्क्रिप्ट पढ़ रहे होते हैं, तो आपको कुछ उस वक्त फैसला लेना होता है कि क्या मैं इस किरदार के साथ इंसाफ कर पाऊंगा? क्या अभिनेता के रूप में यह मुझमें कुछ जोड़ेगा? उस वक्त अपने निर्देशक के साथ रोल को लेकर आपके सारे डिस्कशन हो जाने चाहिए। आपको कुछ कमी लग रही है, तो उस पर भी बात हो जानी चाहिए, ताकि सेट पर सब कुछ स्पष्ट रहे। मुझे जब इस भूमिका का प्रस्ताव मिला, तो यह किरदार मुझे काफी जटिल लगा। जिसके कारण इसकी लेयरिंग भी थी। मैंने निर्देशक करण अंशुमन से सारी चीजें डिस्कस करने के बाद यही कहा कि आप जब लिखेंगे, तो मेरे किरदार को ऐसे लिखिएगा कि मुझे उसे निभाते हुए थोड़ी छूट मिल सके।

शुभमन गिल ने किया कमाल, सेना देशों में टेस्ट में दोहरा शतक जड़ने वाले बने पहले भारतीय कप्तान

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा इतिहास रच दिया है। दरअसल, शुभमन गिल इंग्लैंड ही नहीं, बल्कि सेना देशों में टेस्ट मैचों में बतौर कप्तान दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अभी तक 192 रनों के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन टॉप पर थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाप ऑकलैंड में ये करिश्मा किया था। इसके अलावा वे इंग्लैंड में तीसरे भारतीय हैं, जिन्होंने टेस्ट मैच में 200 या इससे ज्यादा रनों की पारी खेली है।

भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा इतिहास रच दिया है। दरअसल, शुभमन गिल इंग्लैंड ही नहीं, बल्कि सेना देशों में टेस्ट मैचों में बतौर कप्तान दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अभी तक 192 रनों के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन टॉप पर थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाप ऑकलैंड में ये करिश्मा किया था। इसके अलावा वे इंग्लैंड में तीसरे भारतीय हैं, जिन्होंने टेस्ट मैच में 200 या इससे ज्यादा रनों की पारी खेली है।

शुभमन गिल बतौर कप्तान इंग्लैंड में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय हैं, जबकि बतौर खिलाड़ी ऐसा करने वाले वे भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। सुनील गावस्कर और राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड में दोहरा शतक जड़ा हुआ है। गिल का बल्ला इस सीरीज में जमकर बोल रहा है। वे एकमात्र प्लेयर हैं जो 350 से ज्यादा रन बना चुके हैं। पहले मैच में भी उन्होंने शतक जड़ा था। वे पहली पारी में 147 रन बनाने में सफल हुए थे। हालांकि, दूसरी पारी में सिर्फ 8 रन ही बना सके थे। इस तरह इस पारी खो मिलाया जाए तो वे 350 से ज्यादा रन सिर्फ तीन पारियों में बना चुके हैं।

पाकिस्तान को भारत में एशिया कप खेलने की अनुमति मिलेगी या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान की टीम को अगले महीने भारत में एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी जाएगी। खेल मंत्रालय के सूत्र ने कहा कि भारत कई देशों की भागीदारी वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलेगा।

सूत्र ने कहा, 'हम किसी भी टीम के भारत में बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन द्विपक्षीय प्रतियोगिता अलग होती है।' हॉकी एशिया कप 29 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में आयोजित किया जाएगा जिसमें भारत सहित आठ टीमें भाग लेंगी।

'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण अगले महीने एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर संदेह था। एशिया कप के अलावा नवंबर-दिसंबर में होने वाले जूनियर विश्व कप में भी पाकिस्तान की टीम को खेलने की अनुमति दी जाएगी।

काउंटी क्रिकेट में ईशान किशन ने की गेंदबाजी, हरभजन और शेन वॉर्न के बॉलिंग एक्शन को करते दिखे कॉपी

मुम्बई (एजेंसी)। ईशान किशन मौजूदा समय में इंग्लैंड में मौजूद हैं। जहां वह काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन 1 में नॉटिंघमशर के लिए खेल रहे हैं। इसदौरान उन्होंने अर्धशतक बनाया है। बुधवार को ईशान किशन ने समरसेट के खिलाफ मुकाबले के दौरान गेंदबाजी की। हालांकि, उनके एक्शन ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। किशन भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के बॉलिंग एक्शन की नकल करते दिखे हैं।

ईशान किशन ने अपने ओवर के दौरान ऑफ स्पिन और लेग स्पिन की। उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में अपनी पहली गेंद पर हरभजन सिंह का बॉलिंग एक्शन कॉपी करने की कोशिश की। टॉम कोहलर कैडमोर के खिलाफ उन्होंने ये गेंद डाली, जोकि 140 के करीब बल्लेबाजी कर रहे थे। ईशान किशन ने शुरुआती 4 गेंद ऑफ स्पिन की, इसके बाद उन्होंने राउंड द विकेट शेन वॉर्न के बॉलिंग एक्शन की कॉपी की। ईशान किशन ने मैच का आखिरी ओवर डाला। इस दौरान उन्होंने एक रन दिया। उनका गेंदबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। समरसेट ने कैडमोर के 147 रनों के बदौलत दूसरी पारी में 4 विकेट पर 238 के स्कोर पर पारी घोषित की। उनके पास 108 रन की बढ़त थी, जब ड्रॉ के लिए सहमति बनी। इससे पहले समरसेट ने पहली पारी में 379 रन बनाए। टॉम बैंटन और टॉम अबेल ने अच्छा योगदान दिया। इसके जवाब में नॉटिंघमशर ने 163.2 ओवर में 509 रन बनाए।

राष्ट्रीय टीम के अलावा इंग्लैंड में खेल रहे वैभव, तिलक सहित अन्य क्रिकेटरों पर भी रहेंगी गंभीर की नजरें

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही अंडर-19 टीम भी अभी इंग्लैंड दौरे पर है। इसके अलावा टीम से बाहर चल रहे कई युवा क्रिकेटर यहां काउंटी में खेल रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की नजरें मुख्य टीम के अलावा यहां खेल रहे अन्य खिलाड़ियों पर भी रहेंगी।

आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय अंडर 19 टीम में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी सहित कई उभरते हुए क्रिकेटर हैं। इसे अलावा तिलक वर्मा, ईशान किशन सहित कई अन्य युवा खिलाड़ी काउंटी में खेल रहे हैं। काउंटी चैंपियनशिप में हैम्पशायर की ओर से खेल रहे तिलक का अब तक का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पिछली बार एसेक्स के खिलाफ शानदार शतक लगाने के बाद इस क्रिकेटर ने वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ 56 रन बनाये। तिलक भारतीय टी20 टीम के सदस्य हैं पर टेस्ट में अब तक जगह नहीं बना पाये हैं।

मुशीर खान– मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मुशीर खान ऑलराउंडर हैं। इंग्लैंड में मुंबई इमर्जिंग टीम की ओर से मुशीर ने नॉटिंघमशर की सेकंड इलेवन के खिलाफ पहले मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 6 विकेट लिए। वह मुम्बई क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित दौरे पर एक माह के लिए इंग्लैंड गये हैं।

ईशान किशन– भारतीय टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन काउंटी भी आजकल क्रिकेट खेलकर में शामदार प्रदर्शन कर रहे हैं। नॉटिंघमशायर काउंटी की ओर से खेलते हुए इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक लगाये हैं। समरसेट के खिलाफ मैच में ईशान ने 128 गेंदों में 77 रन बनाए थे। वहीं इससे पहले मैच में भी ईशान ने यॉर्कशायर के खिलाफ 98 गेंदों में 87 रन बनाए थे।

स्पॉट फिक्सिंग में प्रतिबंधित रहे अंकित बने मुम्बई टीम के कोच

मुम्बई (एजेंसी) । मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने पूर्व स्पिनर अंकित चव्हाण को नया कोच बनाया है। जिससे सभी हैरान हैं। अंकित 2013 स्पॉट फिक्सिंग मामले के आरोपी रहे हैं। स्पॉट फिक्सिंग में फंसने के बाद अंकित पर प्रतिबंध लग गया था पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईद्ध) ने साल 2021 में इसे घटाकर सात साल कर दिया था। जिससे वह दो साल पहले ही खेल में वापसी कर पाए हैं। अंकित ने अपने करियर में 18 फर्स्ट क्लास, 20 लिस्ट ए और 13 आईपीएल मैच खेले हैं। ये स्पिनर प्रतिबंध के दौरान भी मुंबई के कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लब के लिए क्लब क्रिकेट खेलता रहा और उसने कोचिंग के लिए जरुरी लेवल-1 परीक्षा भी पास की। जिससे उसे एक और अवसर खेल से जुड़ने का मिला है। इस क्रिकेटर ने कहा है कि यह मेरे लिए दूसरी पारी है और मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। जिंदगी में हमेशा वापसी का अवसर होता है। इसके लिए मैं मुंबई क्रिकेट संघ का आभारी भी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। कोचिंग मेरे मन में पहले से थी और मुझे आने वाली कठिन चुनौतियों के बारे में पता है। मैं अंडर-14 क्रिकेट के खिलाड़ियों की बुनियादी तकनीकों पर काम करना चाहता हूं ताकि वे अपने खेल में बेहतर हो सकें। गौरतलब है कि 2013 में बीसीसीआई की अनुशासन समिति ने एस. श्रीसंत, अजीत चंडिला और अंकित चव्हाण को आईपीएल में स्पॉट फिक्सिंग का दोषी मानते हुए आजीवन प्रतिबंध लगाया था। साल 2015 में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में इन सभी खिलाड़ियों को बरी कर दिया हालांकि बीसीसीआई ने प्रतिबंध जारी रखा। बाद में जून 2021 में बीसीसीआई ने सभी पर से प्रतिबंध को घटाकर सात साल कर दिया.

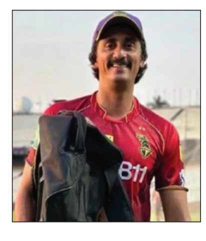

तमिलनाडु प्रीमियर लीग : अश्विन की आक्रामक बल्लेबाजी से जीती डिंडीगुल ड्रैगन्स

चेन्नई । डिंडीगुल ड्रैगन्स की कप्तानी करते हुए अश्विन दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग के एक मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 48 गेंदों पर ही 83 रन बना दिये। अश्विन अपनी स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं पर यहां उन्हें 11 चौके व तीन छक्के लगाकर सभी को हैरान कर दिया। उनकी इस पारी से डिंडीगुल ड्रैगन्स ने ये मैच जीत लिया। अश्विन की पारी से एलिमिनेटर में त्रिची ग्रैंड चोलाज छह विकेट से हार गयी। अब डिंडीगुल ड्रैगन्स का मुकाबला क्वालिफायर-2 में शुक्रवार को चेपॉक सुपर गिलीज से होगा। इसमें विजेता टीम फानल में पहुंचेगी। एलिमिनेटर मुकाबले में अश्विन ने टॉस जीतकर त्रिची ग्रैंड चोलाज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अश्विन ने तीन विकेट लेकर उसे करारा झटका दिया। बाद में 141 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अशिनन की डिंडीगुल ड्रैगन्स ने तेजी से रन बनाये। अश्विन ने शिवम सिंह के साथ पहले 5 ओवरों में ही 50 रन बना दिये। शिवम 5वें ओवर में आउट हो गए पर अश्विन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए त्रिची के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

युवराज और सचिन भी हुए शुभमन और यशस्वी की बल्लेबाजी से प्रभावित

मुम्बई । सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह ने शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। शुभमन ने इंग्लैंड दौरे में लगातार दूसरा शतक लगाया है। शुभमन ने दूसरे टेस्ट में जहां नाबाद 114 रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 87 रनों की पारी खेलकर खेली। इंग्लैंड में विपरीत हालातों में इनकी बल्लेबाजी से सचिन और युवराज काफी प्रभावित हैं। इन दोनो ने ही शुभमन गिल व यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा, 'उसने पहली गेंद से ही लय हासिल कर ली। वह सकारात्मक, निडर और चतुराई से आक्रामक बल्लेबाजी करता दिखा। वहीं शुभमन को लेकर कहा, हमेशा की तरह शांत, दबाव में शांत, डिफेंस में मजबूत और पूरी तरह से पारी पर नियंत्रण करते दिखा। दोनों ने शानदार पारी खेली।' वहीं शुभमन के गुरु रहे युवराज ने कहा , 'जब जिम्मेदारी आती है, तो कुछ लोग आगे बढ़ते हैं और कुछ ऊंची उड़ान भरते हैं। शुभमन टेस्ट कप्तान के रूप में लगातार शतक बनाने वाले इन्हीं खिलाड़ियों में से एक हैं। शांत दिमाग, बोल्ड बल्लेबाजी और उदाहरण पेश करके नेतृत्व करने की क्षमता उनमें है।' वहीं उनकी इस बल्लेबाजी से उन लोगों को करारा जवाब मिला है जो कप्तान बनाते समय आरोप लगाते रहे हैं कि कमजोर बल्लेबाजी के कारण शुभमन की जगह टेस्ट में पक्की नहीं है।

सुपरयूनाइटेड रैपिड शतरंज : गुकेश नें प्रज्ञानन्दा को हराया

जाग्रेब , क्रोसिया (एजेंसी)। सुपरयूनाइटेड रैपिड के पहले दिन भारत के विश्व चैंपियन गुकेश डी ने लगातार दो जीत दर्ज करते हुए अच्छी शुरुआत की है । गुकेश को पहले राउंड में पोलैंड के यान डूड़ा से हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में एक बार फिर रैपिड में उनके खेल पर सवाल उठ ही रहे थे की उन्होने लगातार दो बाजियों में पहले फ्रांस के अलीरेजा को सफ़ेद मोहरो से और फिर हमवतन प्रज्ञानन्दा को काले मोहरो से पराजित करते हुए शानदार वापसी की । गुकेश नें इन दोनों खेल में समय और आक्रामक शतरंज दोनों का उपयुक्त तालमेल दिखाया और यह जताया की वह इस फॉर्मेट में भी लगातार खुद को बेहतर कर रहे है । इस जीत के साथ गुकेश नॉर्वे के मैगनस कार्लसन ,पोलैंड के यान डुड़ा और यूएसए के वेसली सो के साथ 4 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर पहुँच गए है ।

प्रज्ञानन्दा के साथ गुकेश के मुक़ाबले पर सबकी नजरे थी और उन्होने ओपनिंग से ही केंद्र में मजबूत पकड़ बनाते हुए अपने खेल की मजबूती दिखाई। खासकर केंद्र में उनके प्यादे का खेलना खेल का मोड़ साबित हुआ।

दूसरी ओर, प्रज्ञानन्दा की वजीर के हिस्से पर खेल की चालों ने कुछ हद तक संतुलन में लाने का मौका दिया, लेकिन समय की कमी में प्रज्ञानन्दा सही चाल नहीं खोज पाए। अंत में गुकेश ने अपने अनुभव और कुशलता का परिचय देते हुए एंडगेम में निर्णायक चालें चलकर जीत हासिल की।

कल भी रैपिड में तीन राउंड खेले जाएंगे जिसमें गुकेश का सामना उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव , यूएसए के फबियानों करूआना और नॉर्वे के मैगनस कार्लसन से होगा जबकि प्रज्ञानदा जो फिलहाल दो ड्रॉ के साथ आठवें स्थान पर है उनका सामना भी फबियानों करूआना और मैगनस कार्लसन और नीदरलैंड के अनीश गिरि से होगा

फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने जताया दुख

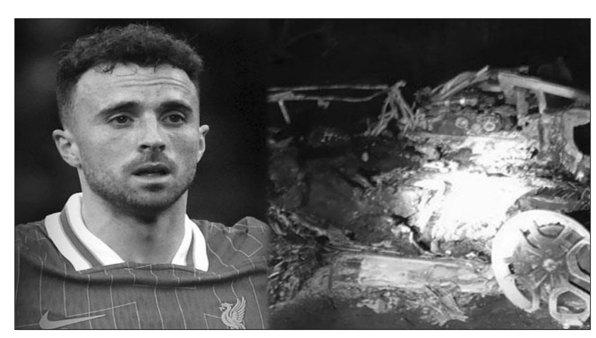

जमोरा (स्पेन) । लिवरपूल और पुर्तगाल के फॉरवर्ड डिओगो जोटा की स्पेन में गुरुवार को 28 साल की उम्र में कार दुर्घटना में मौत हो गई। स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना के समय जोटा अपने भाई के साथ कार में थे। प्रीमियर लीग और लिवरपूल फुटबॉल क्लब ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर फुटबॉलर के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उनकी मौत पर पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दुख प्रगट किया है।

प्रीमियर लीग घटना से स्तब्ध – प्रीमियर लीग ने एक्स पर लिखा, 'प्रीमियर लीग में हर कोई डियोगो जोटा और उनके भाई आंद्रे के दुखद निधन के बारे में जानकर स्तब्ध है। इस दुखद समय में हमारी हार्दिक संवेदनाएं डियोगो के परिवार, दोस्तों, लिवरपूल एफसी और उनके सभी समर्थकों के साथ हैं। फुटबॉल ने एक चैंपियन खो दिया है जिसकी कमी हमेशा खलेगी। हम क्लब में अपने दोस्तों और सहकर्मियों का समर्थन करना जारी रखेंगे।' एलएफसी ने एक्स पर लिखा, 'लिवरपूल फुटबॉल क्लब डियोगो जोटा के दुखद निधन से स्तब्ध है।'

रोनाल्डो ने शोक व्यक्त किया – रोनाल्डो ने शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'अभी हम नेशनल टीम में साथ थे, अभी आपकी शादी हुई थी। आपके परिवार, आपकी पत्नी और आपके बच्चों के लिए मैं अपनी संवेदनाएं भेजता हूं। मुझे पता है कि आप हमेशा उनके साथ रहेंगे। शांति से आराम करो, डिओगो और आंद्रे। हम सभी आपको याद करेंगे।'

ब्रैथवेट खेलेंगे 100वां टेस्ट, वेस्टइंडीज खिलाड़ियों के विशेष क्लब में होंगे शामिल

बारबाडोस (एजेंसी)। क्रेग ब्रैथवेट आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे और वेस्टइंडीज के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले 10वें क्रिकेटर बन जाएंगे। वह विव रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और गॉर्डन ग्रीनिज जैसे खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में शामिल हो जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ब्रैथवेट सबसे लंबे प्रारूप में वेस्टइंडीज क्रिकेट की आधारशिला बन गए हैं, उन्होंने 99 टेस्ट मैचों में 12 शतकों के साथ 5943 रन बनाए हैं, उनमें से 39 में टीम का नेतृत्व किया है, किसी भी अन्य वेस्टइंडीज खिलाड़ी की तुलना में अधिक गेंदों का सामना किया है और 2022 में आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम ऑफ द ईयर में स्थान अर्जित किया है। उनकी यात्रा 2011 में 18 वर्षीय नवोदित खिलाड़ी के रूप में शुरू हुई, लेकिन यह विश्वास बहुत पहले ही जड़ जमा चुका था, जब उन्होंने सिर्फ़ 14 वर्ष की आयु में ही पूरे आत्मविश्वास के साथ घोषणा की थी कि वह एक दिन वेस्टइंडीज के लिए 100 टेस्ट खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर क्रेग ब्रैथवेट ने कहा, 'मैंने यह लक्ष्य तब तय किया था, जब मैं शायद 14 वर्ष का था - 100 टेस्ट खेलना। अब मैं 18 साल बाद वेस्टइंडीज के लिए अपना सौवां टेस्ट खेल रहा हूं। मैं बहुत आभारी हूं, और मैं बस युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं।% मई 2011 में बैसेटेरे में पाकिस्तान के खिलाफ ब्रैथवेट के लिए यह ड्रीम डेब्यू नहीं था। उन्होंने एक बाउंड्री के साथ शुरुआत की, लेकिन 15 और 0 के स्कोर ने उनके टेस्ट करियर की एक शांत शुरुआत को चिह्नित किया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि इस विश्वास को जमने में समय लगा, लेकिन एक बार जब यह जम गया, तो पीछे मुड़कर नहीं देखा। मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अपने तीसरे टेस्ट में एक शानदार अर्धशतक ने फॉर्म में वापसी की, जिसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ अपने अगले चार मैचों में उन्होंने तीन और अर्धशतक लगाए। ब्रैथवेट को अपना पहला टेस्ट शतक बनाने में तीन साल लग गए, 2014 में पोर्ट ऑफ स्पेन में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक संयमित पारी।लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम में उनकी जगह को मजबूत किया। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के खिलाफ मेरा पहला शतक एक ऐसा एहसास था जिसे मैं वास्तव में शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मुझे विश्वास नहीं था कि मैं टेस्ट शतक के इतने करीब पहुंच जाऊंगा, और फिर इसे हासिल करने के बाद, मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मैंने वेस्टइंडीज के लिए 100 रन बनाए।

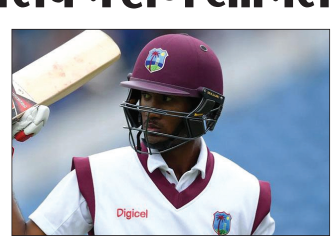

जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे, गॉफ और ज्वेरेव बाहर हुए

लंदन । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। वहीं महिला वर्ग में अमेरिकका की कोको गॉफ को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है। जोकोविच पहले दौर के मैच में पेट दर्द से भी परेशान रहे। इस कारण उन्हें दो बार मेडिकल हेल्प भी लेनी पड़ी के कारण दो बार डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। जोकोविच ने एलेक्जेंडर मुलर को 6-1, 6-7 (7), 6-2, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। जोकोविच ने कहा, ''मैं मैच के दौरान काफी परेशान था पर किसी प्रकार दवा लेकर खेलने में सफल रहा।'' वहीं एक अन्य मुकाबले में ज्वेरेव को आर्थर रिंडरक्नेच ने पांच सेटों तक चले मुकाबले में 7-6 (3), 6-7 (8), 6-3, 6-7 (5), 6-4 से हराया। महिला एकल की बात करें तो गॉफ पहले दौर में ही हार गयी। उन्हें दयाना यास्त्रेम्स्का ने 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया। वहीं इस साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लोरेंजो मुसेट्टी भी पहले दौर में ही हार कर बाहर हो गये। उन्हें निकोलोज बेसिलशविली ने हराया। इस तरह से विंबलडन में पहले दो दिन में 23 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बाहर हो गये हैं।

अगले सत्र में रॉयल्स की जगह सीएसके से खेल सकते हैं सैमसन

मुंबई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रॉयल्स की जगह पर चेन्नईसुपरकिंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आ सकते हैं। सैमसन ने 18 वें सत्र में रॉयल्स की कप्तानी की थी पर टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में अब रॉयल्स आईपीएल के अगले सत्र के लिए नये सिरे से टीम बनाने जा रही है। वह तकरीबन आधे खिलाड़ी बदलने पर विचार कर रही है। रॉयल्स ने अब तक किसी का नाम नहीं बताया है पर जिन खिलाड़ियों के लिए ट्रेड-ऑफ की मांग सबसे अधिक होगी, उनमें से एक सैमसन हो सकते हैं। ऐसे में सैमसन और रॉयल्स की टीम आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। वैसे भी टीम के पास ध्रुव जुरेल के रूप में एक अच्छा विकेटकीपर बल्लेबाज है। आईपीएल में अभी दो टीमों को अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाज की जरूरत है। इसमें सीएस के और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है। सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने पर संशय बना हुआ है।

गौरतलब है कि आईपीएल के अगले सत्र को देखते हुए ट्रेडिंग विंडो बाद चार जून से ही शुरू हो गई थी और यह 2026 के खिलाड़ियों की नीलामी की तारीख से एक सप्ताह पहले तक जारी रहेगी। खिलाड़ियों की नीलामी समापत होने के बाद विंडो फिर से खुलेगी और अगले सत्र की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले बंद हो जाएगी। ट्रेड-ऑफ कई तरह के होते हैं। इसमें टीमों की आपसी सहमति के बाद एक ही कीमत पर खिलाड़ियों की अदला-बदली होती है। इसमें अधिक कीमत वाले खिलाड़ी को रखने वाली फ्रेंचाइजी को शेष राशि मिलती है, वहीं एकतरफा नकद सौदा भी होता है इसमें एक फ्रेंचाइजी नीलामी से पहले अपने पर्स को बढ़ाने के लिए खिलाड़ी को बेचती है। ''इसमें सबसे अहम बात यह है कि हर टीम अपनी टीम को मजबूत करने वाली किसी भी चीज के लिए तैयार रहती है। सैमसन पिछले कई वर्षों से राजस्थान टीम का अहम हिस्सा रहे है पर कप्तान के तौर पर रियान पराग के सामने आने के बाद उनके लिए टीम में बने रहना आसान नहीं होगा। पिछले सत्र में जब सैमसन चोटिल थे जब पराग ने टीम की कमान संभाली थी। सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और खराब फार्म से भी रॉयल्स उन्हें बदलना चाहेगी।